हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

शिक्षक दिवस पर विशेष

गुरु त्यागी हैं। समर्पण का भाव रखने वाले ओजस्वी दानी हैं। शिक्षा ही नहीं, संस्कारों का दान और बच्चों के भविष्य निर्माण के लिए अपना सर्वोच्च बलिदान का पुरातन काल साक्षी रहा है। कहीं न कहीं वह परंपरा आज भी कायम है। अपने अनुभव, ज्ञान और संस्कारों के साथ उन्होंने बच्चों का भविष्य गढ़ा है। शिक्षक दिवस पर हरिभूमि ऐसे ही ओजवान शिक्षकों के सनातन विचार के साथ नवाचार और काबिल -ए -तारीफ प्रयासों को सामने रख रहा है।

गुरुवे नमः बच्चों के लिए समर्पण त्याग ने बनाया तपस्वी

यू-ट्यूब में बनाया चैनल

गीत गाकर कंठस्थ करा रहे पाठ्यक्रम

अनिल श्रीवास ▶▶। बिलासपुर

नए तरीकों से बच्चों को शिक्षित करने की ललक ने शासकीय प्राथमिक शाला दुर्गडीह के शिक्षक बसंत जांगड़े को नई राह दिखाई, उन्होंने गीत गाकर बच्चों को पाठ्यक्रम कंठस्थ कराना आरंभ किया। अब उनका यह तरीका कामयाब हो गया है। बच्चे गीत के माध्यम से सहज ही शिक्षित हो रहे हैं। शिक्षक श्री जांगड़े का सपना पूरे प्रदेश में शिक्षा के इस नए तरीके को प्रसारित करने का है, ताकि सभी बच्चे इस नए तरीके से पढ़ाई कर सकें।

कहा जाता है कि बचपन में पढ़ने लिखने की नींव जितनी मजबूत होती है, बच्चों का भविष्य भी उतना ही शानदार होता है, इसलिए बच्चों के माता-पिता और शिक्षक छात्रों की नींव मजबूत करने के लिए जी तोड़ मेहनत करते हैं। टीचर पढ़ाई को सरल ▶▶। शेष पेज 4 पर

पूरे देश में फैलाने चाहते हैं

सहायक शिक्षक बसंत जांगड़े पूर्व में तीसरी क्लास के बच्चों को ताली या किसी वाद्ययंत्र के माध्यम से गीत और कविताओं के साथ पढ़ाई कराते थे, इससे उनके ही स्कूली बच्चों को फायदा मिल रहा था। वे अपने इस पढ़ाने के अनोखे तरीके को सोशल मीडिया के माध्यम से पूरे देश में फैलाना चाहते हैं, इसलिए उन्होंने पीहू म्यूजिक प्रोडक्शन के नाम से यू-ट्यूब चैनल खोला है। जिसमें उन्होंने अपने गीत को अपलोड कर दिया है। उन्होंने हाल ही में छत्तीसगढ़ी कविता मुसवा रइथे जी कविता को मधुर संगीत से संजोया है। उनकी भविष्य में और भी कविता, कहानी की रिकार्डिंग करने की योजना है। जिसे लंबे समय तक सहेजा जा सके और ज्यादा से ज्यादा बच्चे, अभिभावक और शिक्षक इसका लाभ उठा सकें।

शासकीय विद्यालय कोंटा के शिक्षकों ने बदल दी तस्वीर, रोजाना लेते हैं अतिरिक्त कक्षाएं

हिंदी बोलने में लड़खड़ाती थी जुबान वहां अब फर्राटेदार अंग्रेजी में संवाद

रुचि वर्मा ▶▶। रायपुर

घनघोर माओवाद की तकलीफों से घिरे राज्य के दक्षिण में शिक्षकों ने बच्चों का जीवन बदल डाला। दो राज्यों की सीमा पर बसे कोंटा के सरकारी स्कूल में छात्र कभी हिंदी में भी ठीक से बात नहीं कर पाते थे, लेकिन अब फर्राटेदार अंग्रेजी में बात कर रहे हैं। 2021 तक यहां बच्चों की जुबान हिंदी बोलने में भी लड़खड़ाती थी, लेकिन बीते तीन सालों में शिक्षकों ने यहां की तस्वीर बदल डाली। अब वे ना सिर्फ कैंपस, बल्कि बाहर भी बेहतरीन तरीके से संवाद कर रहे हैं।

कोंटा के स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय में वर्ष 2021 में प्राचार्य के रूप में टी.श्रीनिवास राव की नियुक्ति हुई। उस वर्ष ही इस स्कूल को स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट इंग्लिश माध्यम विद्यालय योजना में शामिल किया गया। यहां पहली से पांचवीं तक इंग्लिश माध्यम कक्षाओं का ▶▶। शेष पेज 4 पर

60 साल पुराने इस स्कूल में कभी थे छात्र

लगभग 60 साल पुराने इस स्कूल के वर्तमान प्राचार्य कभी यहीं छात्र हुआ करते थे। जब वे यहां नियुक्त हुए तो तब मात्र 129 छात्र ही अध्ययनरत थे। अब यहां इंग्लिश माध्यम में 446 बच्चे हैं। हिंदी व इंग्लिश दोनों माध्यम मिलाकर वर्तमान में 812 छात्र संख्या यहां है। प्राचार्य टी.श्रीनिवास राव ने बताया कि उन्होंने बच्चों को इंग्लिश भाषा में दक्ष करने के लिए नियम बनाया है। कैंपस ▶▶। शेष पेज 4 पर

प्रधानमंत्री संग किया संवाद

इस विद्यालय के विद्यार्थी कक्षा दसवीं एवं बारहवी की परीक्षाओं में लगातार शत प्रतिशत उत्तीर्ण होकर शाला का गौरव बढ़ा रहे हैं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम परीक्षा पर चर्चा के लिए राज्यस्तर पर चयनित 2 विद्यार्थियों में से एक इसी विद्यालय से था। यहां के शिक्षक विक्की फ्रेंक सिंह एवं शिक्षिका मीणा साहू द्वारा बच्चों को अंग्रेजी में दक्ष करने के लिए विशेष कक्षाएं संचालित की जाती हैं।वहीं बच्चों के शैक्षिक विकास के लिए क्षितिज ▶▶। शेष पेज 4 पर

सोशल मीडिया पर लाखों लोग मुरीद, कहा यही असली शिक्षा दान

जब नौकरी नहीं, बदलाव का हो जतन...दो शिक्षकों ने 300 बच्चों को सिखा दी छत्तीसगढ़ी से डायरेक्ट अंग्रेजी

सोशल मीडिया में वीडियो वायरल

इस स्कूल के शिक्षकों ने बच्चों के कई वीडियो सोशल मीडिया में पोस्ट किए हैं। बच्चों के ये विडियोज देखकर लोग काफी हैरान हो रहे है और उन्हें ये वीडियोज काफी पसंद आ रहे हैं। छत्तीसगढ़ी से अंग्रेजी में बनाए गए इनके कई वीडियो को कई लाख लोगों ने देखा है, साथ ही सोशल मीडिया में भी इन वीडियो को काफी ज्यादा सराहा जा रहा है।

दामिनी बंजारे ▶▶। रायपुर

एक तरीका होता है जो काम मिला है उसे निपटाना और समय व्यतीत करना। दूसरा तरीका होता खुद को बदलाव का माध्यम बना लेना। ऐसा ही बदलाव रायपुर से 40 किलोमीटर दूर तिल्दा के पास गांव सरोरा में हुआ है। दो शिक्षकों ने तय किया कि 300 विद्यार्थियों के आत्मविश्वास को बढ़ाने के लिए अंग्रेजी सिखाई जाए। दो शिक्षक 6वीं से 8वीं तक की कक्षाओं के 300 बच्चों को न सिर्फ पढ़ा रहे हैं बल्कि इतना काबिल बना दिया है कि, सोशल मीडिया पर इन बच्चों के वीडियोज लाखों लोग देख रहे हैं। गांव के ये ▶▶। शेष पेज 4 पर

खेल-खेल में बोल रहे अंग्रेजी

इन बच्चों के अंदर से अंग्रेजी भाषा के डर को दूर करने ले लिए इन्हें इसकी क्षेत्रीय बोली छत्तीसगढ़ी से अंग्रेजी का ज्ञान दिया जा रहा हैं, जहां बच्चे अब रोज के दिनचर्या में किए जाने वाले काम को अंग्रजी में बोलना सीख रहें हैं, यादि उनके पिता किसान हैं तो किस प्रकार से उनके ▶▶। शेष पेज 4 पर

शिक्षकों ने हमारे लिए अंग्रेजी को आसान बनाया

स्कूल के बच्चे कहते है कि पहले उन्हें अंग्रेजी बोलने में काफी झिझक होती थी। वे कहते है कि बोलना तो छोड़िए उन्हें अंग्रेजी समझ भी नहीं आती थी। लेकिन स्कूल के शिक्षकों ने अब उनकी इस तकलीफ को दूर कर दिया है और वे अब छत्तीसगढ़ी से अंग्रेजी में आसानी से बात करते है।

दिव्यांग शिक्षक ने बदली सैकड़ों जिंदगी

प्रतीक मिश्रा/रायगढ़। शासकीय माध्यमिक शाला के एक दिव्यांग शिक्षक के एक छोटे से विचार ने गरीब वर्ग के सैकड़ों विद्यार्थियों में न केवल शिक्षा की अलख जगाई, बल्कि उनकी पूरी जिंदगी ही बदल दी। अब तक इस कोचिंग सेंटर से 26 अभ्यर्थी व्यापमं, रेलवे व बैंक की परीक्षाओं में सफल होकर शासकीय नौकरी प्राप्त कर चुके हैं। दरअसल निःशुक्ल कोचिंग जूटमिल में संचालित होती है। जहां पढ़ने वाले विद्यार्थी ▶▶। शेष पेज 4 पर

निःशुल्क पुस्तकालय की भी सुविधा

इस स्पेशल 26 कोचिंग में औसत दो दर्ज अभ्यर्थी होते हैं, जिन्हें यहां निःशुल्क पुस्तकालय की सुविधा भी मिलती है। अजय ने सभी कक्षाओं और प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थियों के लिए एक पुस्तकालय भी तैयार किया है, जिसमें अभ्यर्थियों को निःशुल्क पुस्तकें मिल जाती हैं।

शिक्षकों ने अपने वेतन से खरीदा स्मार्ट टीवी, बच्चों को मिल रही डिजिटल शिक्षा

हफीज खान/राजनांदगांव। शिक्षा के स्तर को बेहतर बनाने के लिए आधुनिक तकनीक के जरिये पढ़ाई को लेकर राजनांदगांव जिले के शासकीय स्कूलों के शिक्षकों ने स्वयं के खर्चे पर जिले के 1171 स्कूलों में स्मार्ट टीवी उपलब्ध कराया है। जिसके जरिये आज सभी शासकीय स्कूलों में बच्चे स्मार्ट टीवी से भी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। ▶▶। शेष पेज 4 पर

जारी है ट्रेनों में मुश्किलों भरा सफर, इस बार दिल्ली में काम

तीज-त्योहार पर नहीं चलेंगी चार ट्रेनें, छह का रास्ता भी बदलेगा

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

यात्रियों की ट्रेनों में मुश्किल भरी यात्री समाप्त होने का नाम नहीं ले रही है। दिल्ली रेल मंडल में काम पूरा करने के लिए रेल प्रशासन द्वारा तीज-त्योहार पर चार ट्रेनों का संचालन स्थगित कर दिया गया है। इसी तरह छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस सहित छह ट्रेनों का रास्ता बदलकर आवाजाही करने का सिलसिला 17 सितंबर तक जारी रहेगा।

रेलवे क्षेत्र में विभिन्न विकास कार्यों की वजह से यात्री गाड़ियों के परिचालन को स्थगित करने अथवा उनका रास्ता बदलने का दौर जारी है। तीज के साथ गणेशोत्सव में भी यह सिलसिला जारी रहेगा। रेलवे द्वारा दिल्ली रेल मंडल के पलवल एवं न्यू पृथला ▶▶। शेष पेज 4 पर

ये ट्रेनें रद्द रहेंगी

- दुर्ग जाने वाले 22867 एक्सप्रेस 6, 10, 13 सितंबर को दुर्ग से रवाना नहीं होगी।
- निजामुद्दीन से छूटने वाली 22868 एक्सप्रेस 7 और 14 सितंबर को दुर्ग नहीं पहुंचेगी।
- दुर्ग से रवाना होने वाली 20847 एक्सप्रेस 11 सितंबर को उधमपुर नहीं जाएगी।
- उधपुर से 20848 एक्सप्रेस के रूप में इसका संचालन 6 और 13 सितंबर को नहीं होगा।

सीएम सैनी को लाडवा से टिकट

हरियाणा के लिए भाजपा की पहली सूची, नारनौंद से कैप्टन अभिमन्यु

हरिभूमि न्यूज ▶▶। नई दिल्ली

हरियाणा में होने वाले आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने बुधवार को 67 उम्मीदवारों की पहली सूची जारी कर दी। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी इस बार करनाल की बजाय लाडवा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। पूर्व वित्त मंत्री कैप्टन अभिमन्यु को नारनौंद से प्रत्याशी बनाया गया है। 90 विधानसभा सीटों वाली हरियाणा में 5 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। वोटों की गिनती 8 अक्टूबर को की जाएगी। मुख्यमंत्री ▶▶। शेष पेज 4 पर

नायब सिंह सैनी

कैप्टन अभिमन्यु

कौन कहां से

लाडवा	नायब सिंह सैनी
नारनौंद	कैप्टन अभिमन्यु
कालका	शक्ति रानी शर्मा
पंचकुला	ज्ञान चंद गुप्ता
अंबाला कैंट	अनिल विज
अंबाला शहर	असीम गोयल
मुलाना (एससी)	संतोष सारवान

▶▶। शेष पेज 4 पर

8 लाख 46 हजार 931 प्रधानमंत्री आवासों की मंजूरी के लिए पीएम का माना आभार

सीएम साय बोले-18 लाख पीएम आवास की पूरी होगी गारंटी

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने बताया कि छत्तीसगढ़ को भारत सरकार द्वारा 8 लाख 46 हजार 931 प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति प्राप्त हुई है। उन्होंने इसे प्रदेश के लिए एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए कहा कि इससे लाखों गरीब परिवारों को अपने सिर पर छत का सपना साकार करने में मदद मिलेगी। मुख्यमंत्री ने इस महत्वपूर्ण उपलब्धि के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को धन्यवाद दिया और कहा कि मैं छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता और विशेषकर प्रधानमंत्री आवास योजना से लाभान्वित होने वाले सभी लोगों की तरफ से प्रधानमंत्री जी को बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं। ▶▶। शेष पेज 4 पर

अब इस मंजूरी की है उम्मीद

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि नियद नेलानार योजना आपका अच्छा गांव के अंतर्गत छत्तीसगढ़ में नक्सल प्रभावित और आत्मसमर्पित नक्सलियों के लिए भी प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत 10,000 से अधिक अतिरिक्त आवासों की स्वीकृति के लिए ग्रामीण विकास मंत्री ▶▶। शेष पेज 4 पर

18 लाख आवास बनाने की है गारंटी

मुख्यमंत्री ने आगे बताया कि नए वित्तीय वर्ष के बजट में छत्तीसगढ़ को 8 लाख 46 हजार 931 प्रधानमंत्री आवास की स्वीकृति भारत सरकार से मिली है, जिसमें एसईसीसी 2011 के अंतर्गत 6 लाख 99 हजार 331 आवास और 1 लाख 47 हजार 600 आवास प्लस शामिल हैं। इसके साथ ही मुख्यमंत्री श्री साय ने प्रधानमंत्री जनमन योजना का भी जिक्र किया करते हुए कहा ▶▶। शेष पेज 4 पर

पुलिस वाहन को उड़ाने गड्ढा खोदा, पेड़ काटे एनआईए ने मारे छापे

हरिभूमि न्यूज ▶▶। रायपुर

पुलिस को निशान बनाने की साजिश रचने के मामले में एनआईए ने मंगलवार को नारायणपुर जिले में छापे की कार्रवाई करते हुए चार संदिग्धों को गिरफ्तार किया है।

- एक वर्ष पूर्व के मामले में एनआईए ने 35 लोगों के खिलाफ नामजद अपराध दर्ज किया है

गौरतलब है कि पिछले वर्ष माओवादी संगठन सीपीआई से जुड़े माड़ बचाओ मंच ने नाकाबंदी करने मार्ग अवरुद्ध करने सड़कों में गड्ढा कर बड़े-बड़े पत्थर रख दिए थे। मामले की गंभीरता को देखते हुए मामले की जांच एनआई के सुपुर्द की गई है। इसी मामले की जांच करने एनआई की टीम नारायणपुर पहुंची।

एनआईए द्वारा जारी बयान के मुताबिक मार्ग अवरुद्ध कर पुलिस को निशान बनाने पिछले वर्ष प्रतिबंधित संगठन के कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने इंडिया गेट रायनार के पास नारायणपुर-ओरछा मुख्य मार्ग को कई हिस्सों में खोदकर, पेड़ों को काटकर और कई जगहों पर छोटे-बड़े पत्थर रखकर अवरुद्ध कर दिया था। इस अवरोध का उद्देश्य पुलिस दलों को मारना और उनके हथियार लूटना था। एनआईए ने इस मामले में 35 लोगों को आरोपी बनाया है।

मुठभेड़ों के खिलाफ प्रदर्शन

एनआईए जांच में पता चला है कि माड़ बचाओ मंच मुठभेड़ों के खिलाफ विरोध प्रदर्शन आयोजित करता है और प्रतिबंधित संगठन के लिए नए शिविर स्थापित करने में मदद करता है। इसके साथ उन्हें रसद सहायता भी प्रदान करता है। वे सीपीआई (माओवादी) विचारधारा के प्रचार के लिए माड़ बचाओ मंच के बैनर तले विभिन्न बैठकें भी आयोजित करते हैं। फ्रंटल संगठन के सदस्य माओवादी कैडरों को आवश्यक सामग्री आदि पहुंचाने का काम भी करते हैं। एनआईए की टीमों ने नारायणपुर जिले के कस्तूरमेटा, मदाली और मलकाल गांव के माओवादी प्रभावित संवेदनशील क्षेत्रों में चार संदिग्धों के परिसरों की तलाशी ली। ये क्षेत्र सीपीआई (माओवादी) के माड डिवीजन के अंतर्गत आते हैं।

नक्सली माड़ बचाओ आंदोलन के सदस्य

एनआईए द्वारा जारी बयान के मुताबिक जांच में कुछ सीपीआई (माओवादी) समर्थक, ओजीडब्ल्यू के नाम सामने आए थे। उन पर सीपीआई (माओवादी) के एक फ्रंटल संगठन माड़ बचाओ मंच के सदस्य होने का संदेह है। माना जाता है कि उन्होंने अपराध को अंजाम देने में सीपीआई (माओवादी) की सहायता की थी। लखमा राम उर्फ लखमा कोरम, जो ओरछा के नादीपारा विरोध स्थल पर माड़ बचाओ मंच का नेता था, इस मामले में एक चार्जशीटेड माओवादी है।

जीता 22वां पदक, हरविंदर को स्वर्ण, सचिन-अजीत-शरद की चांदी

पहली बार 20 पार..., भारत ने पैरालंपिक में रचा इतिहास

एजेंसी ▶▶। पेरिस

खास खबर

पैरालंपिक का सातवां दिन भारत के लिए शानदार रहा। भारतीय एथलीट्स ने तीरंदाजी, हाई जंप, जेवलिन थ्रो में कुल 6 पदक जीते। भारत ने पेरिस पैरालंपिक 2024 में अब तक कुल 22 पदक (4 स्वर्ण, 8 रजत और 10 कांस्य) जीते हैं और टोक्यो पैरालिंपिक में 19 पदकों की संख्या को पीछे छोड़ दिया है। भारत के लिए पैरालंपिक खेलों के इतिहास में यह पहला मौका है जब उसने 20 पदक जीते हैं। भारत ने पेरिस पैरालंपिक शुरू होने से पहले अब की बार 25 पार का लक्ष्य लेकर ▶▶। शेष पेज 4 पर

जीते 6 पदक

भारतीय दल के सदस्यों ने बुधवार को 6 पदक जीते। इसमें से एक स्वर्ण, तीन रजत और दो कांस्य पदक थे। पुरुषों की भाला फेंक में अजीत सिंह ने रजत और सुदर सिंह गुर्जर न कांस्य पदक जीता। ऊंची कूद में शरद कुमार ने 1.88 मीटर जंप के साथ रजत और मरियप्पन थंगावेलु ने कांस्य पदक जीता। सचिन खिलाड़ी ने पुरुष गोला फेंक (एफ46) में रजत पदक हासिल किया। मौजूदा पैरालंपिक में भारत का ये 21वां पदक रहा।

- 19 पदक, टोक्यो का रिकॉर्ड टूटा
- 7वें दिन जीते 6 मेडल
- 16वें स्थान पर भारत

हरविंदर ने जीता सोना

भारत के हरविंदर सिंह ने बुधवार को यहां पेरिस पैरालंपिक की पुरुष रिकर्व ओपन तीरंदाजी स्पर्धा के फाइनल में पोलैंड के लुकास सिजेक को एकतरफा मुकाबले में 6-0 से हराकर स्वर्ण पदक जीता ▶▶। शेष पेज 4 पर

सचिन की चांदी

विश्व चैंपियन सचिन सरजेराव खिलाड़ी ने पेरिस पैरालंपिक में पुरुषों की गोला फेंक एफ46 स्पर्धा में एशियाई रिकॉर्ड 16.32 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता। 34 वर्ष के खिलाड़ी ने दूसरे ▶▶। शेष पेज 4 पर

ऊंची कूद में जीते रजत और कांस्य

पेरिस में हो रहे पैरालंपिक 2024 खेलों में पुरुषों की ऊंची कूद टी 63 वर्ग स्पर्धा में भारतीय पैरा एथलीट्स ने रजत और कांस्य पदक पर कब्जा जमाया। मंगलवार देर रात हुए फाइनल मुकाबले में हाई जंपर शरद कुमार ने 1.88 मीटर की दूरी तय कर रजत पदक जीता। मरियप्पन थंगावेलु ने अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास करते हुए 1.85 मीटर की दूरी तय की। उन्हें कांस्य पद दिया गया।

भाला फेंक अजीत ने जीती चांदी

भारत के स्टार भाला फेंक पैरा एथलीट अजीत सिंह ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पेरिस पैरालंपिक में पुरुष भाला फेंक एफ 46 वर्ग स्पर्धा में रजत पदक जीता। अजीत सिंह ने भाला फेंक एफ46 फाइनल में 65.62 मीटर के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ थ्रो किया। वहीं, इसी स्पर्धा में सुंदर सिंह गुर्जर ने भी सीजन के अपने सर्वश्रेष्ठ 64.96 थ्रो के साथ कांस्य पदक पर कब्जा जमाया।

भाजपा ने कश्मीरी पंडितों को ठगा, हम साथ लेकर चलेंगे उन्हें : राहुल

अनंतनाग। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने बुधवार को जम्मू-कश्मीर के रामबन और अनंतनाग में चुनावी रैली की। इस दौरान कांग्रेस सांसद राहुल गांधी ने जाति जनगणना और कश्मीरी पंडितों सहित कई मुद्दों पर केंद्र की मोदी सरकार पर निशाना साधा। कश्मीरी पंडित को लेकर उन्होंने कहा, "हमारे कश्मीरी पंडित भाई का बीजेपी ने फायदा उठाया है उन्हें ठगा है। हम आपके साथ खड़े हैं। हमारी सरकार आएगी तो हम आपको साथ लेकर आगे बढ़ेंगे। हम आपसे जुड़ना चाहते हैं। सबलोग भाईचारे के साथ आगे बढेंगे। आपका हमारा खून का रिश्ता है, ये राजनीतिक रिश्ता नहीं है। चाहे राजीव गांधी हों, इंदिरा गांधी हों या जवाहरलाल नेहरू हों ये बहुत पुराना रिश्ता है, जो भी आप चाहें मेरे दरवाजे आपके लिए खुले हुए हैं। मैं आपके मुद्दे, आपके दुख, आपका दर्द वो सब संसद में उठाना चाहता हूं।"

सरकार बनने पर कश्मीर को स्टेटहुड का दर्जा दिलाने का किया वादा

विनेश-बजरंग ने की राहुल से मुलाकात, लड़ेंगे चुनाव!

हरियाणा की सियासत में गेमचेंजर साबित हो सकता है रेसलर्स का आना

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

पहलवान विनेश फोगाट और बजरंग पूनिया ने लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी से मुलाकात की है। यह मुलाकात ऐसे समय हुई है जब हरियाणा विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान हो चुका है। जिसको लेकर सभी राजनीतिक दल तैयारी में जुटे हैं। इस मुलाकात को लेकर दोनों पहलवानों और राहुल गांधी के मुलाकात की तस्वीर सामने आई है, जिसके बाद अब कयास लगाए जा रहे हैं कि विनेश फोगाट कांग्रेस के टिकट पर हरियाणा विधानसभा चुनाव में एंट्री ले सकती हैं। विनेश फोगाट को लेकर पिछले दिनों कई तरह के कयास लगाए जा रहे थे कि वो कांग्रेस पार्टी शामिल हो होकर हरियाणा में विधानसभा चुनाव लड़ सकती हैं। लेकिन अब राहुल गांधी से मुलाकात के बात इन कयासों को और ज्यादा बल मिल रहा है।

पहलवानों ने लगाया था बृजभूषण पर आरोप

पिछले साल मई में विनेश फोगाट उन लोकप्रिय भारतीय पहलवानों में शामिल थीं, जिन्होंने भारतीय कुश्ती महासंघ के पूर्व प्रमुख और भाजपा नेता बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ विरोध प्रदर्शन में भाग लिया था , जिन पर कई महिला पहलवानों का यौन उत्पीड़न करने का आरोप है।

किसानों के समर्थन में शंभू बॉर्डर पहुंचीं थी : पिछले सप्ताह फोगाट शंभू बॉर्डर पर किसानों के प्रदर्शन स्थल पर पहुंची थीं और किसानों को अपना समर्थन दिया था।

विनेश फोगाट के राजनीति में आने से क्या होगा?

चर्चा है कि अगर विनेश फोगाट की राजनीति में एंट्री होती है तो यह हरियाणा की सियासत में बड़ा बदलाव आ सकता है। उनके खाप पंचायतों और किसानों के साथ मजबूत रिश्ते उन्हें चुनाव में बड़ा समर्थन दिला सकते हैं। गौरतलब है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव 5 अक्टूबर को होगा। जबकि मतगणना 8 अक्तूबर को होगी। इससे पहले यह तारीख क्रमशः 1 और 4 अक्टूबर थी, लेकिन चुनाव आयोग ने इसमें क्षेत्रीय पार्टियों की मांगों पर बदलाव कर दिया।

गृहमंत्री अमित शाह ने किया दिलों की दूरियां खत्म होने का ऐलान

त्रिपुरा में एनएलएफटी-एटीटीएफ ने किए शांति समझौते पर हस्ताक्षर

एजेंसी ▶▶| अगरतला

त्रिपुरा में शांति के लिहाज से बड़ी खबर सामने आई है, क्योंकि राज्य में एनएलएफटी और एटीटीएफ के प्रतिनिधियों ने त्रिपुरा शांति समझौते के ज्ञापन पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। इस दौरान पर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से लेकर राज्य के सीएम माणिक साहा भी मौजूद थे। समझौते को लेकर एनएलएफटी ने कहा है कि हमने सरकार पर भरोसा करते हुए 30 साल का संघर्ष खत्म किया है। संगठन ने गृहमंत्री अमित शाह पर भरोसा होने की बात भी कही है। त्रिपुरा को लेकर हुए इस शांति समझौते में भारत सरकार, त्रिपुरा सरकार, नेशनल लिबरेशन फ्रंट ऑफ त्रिपुरा और ऑल त्रिपुरा टाइगर्स फोर्स ने हस्ताक्षर किए थे।

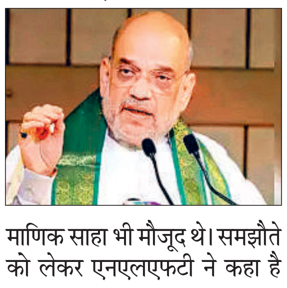

किम जोंग ने दी 30 अफसरों को फांसी

बाढ़ की तबाही और मौतों से थे नाराज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| प्योंगयांग

उत्तर कोरिया के तानाशाह किम जोंग उन ने एक बार फिर से बर्बरता दिखाई है। उन्होंने बाढ़ और लैंडस्लाइड के हालात को संभालने में नाकाम रहने के कारण 30 अफसरों को मौत की सजा सुनाई। बीते महीने तानाशाह के आदेश पर इन सभी अधिकारियों को फांसी दे दी गई। रिपोर्ट के मुताबिक, ये अधिकारी लैंडस्लाइड के बाद बाढ़ग्रस्त क्षेत्र में हुई मौतों को रोकने में नाकाम रहे थे। इन अधिकारियों पर भ्रष्टाचार और अपने दायित्वों का पालन नहीं करने के आरोप भी थे। दक्षिण कोरिया के कई मीडिया रिपोर्ट्स में ये जानकारी दी गई है। मारे गए अधिकारियों की पहचान जाहिर नहीं की गई है।

दक्षिण कोरिया पर आरोप : हालंकि, उत्तर कोरियाई तानाशाह ने बाढ़ से मरने वालों की ज्यादा संख्या की रिपोर्ट को खारिज किया है। उत्तर कोरिया ने बाढ़ से हुई ज्यादा मौतों को झूठा अफवाहें बताया। उन्होंने दक्षिण कोरिया पर उत्तर कोरिया की अंतरराष्ट्रीय प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने के लिए ऐसी अफवाहें फैलाने का आरोप लगाया है।

आपदा में मारे गए थे हजार से ज्यादा लोग

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, उत्तर कोरिया में बाढ़ ने तबाही मचाई है। लैंडस्लाइड और बाढ़ ने चागांग प्रांत के कुछ हिस्सों को तबाह कर दिया। प्राकृतिक आपदा में अब तक 1000 से ज्यादा उत्तर कोरियाई लोग मारे गए थे। तानाशाह किम ने बाढ़ प्रभावित इलाकों का दौरा किया था। इस दौरान वो बाढ़ की तबाही देखकर भड़क गए थे। बाढ़ से 4000 से ज्यादा घर प्रभावित हुए। कम से कम 15,000 से ज्यादा लोग बेघर हो गए थे।

अमेरिका के स्कूल में ताबड़तोड़ फायरिंग, 4 की मौत, 30 घायल

छात्रों को दे दी गई छुट्टी

जॉर्जिया। अमेरिका के जॉर्जिया में एक हाईस्कूल में बुधवार को ताबड़तोड़ फायरिंग में कम से कम 4 लोगों की मौत हो गई। विंडर में अपालाची हाई स्कूल में हुई गोलीबारी में मारे गए लोगों के अलावा 30 लोग घायल भी हुए हैं। स्कूल के प्रवक्ता ने बताया कि घटना नियंत्रण में है और छात्रों को दोपहर में छुट्टी दे दी गई। एक प्रत्यक्षदर्शी छात्र सर्जियो काल्डेरा के हवाले से बताया कि वह रसायन विज्ञान की कक्षा में था, जब उसने गोलियों की आवाज सुनी। 17 वर्षीय काल्डेरा ने बताया कि उसके शिक्षक ने दरवाजा खोला और एक अन्य शिक्षक दौड़कर आए। उन्हें दरवाजा बंद करने के लिए कहा क्योंकि बार एक शख्स गोलीबारी कर रहा था। जब छात्र और शिक्षक कमरे में इकट्ठे हुए तो किसी ने उनकी क्लास के दरवाज़े पर ज़ोर से दस्तक दी और उसे खोलने के लिए कई बार चिल्लाया।

रायपुर
गुरुवार, 5 सितंबर 2024
भाद्रपद शुक्ल पक्ष द्वितीया
वर्ष : 23, अंक : 49
पृष्ठ : 12+8 = 20 मूल्य : 5.00**

मौसम
अधि. 33.8
न्यून. 25.8

हरिभूमि

छत्तीसगढ़, मध्यप्रदेश, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

शिक्षक दिवस आज

बेचने पड़े गहने, 9 लाख का कर्ज भी लिया, प्राथमिक स्कूल को बनाया देशभर में मॉडल

सरकारी स्कूल मतलब जर्जर भवन, जमीन पर बैठकर गंदगी के बीच पढ़ाई की औपचारिकता पूरी करते बच्चे। इस धारणा को बदला है बिलासपुर जिले के मस्तूरी ब्लाक के किरारी प्राथमिक स्कूल ने। यह स्कूल किसी भी मॉडल स्कूल से कम नहीं है। यहां की प्रधान पाठक व शिक्षिका के प्रयास से शिक्षा की ज्योति जल रही है।

विकास चौबे ▶▶| बिलासपुर

खास खबर

यह एकमात्र सरकारी प्राथमिक स्कूल है, जहां के छात्र टाट-पट्टी पर नहीं बल्कि कुर्सी टेबल में बैठकर पढ़ाई करते हैं। स्कूल में सभी प्रकार की सुविधाएं उपलब्ध हैं। शिक्षिका ने स्कूल को संवारने के लिए अपनी जेब से नौ लाख रुपए खर्च किया। इसके लिए शिक्षिका ने गहने बेचकर कर्ज भी लिया लेकिन स्कूल की पूरी तस्वीर बदलकर रख दी। शिक्षिका को इसके लिए राज्यपाल सम्मान से सम्मानित किया गया है। इसके साथ ही 2021 में राज्य ▶▶|शेष पेज 4 पर

एकमात्र सरकारी प्राथमिक स्कूल है, जहां छात्र टाट-पट्टी पर नहीं, कुर्सी टेबल में बैठकर पढ़ते हैं

राज्यपाल सम्मान के साथ ही छत्तीसगढ़ रत्न और मुख्यमंत्री शिक्षक गौरव अलंकरण पुरस्कार से सम्मानित

जमीन पर नहीं बैठते बच्चे

शिक्षिका ज्योति ने बताया कि शुरुआत में स्कूल की हालत बहुत ही खराब थी। बच्चे भी परेशान थे। स्कूल का नवीनीकरण कराने के लिए घर की जमा पूंजी खर्च करने के साथ ही गहने बेचे और स्कूल का नवनिर्माण कराया। स्कूल में अब पंखे से लेकर सभी कमरों में टाइल्स, ▶▶|शेष पेज 4 पर

बच्चे प्रतिदिन पढ़ते हैं संविधान की प्रस्तावना

पिछले सात सालों में शिक्षिका ज्योति पांडेय ने अपनी मेहनत व लगन से स्कूल की पूरी तस्वीर बदल दी है। स्कूल भवन के चारों तरफ रंगरोगन के साथ ही दीवारों पर चित्रकारी भी कराई है। राष्ट्रगीत, राष्ट्रगान, भारतीय संविधान की प्रस्तावना लिखवाई है। इन्हें बच्चे प्रतिदिन पढ़ते हैं। गणित विषय को समझाने के लिए उन्होंने आयताकार, त्रिभुजाकार, गोलाकार के रूप में इंट से घेरा बनवाया है।

गांव वालों के साथ मिलकर नशेड़ियों को सिखाया सबक

साल 2014 के दौरान खंडहर स्कूल भवन होने के कारण शिक्षक के साथ-साथ बच्चे भी नहीं जाते थे। इससे स्कूल परिसर में नशेड़ी व असामाजिक तत्वों का जमावड़ा रहता था। यहां नशेड़ी युवक बैठकर शराबखोरी से लेकर नशीला इंजेक्शन लगाते थे। वहीं, कचरे फैलाकर चले जाते थे। इसके बाद शिक्षिका ज्योति पांडेय ने नशेड़ियों को समझाइश दी। शुरुआत में नशेड़ियों से विवाद की स्थिति निर्मित हो गई थी। इसके बाद भी हिम्मत दिखाया तो गांववालों व पालकों का भी समर्थन मिला। अंततः उनसे छुटकारा मिला।

inh 24x7
छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें
TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

खबर संक्षेप

कांग्रेस का घोषणा पत्र तैयार करेंगे सिंहदेव

नई दिल्ली। छत्तीसगढ़ की कांग्रेसी सियासत के वरिष्ठ नेता पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव पर शीर्ष नेतृत्व का भरोसा लगातार बढ़ता जा रहा है। सीईसी की बैठकों में एक के बाद शिरकत लेने के बाद सिंहदेव को चार चुनावी राज्यों के घोषणा पत्र के कॉओर्डिनेशन की प्रमुख जिम्मेदारी दी गई है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने टीएस सिंहदेव के साथ अमिताभ दुबे को इस कार्य के लिए नामित किया है। पार्टी के संगठन महामंत्री केसी वेणुगोपाल के हस्ताक्षर से जारी पत्र में इस बात का जिक्र किया गया है कि जम्मू कश्मीर, हरियाणा, महाराष्ट्र और झारखंड के आसन्न विधानसभा चुनाव के लिए टीएस सिंहदेव और अमिताभ दुबे ▶▶|शेष पेज 4 पर

पांचवीं मंजिल से गिरकर आईआईटी छात्रा की मौत

भुवनेश्वर। आईआईटी भुवनेश्वर में अध्ययनरत एक छात्रा की प्रशासनिक भवन की पांचवीं मंजिल से कथित तौर पर गिरकर मौत हो गई। पुलिस ने मंगलवार रात 23 वर्षीय युवती का शव संस्थान परिसर से बरामद किया।

दो ट्रकों की भिड़ंत में तीन की मौत

लखीमपुर खीरी। धौरहरा क्षेत्र में बुधवार को दो ट्रकों की आमने-सामने की जोरदार टक्कर में दोनों वाहनों के चालकों समेत तीन लोगों की मौत हो गई। एक अन्य गंभीर रूप से घायल हो गया। धौरहरा थाना क्षेत्र के धौरहरा-ढखेरवा मार्ग पर टापरपुरवा गांव के पास दो ट्रकों की टक्कर हो गयी।

ब्रुनेई के सुल्तान और प्रधानमंत्री मोदी में द्विपक्षीय वार्ता, मोदी ने चीन को दिया कड़ा संदेश

चीन पर कटाक्ष, पीएम बोले- भारत विस्तारवाद नहीं, विकास का पक्षधर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परोक्ष रूप से चीन के संदर्भ में बुधवार को कहा कि भारत 'विस्तारवाद की नहीं बल्कि विकास की नीति' का समर्थन करता है। प्रधानमंत्री मोदी की ब्रुनेई की द्विपक्षीय यात्रा के दौरान दोनों देशों ने क्षेत्र में 'नौवहन की स्वतंत्रता' के प्रति अपनी प्रतिबद्धता भी दोहराई। दोनों देशों ने अंतरिक्ष क्षेत्र में अपने सहयोग को मजबूत करने के लिए उपग्रह विकास, रिमोट सेंसिंग और प्रशिक्षण में सहयोग पर सहमति जताई। इसके साथ ही क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया।

भारत-ब्रुनेई में करार

- दोनों देशों के बीच जल्द शुरू होगी सीधी उड़ान
- रक्षा, व्यापार और ऊर्जा पर हुआ समझौता
- संयुक्त अभ्यास के जरिए समुद्री सहयोग बढ़ाएंगे
- टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और टेलीकमांड स्टेशन के संचालन में सहयोग

एजेंसी ▶▶| बंदर सेरी बेगवान

प्रधानमंत्री मोदी की सुल्तान हाजी हसनल बोलकिया के साथ रक्षा, व्यापार समेत विभिन्न विषयों पर चर्चा के साथ भारत और ब्रुनेई ने द्विपक्षीय साझेदारी को 'उच्च स्तर तक' बढ़ाने की कवायद को अमली जामा पहनाया। मोदी ने सुल्तान बोलकिया द्वारा आयोजित भोज में किसी देश का नाम लिए बगैर कहा, हम विस्तारवाद ▶▶|शेष पेज 4 पर

सिंगापुर में पीएम मोदी ने बजाया ढोल

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ब्रुनेई के दौरे के बाद 2 दिन की यात्रा पर बुधवार को सिंगापुर पहुंचे। यहां प्रधानमंत्री लॉरेंस वॉन्ग ने उनका गर्मजोशी के साथ स्वागत किया। वे भारतीयों से भी मिले। इस दौरान पीएम मोदी ने ढोल भी बजाया।

भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति में साझेदार

मोदी ने ब्रुनेई को भारत की 'एक्ट ईस्ट' नीति और हिंद-प्रशांत के लिए दृष्टिकोण में एक 'महत्वपूर्ण साझेदार' बताया। उन्होंने कहा कि सुल्तान के साथ उनकी बातचीत में द्विपक्षीय संबंधों को और मजबूत करने के तरीकों पर चर्चा हुई। दोनों पक्ष व्यापार संबंधों और लोगों के बीच आदान-प्रदान को आगे बढ़ाने जा रहे हैं।

इन मुद्दों पर हुई चर्चा

दोनों नेताओं ने रक्षा, व्यापार और निवेश, खाद्य सुरक्षा, शिक्षा, ऊर्जा, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी, स्वास्थ्य, क्षमता निर्माण सहित कई विषयों पर द्विपक्षीय वार्ता की। दोनों पक्षों ने उपग्रह और प्रक्षेपण वाहनों के लिए टेलीमेट्री, ट्रैकिंग और टेलीकमांड स्टेशन के संचालन में सहयोग पर एक समझौता ज्ञापन पर भी हस्ताक्षर किए।

चीन को कड़ा संदेश

- *पीएम मोदी ने चीन को इशारों-इशारों में कड़ा संदेश दिया। मोदी ने कहा कि भारत विस्तारवाद की नहीं, विकास की नीति का समर्थन करता है, हालांकि उन्होंने किसी देश का नाम नहीं लिया। बता दें कि ब्रुनेई दक्षिण चीन सागर के दक्षिण में स्थित है, जिस पर लगभग पूरी तरह से बीजिंग का दावा है।*
- *मोदी ने यह भी कहा कि भारत संयुक्त राष्ट्र समुद्री कानून सम्मेलन के समान अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत नेविगेशन और ओवरफ्लाइट की स्वतंत्रता का समर्थन करता है, जो वैश्विक समुद्री नेविगेशन के लिए एक रूपरेखा प्रदान करता है और समुद्री संसाधनों के उपयोग को नियंत्रित करता है।*

आखिर दो महीने बाद डीपीएस मामले में पास्को एक्ट के तहत मामला दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| भिलाई

- टीसी के लिए दिए गए आवेदन को पुलिस ने माना आधार अब जांच

डीपीएस रिसाली स्कूल में मासूम बच्ची के साथ हुए लैंगिक छेड़छाड़ करने के मामले में आखिर ने पुलिस ने दो माह बाद अज्ञात के खिलाफ पाक्सो एक्ट के तहत जुर्म दर्ज कर लिया है। इस मामले को लेकर दो महीने तक आंदोलन और हंगामा होता रहा। पुलिस ने घटना से ही इनकार कर दिया था। अब चौतरफा दबाव के बाद अब पुलिस ने मामला दर्ज किया है। मिली जानकारी डीपीएस रिसाली में टीसी के लिए दिए गए आवेदन के आधार पर पाक्सो की कार्रवाई की गई है। पुलिस की मानें तो बच्ची के ▶▶|शेष पेज 4 पर

जांच जारी है

एएसपी सुखनंदन राठौर ने बताया कि टीसी के लिए दिए गए आवेदन के आधार पर पाक्सो एक्ट की कार्रवाई की गई है। जांच की जा रही है, उसमें जो भी तथ्य सामने आएंगे। उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बच्ची की सेहत हुई थी खराब

उल्लेखनीय है कि दो माह पहले बच्ची की सेहत खराब हुई थी। परिजनों ने एक निजी अस्पताल के जांच कराई थी। रिपोर्ट में यह भी बताया गया है कि यूटीआई की पुष्टि हुई थी। डॉक्टर की मानें तो छोटी बच्चियों में इस तरह के इन्फेक्शन कई बार होते हैं। गौरतलब हो कि 5 जुलाई को डीपीएस रिसाली में 5 साल की छात्रा की सेहत बिगड़ी थी। बच्ची को पेशाब करने में जलन और दर्द हो रहा था। इसके बाद ये बात उठी कि बच्ची से लैंगिक छेड़छाड़ हुई है। लोगों ने स्कूल कर्मचारी पर आरोप लगाया था। पुलिस ने मामले की जांच कराई थी।

पित्रोदा बोले- राजीव गांधी से ज्यादा बुद्धिमान हैं राहुल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

- आईओसी के अध्यक्ष ने साक्षात्कार में कही बड़ी बात

लंबे समय से गांधी परिवार के वफादार सैम पित्रोदा ने पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी और उनके बेटे राहुल गांधी को "भारत की अवधारणा का संरक्षक" बताया। उन्होंने कहा कि राहुल अपने पिता से ज्यादा बुद्धिमान हैं और वह रणनीति बनाने के मामले में भी उनसे बेहतर हैं। शिकागो से एक साक्षात्कार में पित्रोदा ने जोर देकर कहा कि लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी में प्रधानमंत्री बनने के सारे गुण हैं।

अमेरिका की यात्रा पर जा रहे राहुल

राहुल लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष का पद संभालने के बाद पहली बार अमेरिका की यात्रा पर जाएंगे। वह आठ से 10 सितंबर तक अमेरिका में होंगे, जिस दौरान वह जॉर्जटाउन विश्वविद्यालय और टेक्सास यूनिवर्सिटी में लोगों के साथ संवाद करने के साथ ही वाशिंगटन डीसी और डलास में कई महत्वपूर्ण बैठकें करेंगे।

पहली की छात्रा की मौत

स्कूल से लौटते वक्त नदी पार करते डूबी मासूम

एजेंसी ▶▶| बीजापुर

नदी पार करते समय सात साल की मासूम बच्ची की मौत हो गई है। जानकारी के अनुसार वंदना वंजाम पिता नीलेश वंजाम सात वर्ष गांव तामोडी के लोहारपारा की रहने वाली थी। मासूम बच्ची प्राथमिक शाला तामोडी कक्षा पहली में पढ़ाई करती थी। नदी पार करते वक्त मासूम बच्ची वंदना वंजाम की मौत हो गई है। घटना मिरतुर थाना क्षेत्र की है। प्राथमिक ▶▶|शेष पेज 4 पर

मासूम नहीं कर पाई नदी को पार

वीरेन्द्र वंजाम ने बताया कि गांव के दोनों पारा के बीच रास्ते में एक नदी बहती है। बड़े बच्चे नदी पार कर अपने घर चले गए। वंदना को नदी के पास छोड़ दिया और स्कूल के दो बच्चों ने वंदना की मौसी को नदी पार नहीं कर पाने की जानकारी घर जाकर दी, लेकिन वह मासूम बच्ची नदी पार नहीं कर पाई और उसकी नदी में डूबने से मौत हो गई।

मारे गए 9 नक्सलियों पर था 60 लाख से अधिक का ईनाम

मुठभेड़ में मारा गया 25 लाख का ईनामी जोनल कमांडर रणधीर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जगदलपुर/दंतेवाड़ा

हरिभूमि फॉलोअप

मंगलवार सुबह दंतेवाड़ा-बीजापुर जिले के सरहदी क्षेत्र में माओवादियों के साथ हुई मुठभेड़ के बाद सुरक्षाबलों ने 9 नक्सलियों को मार गिराया। मारे गए नक्सलियों में वारंगल निवासी 25 लाख का इनामी दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर रणधीर भी शामिल है। सुरक्षाबलों ने जिन 9 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया, इन पर 60 लाख रुपए से अधिक का ईनाम घोषित था। टीसीओसी के ▶▶|शेष पेज 4 पर

मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों में ये हैं शामिल

डीआईजी सीआरपीएफ राकेश कुमार, डीआईजी कमलोचन कश्यप व एसपी दंतेवाड़ा गौरव राय ने बताया कि सुरक्षाबलों ने जिन नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराया, इनमें वारगंल निवासी दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी मेंबर रणधीर पर 25 लाख का इनाम घोषित था। इसके ▶▶|शेष पेज 4 पर

एसएलआर समेत विस्फोटक बरामद

दंतेवाड़ा जिले के एलिट फोर्सेस डीआरजी, बस्तर फाइटर्स एवं सीआरपीएफ 111वीं तथा 230 वीं बटालियन की यंग प्लाटून ने मुठभेड़ स्थल से एसएलआर के अलावा 303 रायफल, देशी कार्बाइन 9 एमएम, 8 एमएम रायफल, 315 बोर राइफल, 12 बोर राइफल, बीजीएल लांचर, भरमार बंदूक समेत भारी मात्रा में विस्फोटक सामान व अन्य नक्सली दैनिक उपयोगी की सामग्री बरामद की है।

नशे में धुत प्रधानपाठक ने की स्कूली बच्चों से मारपीट, सस्पेंड

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

- ग्रामीणों का स्कूल में हंगामा, डीईओ ने की कार्रवाई
- धरमजयगढ़ के नेवार शासकीय विद्यालय का मामला

वनवासी अंचल धरमजयगढ़ के ग्राम नेवार में नशे में धुत प्रधान पाठक के स्कूली बच्चों से मारपीट की खबर सामने आई है। नेवार गांव में स्थित प्राथमिक शाला के प्रधान पाठक ने शराब पीकर बच्चों से खूब मारपीट की है। इस घटना का एक विडियो भी वायरल हो रहा है जिसमें प्रधान पाठक संभुनाथ राठिया अपने स्कूल के बच्चों को मारता पीटता नजर आ रहा है। बच्चों ने बताया कि प्रधान पाठक प्रतिदिन शराब पीकर स्कूल आता है और बच्चों से खूब मारपीट करता है। वहीं प्रधान पाठक ने बताया कि वह ▶▶|शेष पेज 4 पर

जांच टीम भेजी

इस संबंध में जब ब्लॉक शिक्षा अधिकारी से बात की गई तब उन्होंने पंचनामा बनाने जांच टीम तो भेजा पर जांच दल स्कूल पहुंचकर लीपापोती में लग गई। जानकारी के अनुसार प्रधान पाठक को डीईओ ने तत्काल निलंबित कर दिया है।

ईपीएफओ पेंशनभोगी के लिए जनवरी से लागू होगी नई व्यवस्था

देश के किसी भी बैंक से ले सकेंगे पेंशन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| नई दिल्ली

खास खबर

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) की पेंशन योजना के दायरे में आने वाले पेंशनभोगी जनवरी से किसी भी बैंक या उसकी शाखा से पेंशन ले सकेंगे। श्रम मंत्री मनसुख मांडविया ने बुधवार को कहा कि कर्मचारी पेंशन योजना (ईपीएस) 1995 के लिए एक केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली (सीपीपीएस) के प्रस्ताव को मंजूरी दी गई है। केंद्रीय मंत्री मांडविया ईपीएफओ के शीर्ष निर्णय लेने वाले निकाय केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) के चेयरपर्सन भी हैं। बयान के अनुसार, केंद्रीकृत पेंशन ▶▶|शेष पेज 4 पर

1 जनवरी से नई सुविधा

यह सुविधा एक जनवरी, 2025 से ईपीएफओ की चल रही सूचना प्रौद्योगिकी आधुनिकीकरण परियोजना केंद्रीकृत आईटी युक्त प्रणाली (सीआईटीईएस 2.01) के हिस्से के रूप में शुरू की जाएगी। अगले चरण में, सीपीपीएस आधार-आधारित भुगतान प्रणाली (एबीपीएस) में एक सुचारु परिवर्तन लाएगी।

क्या होगा फायदा

ईपीएफओ के प्रत्येक क्षेत्रीय/क्षेत्रीय कार्यालय को केवल तीन-चार बैंकों के साथ अलग-अलग समझौते करने पड़ते थे। इसमें कहा गया है कि अब पेंशनभोगियों को पेंशन शुरू होने के समय सत्यापन के लिए बैंक शाखा में जाने की जरूरत नहीं होगी। भुगतान जारी होने पर तुरंत जमा कर दिया जाएगा। इसके साथ ही ईपीएफओ को उम्मीद है कि नई प्रणाली से पेंशन वितरण लागत में महत्वपूर्ण कमी आएगी।

78 लाख को मिलेगा लाभ

केंद्रीकृत पेंशन भुगतान प्रणाली से ईपीएफओ के 78 लाख से अधिक ईपीएस-95 पेंशनधारकों को लाभ होने की उम्मीद है। केंद्रीकृत प्रणाली पेंशन भुगतान आदेश (पीपीओ) को एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय में स्थानांतरित करने की आवश्यकता के बिना पूरे देश में पेंशन का निर्बाध वितरण सुनिश्चित करेगी। यह उन पेंशनधारकों के लिए बड़ी राहत होगी जो सेवानिवृत्ति के बाद अपने गृहनगर चले जाते हैं।

चिंतन

हर साल बाढ़ और जलभराव से बर्बादी क्यों झेल रहे हम

हर साल की तरह इस बार भी देश में मानसून के साथ ही बाढ़ की तबाही शुरू हो गई। असम से लेकर महाराष्ट्र, गुजरात, राजस्थान, उत्तराखंड और हिमाचल जैसे कई राज्य बाढ़ का दंश झेलने को मजबूर हैं। पिछले कई दशकों से सरकारों की ओर से बाढ़ नियंत्रण को लेकर कई प्लान और दावे कागजों पर पेश किए गए लेकिन जमीन पर लोगों को उसका ज्यादा फायदा मिलता नहीं दिख रहा। गुजरात के बाद अब राजस्थान में भारी बारिश हो रही है। जोधपुर और उदयपुर में बाढ़ जैसे हालात हैं। जोधपुर-जैसलमेर रूट पर ट्रैक के नीचे की मिट्टी बह गई। आंध्र प्रदेश, तेलंगाना और त्रिपुरा में बारिश-बाढ़ के चलते पिछले 7 दिनों में 64 लोगों की जान गई। आंध्र में 17, तेलंगाना में 16 और त्रिपुरा में 31 लोगों ने जान गंवाई। त्रिपुरा में 72 हजार लोग विस्थापित हुए हैं। नगालैंड के चुमौकेदिमा जिले में मंगलवार देर रात लैंड स्लाइड में 3 लोगों की मौत हो गई। कई लापता हैं। राजधानी कोहिमा को दीमापुर से जोड़ने वाले एनएच-29 का एक हिस्सा पूरी तरह बह गया है। ये कुछ घटनाएं संकेत मात्र हैं। नुकसान इससे कहीं ज्यादा है। सच यह है कि दुनियाभर में बाढ़ से जितनी मौतें होती हैं, उसका पांचवां हिस्सा भारत में होता है। देश की कुल भूमि का आठवां यानी तकरीबन चार करोड़ हेक्टेयर इलाका ऐसा है जहां बाढ़ आने का अंदेशा बना रहता है। भारत में 39 करोड़ आबादी बाढ़ के खतरे वाले इलाकों में रहती है। देश में औसतन हर साल बाढ़ से 75 लाख हेक्टेयर भूमि प्रभावित होती है, 1600 लोगों की जानें जाती हैं तथा बाढ़ के कारण फसलों व मकानों तथा जन-सुविधाओं को होने वाली क्षति 1805 करोड़ रुपये औसतन है। पूरे देश में बाढ़ से तबाही के एक जैसे हालात हैं। आंकड़ों पर गौर करें तो साल 1952 से 2018 के 65 सालों में देश में बाढ़ से एक लाख से अधिक लोगों की जानें जा चुकी हैं। 8 करोड़ से अधिक मकानों को नुकसान पहुंचा जबकि 4.69 ट्रिलियन से अधिक का आर्थिक नुकसान हुआ। असम, बिहार, बंगाल, ओडिशा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, गुजरात, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश जैसे राज्य बाढ़ की तबाही हर साल झेलते हैं। विशेषकर बिहार के करीब 74 प्रतिशत इलाके और 76 प्रतिशत आबादी बाढ़ की जद में रहते हैं। मकान, कारोबार, फसलों को हुए नुकसान पर एक अनुमान के मुताबिक बाढ़ के कारण भारत में पिछले 6 दशकों में करीब 4.7 लाख करोड़ का आर्थिक नुकसान हुआ है। इतना होने के बाद भी क्यों हम हर साल ये दंश झेलने को मजबूर हैं। यह देश की सच्चाई है कि हमारे हर शहर का एक मास्टर प्लान होता है, लेकिन उसका अस्तित्व केवल कागजों तक सीमित होता है। कागजों में यह भी दर्ज होता है कि शहर के कौन-से निचले इलाके हैं और उनके लिए पानी निकासी का रास्ता क्या होगा। शहर की एक पूरी जल निकासी व्यवस्था होती है, लेकिन यह योजना कभी लागू ही नहीं होती है। अगर सभी शहरों में पानी की निकासी की व्यवस्था ठीक कर दी जाए, तो जलजमाव की 90 फीसदी समस्या का समाधान हो जाएगा। केवल सरकारें ही नहीं, बाढ़ के लिए कुछ हद तक हम और आप भी दोषी हैं। अगर हम अपने आसपास देखें तो पाएंगे कि नदी के किनारों पर अवैध कब्जे हो रहे हैं। इससे नदी के प्रवाह में दिक्कतें आती हैं और जब भी अच्छी बारिश होती है, बाढ़ आ जाती है। शहरों में बाढ़ आने का अन्य कारण जल निकासी व्यवस्था पर जरूरत से ज्यादा दबाव। हम लोगों ने नदी नालों के रास्तों को ही कंकरीट का जंगल बना दिया है। जब तक ये ठीक नहीं होंगे बाढ़ और जलभराव का दंश हमें हर साल सताता रहेगा।

नैतिक शिक्षा

डॉ. सौरभ मालवीय

ज्ञान परंपरा पर आधारित हो शिक्षा

शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान देने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व का भी विकास करे। हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली ऐसी ही थी। शिक्षा का प्रथम उद्देश्य ही विद्यार्थी के चरित्र का निर्माण करना होता है। भारतीय संस्कृति में चरित्र निर्माण पर सर्वाधिक बल दिया गया है, क्योंकि चरित्र के बिना किसी भी गुण का कोई महत्व नहीं है। मनुस्मृति में कहा गया है कि सभी वेदों का ज्ञाता विद्वान भी सच्चरित्रता के अभाव में श्रेष्ठ नहीं है, किंतु केवल गायित्री मंत्र का ज्ञाता पंडित यदि चरित्रवान है, तो वह श्रेष्ठ है। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि यदि शिक्षा भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित होगी, तो इससे शिक्षकों एवं छात्रों के संबंध और अधिक मधुर होंगे।

शिक्षा को लेकर समय-समय पर अनेक प्रश्न उठते रहते हैं जैसे कि शिक्षा पद्धति कैसी होनी चाहिए? पाठ्यक्रम कैसा होना चाहिए? विद्यार्थियों को पढ़ाने का तरीका कैसा होना चाहिए? स्वतंत्रता से पूर्व देश में अंग्रेजी शासन था। अंग्रेजों ने अपनी सुविधा एवं आवश्यकता के अनुसार शिक्षा पद्धति लागू की। उनका उद्देश्य भारतीयों को शिक्षित करना नहीं था, अपितु उनका उद्देश्य केवल अपने लिए क्लर्क तैयार करना था। देश की स्वतंत्रता के पश्चात स्वदेशी सरकार ने इस ओर विशेष ध्यान नहीं दिया। देश में बहुत से कार्य करने थे। संभव है कि इस कारण इस ओर ध्यान नहीं गया हो अथवा उस समय के लोगों को अंग्रेजी शिक्षा पद्धति ही उचित लगी हो। कारण जो भी रहा हो, देश में अंग्रेजी शिक्षा पद्धति से ही पढ़ाई होती रही। बाद में नई शिक्षा पद्धति की आवश्यकता अनुभव हुई तथा इस पर विचार-विमर्श भी प्रारंभ हुआ।

वर्तमान शिक्षा पद्धति

वर्तमान शिक्षा पद्धति का अपना महत्व है। आज प्राथमिक विद्यालयों के बच्चे भी विभिन्न विषयों पर बात कर लेते हैं, क्योंकि उन्हें आरंभ से ही विभिन्न विषय पढ़ाए जाते हैं। कुछ दशक पूर्व तक ऐसा नहीं था। किंतु आज की शिक्षा पद्धति में कुछ कमियां भी हैं, जैसे आज परीक्षा में सर्वाधिक अंक लाने पर बल दिया जाता है। अभिभावक भी यही चाहते हैं। उनके लिए इस बात का कोई अर्थ नहीं है कि उनके बच्चे विषय को समझ कर ज्ञान प्राप्त कर रहे हैं अथवा केवल रट्टे लगाकर परीक्षा में उत्तर लिख रहे हैं। परीक्षा में अधिक अंक लाने वाले विद्यार्थी ही योग्य माने जाने लगे हैं। कम या औसत अंक वाले विद्यार्थी कमजोर माने जाते हैं। इसलिए विद्यार्थियों पर परीक्षा का दबाव बना रहता है। इससे वे मानसिक तनाव की चपेट में भी आ जाते हैं। इसलिए आज शिक्षा व्यावसायिक होती जा रही है। किंतु सुखद बात यह है कि शिक्षाविदों और सरकारों का ध्यान इस ओर गया है तथा इसमें अब परिवर्तन आने लगा है। मातृभाषा में शिक्षा दिलाना, इसका एक बड़ा उदाहरण है। आज के समय में हिंदी में चिकित्सीय एवं तकनीकी शिक्षा उपलब्ध करवाना किसी स्वप्न से कम नहीं है। कुछ वर्ष पूर्व तक इस बारे में सोचना भी सरल नहीं था। यह एक सार्थक पहल है। भविष्य में इसके अच्छे परिणाम सामने आएंगे।

भारतीय ज्ञान परम्परा

शिक्षा भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित होनी चाहिए। सदैव से हमारी प्राचीन भारतीय सभ्यता विश्व की सर्वाधिक गौरवशाली एवं समृद्ध सभ्यताओं में एक रही है। विश्व के अधिकतर देशों में जब बर्बरता का युग था, उस समय भी हमारी भारतीय सभ्यता अपने शीर्ष पर थी। इसका सबसे बड़ा कारण शिक्षा ही है। हमारे पूर्वजों ने शिक्षा के क्षेत्र में अत्यंत उन्नति की। शिक्षा के कारण ही जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास हुआ। इस पवित्र भारत भूमि पर वेद, पुराणों एवं उपनिषदों की रचना हुई। रामायण की रचना हुई, जिसमें जीवन का सार है। महाभारत की रचना हुई, जो हमें अन्याय के विरुद्ध खड़ा होने की प्रेरणा देती है। यह सब शिक्षा के कारण ही संभव

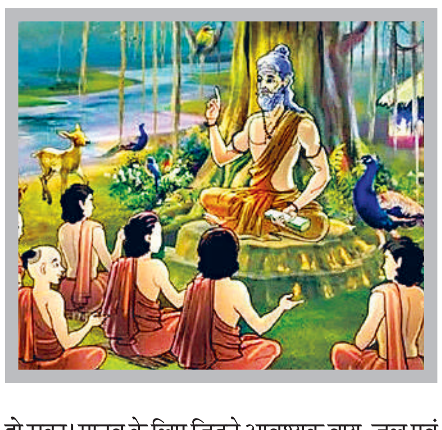

हो सका। मानव के लिए जितने आवश्यक वायु, जल एवं भोजन है, उतनी ही आवश्यक शिक्षा भी है। इसलिए शिक्षा ऐसी होनी चाहिए, जो विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान देने के साथ-साथ उनके व्यक्तित्व का भी विकास करे। हमारी प्राचीन शिक्षा प्रणाली ऐसी ही थी। शिक्षा का प्रथम उद्देश्य ही विद्यार्थी के चरित्र का निर्माण करना होता है। हमारी भारतीय संस्कृति में चरित्र निर्माण पर सर्वाधिक बल दिया गया है, क्योंकि चरित्र के बिना किसी भी गुण का कोई महत्व नहीं है। मनुस्मृति में कहा गया है कि सभी वेदों का ज्ञाता विद्वान भी सच्चरित्रता के अभाव में श्रेष्ठ नहीं है, किंतु केवल गायित्री मंत्र का ज्ञाता पंडित यदि चरित्रवान है, तो वह श्रेष्ठ है। इससे चरित्र की महत्ता का पता चल जाता है। वास्तव में शिक्षा का उद्देश्य केवल ज्ञान प्राप्त करना नहीं होना चाहिए, अपितु विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास होना चाहिए, ताकि वह जीवन के प्रत्येक क्षेत्र में विकास कर सके। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी को उसके अधिकारों के साथ-साथ उसके कर्त्तव्यों के बारे में जानकारी देना भी होना चाहिए, ताकि वह अपने अधिकारों को प्राप्त कर सके तथा परिवार एवं समाज के प्रति अपने कर्त्तव्यों का भी निर्वहन कर सके। शिक्षा का उद्देश्य विद्यार्थी के जीवन स्तर को उन्नत एवं समृद्ध बनाना भी है। शिक्षा के माध्यम से वह अपने जीवन को सुगम, उन्नत एवं समृद्ध बना सके। प्राचीन काल में विद्यार्थियों को अक्षर ज्ञान के साथ-साथ व्यावसायिक कार्यों का भी प्रशिक्षण दिया जाता था, ताकि वे अपने-अपने कार्यों में भी निपुणता प्राप्त कर सकें। शिक्षा विज्ञान पद्धति पर भी आधारित होनी चाहिए तथा इसमें नवाचार भी होना चाहिए।

नैतिक शिक्षा की आवश्यकता

आज के समय में जिस प्रकार समाज में वैमनस्यता तीव्रगति से बढ़ रही है, वह दुख एवं चिंता का विषय है। वर्तमान समय में मनुष्य का जीवन- मूल्यों से विश्वास उठता जा रहा है। वह चरित्र की अपेक्षा धन-संपत्ति को महत्व दे रहा है। इससे उसका नैतिक पतन हो रहा है तथा समाज में अपराध दिन-प्रतिदिन बढ़ रहे हैं। इसलिए पाठ्यक्रम में ऐसे परिवर्तन की आवश्यकता है, जिससे मनुष्य का नैतिक विकास हो तथा वह एक सुसभ्य समाज का निर्माण करने में सहायक सिद्ध हो सके। नई शिक्षा पद्धति में इस बात पर ध्यान दिया जा रहा है। उत्तम शिक्षा के लिए पाठ्यक्रम में चारित्रिक विकास एवं मानवीय गुणों को विकसित करने के विषयों को भी सम्मिलित किया जाना चाहिए, जिससे नागरिक सामाजिक, नैतिकता तथा आध्यात्मिक मूल्यों को प्राप्त कर सकें। हमारे पूर्वजों ने हमें 'वसुधैव कुटुंबकम' का मंत्र प्रदान किया है, जिसका अर्थ है कि धरती ही परिवार है। यही हमारे सनातन धर्म का मूल संस्कार एवं विचारधारा है। हमें इस मंत्र को जीवन में आत्मसात करना होगा। इसका प्रारंभ बाल्यकाल से ही होना चाहिए। यह संस्कार बालकों को घुट्टी में मिलना चाहिए।

इसके लिए मूल्य आधारित एवं नैतिक शिक्षा की नितांत आवश्यकता है। बच्चों को देश के तीज-त्योहारों के बारे में जानकारी देनी चाहिए। उन्हें इन त्योहारों से संबंधित देवी-देवताओं की कथाएं सुनानी चाहिए। इनसे संबंधी घटनाओं की जानकारी देनी चाहिए। मर्यादा पुरुषोत्तम राम का चरित्र प्रेरणा का स्रोत है। वे एक आदर्श पुत्र, आदर्श भ्राता एवं आदर्श मित्र आदि थे। इसके अतिरिक्त देश के महापुरुषों से संबंधित जीवनियां भी बच्चों को पढ़ाई जानी चाहिए, ताकि वे इनसे प्रेरणा प्राप्त कर सकें। इस बात में कोई संदेह नहीं है कि यदि शिक्षा भारतीय ज्ञान परम्परा पर आधारित होगी, तो इससे शिक्षकों एवं छात्रों के संबंध और अधिक मधुर होंगे।

(लेखक लखनऊ विवि. में एसो. प्रोफेसर हैं, ये उनके अपने विचार हैं। लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।)

शिक्षक दिवस

डॉ. नितेश शर्मा

संसार की श्रेष्ठ पदवी है शिक्षक गुरु-शिष्य संबंध आध्यात्मिक

गुरु-शिष्य परंपरा भारत की संस्कृति का एक अहम और पवित्र हिस्सा है। जीवन में माता-पिता का स्थान कभी कोई नहीं ले सकता, क्योंकि वे ही हमें इस खूबसूरत दुनिया में लाते हैं। कहा जाता है कि जीवन के सबसे पहले गुरु हमारे माता-पिता होते हैं। भारत में प्राचीन समय से ही गुरु व शिक्षक परंपरा चली आ रही है, लेकिन जीने का असली सलीका हमें शिक्षक ही सिखाते हैं। सही मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित करते हैं। गुरु संसार की श्रेष्ठ पदवी है, जो अपने शिष्य को सर्वोत्तम बनाने के धर्म का निर्वहन करता है। केवल गुरु-शिष्य संबंध ही आध्यात्मिक संबंध है, क्योंकि गुरु ही ईश्वर का मार्ग दिखाता है। गुरु ही जीवन का रहस्य बताता है। गुरु ही मानव के जीवन से जुड़े लक्ष्य भेद को सिद्ध कराने में समर्थ हो सकता है। जिस भी साधक ने गुरु की महिमा को आत्मसात किया, वह भवसागर से पार हो गया। शरीर व आत्मा का तत्व दर्शन, जीव की मीमांसा, ईश्वर की खोज और संसार का आश्रय गुरु के मार्गदर्शन से ही संभव है। आत्मोद्धार के पथिक गुरु महिमा से पूर्ण सफलता पाते हैं। इसीलिए गुरु को पारंपरिक एवं मूल पथप्रदर्शक बताया गया है, जिस पर चलकर आत्मबोध की यात्रा सरल हो जाती है। ध्यान से देखें तो महान गुरु या शिक्षक ही जीवन का सच्चा निर्माता है। वह अपने बुद्धि कौशल से बच्चों के चरित्र का निर्माण करता है।

यह शिक्षक की महिमा ही है कि वह अपने गुरु से भी आगे बढ़कर अपने विद्यार्थियों को महान बनाता है। भगवान श्रीराम के लिए गुरु वशिष्ठ, पांडवों के लिए गुरु द्रोण और चक्रवर्ती सम्राट चंद्रगुप्त के लिए आचार्य चाणक्य जैसे शिक्षक ही उनकी समग्र सफलता के स्रोत थे। विद्या दान की गुरु कृपा ही अपने शिष्यों का महिमामंडन करने का माध्यम सिद्ध होती है। हमारे यहां इतिहास में गुरु यानी शिक्षक को शिक्षा प्रक्रिया का केंद्र-बिंदु बनाया गया जो शिक्षा के उद्देश्य, उसकी विषय-वस्तु तथा उसके उपादान आदि सब को निर्धारित करता था। यह सब करने के लिए उसे आवश्यक स्वतंत्रता और सुविधा दी गई। गुरु की संस्था में समाज का भरोसा विकसित हो गया। देश के निर्माण में चाणक्य जैसे गुरुओं की भूमिका का अत्यंत प्राचीन इतिहास है। भारत में गुरुओं की अटूट परम्परा में अनगिनत नाम हैं। ज्ञान के विभिन्न क्षेत्रों के कुछ प्रमुख नाम हैं याज्ञवल्क्य, यास्क , कपिल, कणाद, व्यास, पाणिनि, उदयन, चरक, सुश्रुत, पतंजलि, शंकराचार्य, अभिनवगुप्त, नागार्जुन, वसुबंधु, भास्कराचार्य, आर्यभट्ट तथा हेमचंद्र। इन लोगों ने ज्ञान की विभिन्न शाखाओं में गुरु परम्परा की अमिट छाप छोड़ी है जो अनेकानेक ग्रंथों से भलीभांति प्रमाणित है। व्यक्ति की जगह परम्परा प्रमुख रही है। सिख गुरु परम्परा स्वयं में एक अद्भुत उपलब्धि है। गुरुओं की यह परम्परा काल के थपेड़ों के बीच कुछ उतार-चढ़ाव के साथ प्रवाहमान रही है। देश-काल में बदलाव के साथ उसके रूप भी बदलते रहे हैं। गुरु और विद्यार्जन के केंद्र विद्यालय को समाज की मुख्य संस्था के रूप में अपनाया गया और उसे भरपूर समर्थन मिलता रहा। जीवनोपयोगी ज्ञान के लिए गुरु के निकट प्रशिक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण था। गांवों और शहरों में भी विद्यालयों की अच्छी व्यवस्था को लेकर अंग्रेजों की आरम्भिक रपट विस्मयजनक है और कदाचित इसकी शक्ति को समझ कर ही उन्होंने भारतीय शिक्षा की कमर तोड़ने का षड्यन्त्र रचा और उनको आशातीत सफलता भी मिली। वस्तुतः विद्या मुक्ति की साधना है और गुरु या शिक्षक इसी विद्या की अनेक धाराओं का संगम। यदि किसी मनुष्य ने गुरु का मंत्र ग्रहण नहीं किया तो समझिए वह पृथ्वी पर भार स्वरूप है। ऐसा मानव कभी गुरु महिमा का विस्तार नहीं कर सकता। इसीलिए मनुष्य को गुरु का अनुशासन, प्रेम और आशीष समय पर प्राप्त कर लेना चाहिए। तभी वह गुरुभक्ति और गुरुशक्ति का वाहक बनने में सक्षम हो सकेगा। जिस प्रकार भगवान ने गुरु की ओर संकेत कर उन्हें स्वयं से श्रेष्ठ बताया, उसी तरह माता-पिता भी गुरु को अपने से श्रेष्ठ मानते हैं।

वास्तव में माता-पिता तो जन्म देकर पालन-पोषण करते हैं, लेकिन किसी को आदर्श मनुष्य का आकार देने वाला तो शिक्षक ही है। यह सुखद ही है कि देश में आजादी के बाद पहली बार हमारी प्राचीन गुरु केंद्रित शिक्षा व्यवस्था की झलक हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में निर्मित नई शिक्षा नीति में मिलती है। पहली बार भारत के स्व को केंद्रीय तत्व मानकर शिक्षा नीति को आकार दिया गया है। भारत की प्रतिभा और क्षमताओं को उकेर कर विश्व गुरु बनने का संकल्प नई नीति में सुस्पष्ट नजर आता है। आज शिक्षक दिवस पर सकल समाज अपने शिक्षकों के प्रति कृतज्ञता के साथ खड़ा है।

(लेखक शिक्षाविद हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

'अनेक जन्म संसिद्धि ततोः यांति परांगतिम'

संकलित

दर्शन

गीता में स्पष्ट कहा गया है कि 'अनेक जन्म संसिद्धि ततोः यांति परांगतिम'। अर्थात अपने पूर्व जन्मों के संचित कर्मों का फल भोगने के लिए ही जीवात्मा भौतिक शरीर में आता है और संसार में भ्रमण करते हुए वह भविष्य के लिए 'क्रियमाण कर्म' करता रहता है। इसका अर्थ यह हुआ कि मनुष्य जैसा कार्य इस समय करेगा, उसे उसी प्रकार का फल भविष्य में सहन करना पड़ेगा। मानवता को यदि सरल शब्दों में परिभाषित करना हो तो यही कहेंगे कि अपने आंतरिक सद्गुणों का विकास कर, हर मानव के साथ सद्व्यव्हार करना और दूसरों के आंतरिक सुषुप्त सद्गुणों को सुजग करना यही सच्ची मानवता है। किंतु आज हम सभी, भूखों को रोटी खिलाना या प्यासे को पानी पिलाना, इसीको मानवता समझते हैं, पर क्या इससे दुनिया में भूखे-प्यासे लोगों की संख्या घट गई? शायद नहीं! तो फिर क्या हम भूखों को रोटी खिलाना और प्यासे को पानी पिलाना छोड़ दें? बिलकुल नहीं! भारतीय संस्कृति तो हमें यही सिखाती है कि अपने पास यदि एक ही रोटी है, तो उसमें से भी आधी किसी भूखे को देकर उसकी दुआ का पात्र बनना चाहिए। परंतु आज समाज की स्थिति कुछ विचित्र सी हो गई है और इसीलिए ही मानवतावादियों को यह ध्यान रखने की आवश्यकता है कि भूखे को अन्न का दान और दीन हीन को धन का दान देने के साथ-साथ उन्हें सच्चे ज्ञान धन का भी दान देना आवश्यक है ताकि वह प्राप्त हुए भौतिक दान का सदुपयोग कर सकें और उसे गलत कार्य में लगाने से बच जाएं?

जन्म से मृत्यु तक सिर्फ आनंद ही आनंद

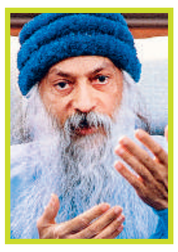

संकलित

प्रेरणा

ओशो ने कहा कि अगर मैं कहता हूं कि हर किसी को अपना गिटार लेकर चलना होगा तो वे सभी मेरी निंदा करेंगे! हमें उम्मीद है कि हम एक दिन आनंद का अनुभव करेंगे, लेकिन हम केवल उसी की उम्मीद करते हैं, जिसका हमने अनुभव नहीं किया है। हमने आनंद का अनुभव नहीं किया है, इसलिए हम लगातार सोचते रहते हैं कि हमें कल, भविष्य में आनंद मिलेगा। अधिक कल्पनाशील शक्ति वाले लोग सोचते हैं कि उन्हें यह अगले जन्म में मिलेगा और जो लोग इससे भी अधिक काल्पनिक कल्पना करते हैं वे सोचते हैं कि उन्हें मृत्यु के बाद स्वर्ग में, किसी परम मुक्ति में आनंद मिलेगा। यदि मनुष्य ने आनंद को जाना होता, तो वे कभी स्वर्ग की कल्पना नहीं करते। स्वर्ग की कल्पना वे लोग करते हैं जिन्होंने कभी परमानंद का अनुभव नहीं किया है। जो उन्होंने अनुभव नहीं किया है, वे उसे स्वर्ग में पाने की आशा करते हैं। हम आनंद की खोज कर रहे हैं, हम खुशी की खोज कर रहे हैं, हम उसका सपना देख रहे हैं। इसी खोज के कारण तुम चूकते चले जाते हो। लाओत्सु कहता है, खोजोगे तो तुम चूक जाओगे क्यों, क्योंकि यह तुम्हारे भीतर है। इसे तभी पाया जा सकता है जब सारी खोज बंद हो जाए। खोजने का मतलब है कि तुम किसी चीज के पीछे भाग रहे हो, किसी छाया, किसी भ्रम, किसी सपने, किसी इच्छा के पीछे और जब तुम किसी सपने में व्यस्त होते हो, तो तुम भीतर नहीं देख सकते। जब तुम खोजे जाने वाले के पीछे भाग रहे होते हो, तो तुम खोजी में नहीं देख सकते, तुम अंदर की ओर नहीं मुड़ सकते।

अंतर्मन

आज की पाती

सब्जियों के दामों में बढ़ोतरी क्यों

बारिश न हो तो सूखे के कारण सब्जियों के दाम में वृद्धि हो जाती है और अगर बारिश हो जाए तो भी सब्जियों के खराब होने के कारण दाम बढ़ जाते हैं। लेकिन इसका क्या हल निकाला जाए, यह शायद कोई नहीं सोचता है। देश में उगाई जाने वाली खाद्य वस्तुओं की बढ़ती कीमतों को देखकर तो यह लगने लगा है कि यह कहीं दूर विदेशों से आई हैं। देश के कुछ राज्यों में आजकल टमाटर के दाम आसमान छू रहे हैं। यह किसी एक सब्जी की आसमान छूती कीमत की बात नहीं है। कभी प्याज तो कभी अन्य सब्जियों के मूल्य आसमान छू जाते हैं। कृषि प्रधान देश में सब्जियों की कीमतों में बढ़ोतरी और फिर भी किसानों की दयनीय दशा सचमुच शर्मनाक है। सब्जियों की कीमतों को नियंत्रित किया जाना चाहिए।

– मनहरण यादव, रायपुर

करंट अफेयर

स्विट्जरलैंड बदलेगा 500 साल पुरानी तटस्थ नीति

रूस के साथ बढ़ती तल्खी को देखते हुए यूरोपीय देशों में खलबली मची हुई है। यही कारण है कि स्विट्जरलैंड अपनी 500 साल पुरानी तटस्थ रहने की नीति को बदलने पर विचार कर रहा है। फर्स्टपोस्ट के मुताबिक, यह नीति वैश्विक संघर्ष के दौरान स्वीट्जरलैंड के तटस्थ रहने की है। पिछले दिनों देश के अध्ययन आयोग ने अपनी रिपोर्ट में यह खुलासा किया। रिपोर्ट में विशेषज्ञों के समूह ने सरकार से रक्षा रुख पर पुनर्विचार करने का आग्रह किया है। विशेषज्ञों के समूह ने सरकार को यूरोपीय संघ और नाटो के साथ "साझा रक्षा क्षमता" पर काम करने के लिए प्रोत्साहित किया है। रिपोर्ट में कहा गया कि यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद से तटस्थता एक बार फिर देश और विदेश दोनों जगह राजनीतिक बहस का विषय बन गई है, स्विटजरलैंड पर अपनी स्थिति स्पष्ट करने का दबाव बढ़ रहा है। समूह ने कहा स्विट्जरलैंड की तटस्थता ने देश की हथियारों की बिक्री पर भी नकारात्मक प्रभाव डाला है। यूक्रेन पर रूस की बढ़ती आक्रामकता को देखते हुए पिछले दिनों स्वीडन और फिनलैंड ने भी अपना तटस्थता को त्यागकर नाटो में शामिल होने का फैसला किया है। इससे स्वीट्जरलैंड भी सहम गया। समूह ने रिपोर्ट में कहा कि स्विट्जरलैंड का हथियार निर्यात पिछले साल 2022 की तुलना में 27 प्रतिशत घट गया है।

ऑफ बीट

आधा क्विंटल सोने से होता है दगड़ूशेठ गणपति का श्रृंगार

गणेश चतुर्थी हिंदू धर्म के लोकप्रिय और महत्वपूर्ण त्योहारों में से एक है। इस दिन विघ्नहर्ता गणेश का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया जाता है। मुंबई के प्रभादेवी इलाके में स्थित सिद्धिविनायक मंदिर का गणेश उत्सव बेहद भव्य और आकर्षक होता है। महाराष्ट्र के पुणे में भगवान गणेश के जन्मोत्सव का नजारा बेहद खास होता है। बेहद खूबसूरत और रमणीय दगडूशेठ हलवाई गणपति मंदिर का इतिहास 100 सालों से भी ज्यादा पुराना और समृद्ध है। इस मंदिर का निर्माण व वास्तुकला इतना सरल और आकर्षक है कि मंदिर में स्थापित भगवान गणेश की मूर्ति और मंदिर परिसर में होने वाली सभी गतिविधियां बाहर से ही देखी जा सकती हैं। इस मंदिर में स्थापित भगवान गणेश की प्रतिमा बेहद भव्य और वैभवशाली होती है, जिसे लगभग 40 किलो सोने से सजाया जाता है। इसी प्रकार मराठा शासक छत्रपति महाराज ने महाराष्ट्र में गणेशोत्सव के त्योहार को बढ़ावा दिया था। साल 1801 में विट्ठु और देउबाई पाटिल ने प्रसिद्ध सिद्धिविनायक मंदिर का निर्माण करवाया था। इस मंदिर में स्थापित भगवान गणेश का सिद्धि विनायक रूप बेहद खास है। विघ्नहर्ता के इस रूप में भगवान की सूंड़ दाईं ओर मुड़ी होती है। कहा जाता है ऐसी प्रतिमाएं सिद्ध पीठ होती हैं, जो भक्तों की मनोकामना तुरंत पूरी कर देती है।

ट्रेंड

प्रकाश पर्व की शुभकामनाएं

श्री गुरु ग्रंथ साहिब के प्रकाश पर्व पर मेरी शुभकामनाएं। श्री गुरु ग्रंथ साहिब दुनिया भर में लाखों लोगों को प्रेरित करते हैं, लोगों को दूसरों की सेवा और देखभाल करने के लिए प्रेरित करते हैं। यह हमें अपने समाज में भाईचारे और सद्भाव के बंधन को आगे बढ़ाना भी सिखाता है।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

ऐसा नहीं होने देंगे

देश के इतिहास में पहली बार किसी प्रदेश का राज्य का दर्जा छीन कर उसे केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया है। आज जम्मू-कश्मीर को बाहर से 'राजतंत्र' द्वारा चलाया जा रहा है। यहां का धन, अवसर, रोज़गार कश्मीरियों को नहीं, बाहर वालों को दिया जा रहा है, हम ये बिलकुल नहीं होने देंगे!

-राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

पोडियम फिनिशरों को बधाई

भारत ने पेरिस पैरालिंपिक में 20 मेडल जीतकर टोक्यो में 19 पदक के अपने पिछले रिकॉर्ड को पहले ही तोड़ दिया है। कल के हमारे 5 पोडियम फिनिशरों को बधाई। आपने सचमुच इतिहास रच दिया है।

- सचिन तेंदुलकर, पूर्व क्रिकेटर

तथाकथित समाज-सेवक

इन तथाकथित समाज-सेवकों ने पूरे देश में गंदगी मचा रखी है। कभी गाय पाली नहीं, और चल देते हैं धर्म बचाने। प्रधानमंत्री जी ने भी पिछले वर्ष ऐसे लोगों को क़ानूनी सख़्ती से निपटने का आह्वान किया था।

- कुमार विश्वास, भारतीय कवि

अपने विचार

हरिभूमि कार्यालय

टिकरापारा, रायपुर में पत्र के माध्यम से या फैक्स : 0771-4242222, 23 पर या सीधे मेल से **hbcgpati@gmail.com** पर भेज सकते हैं।

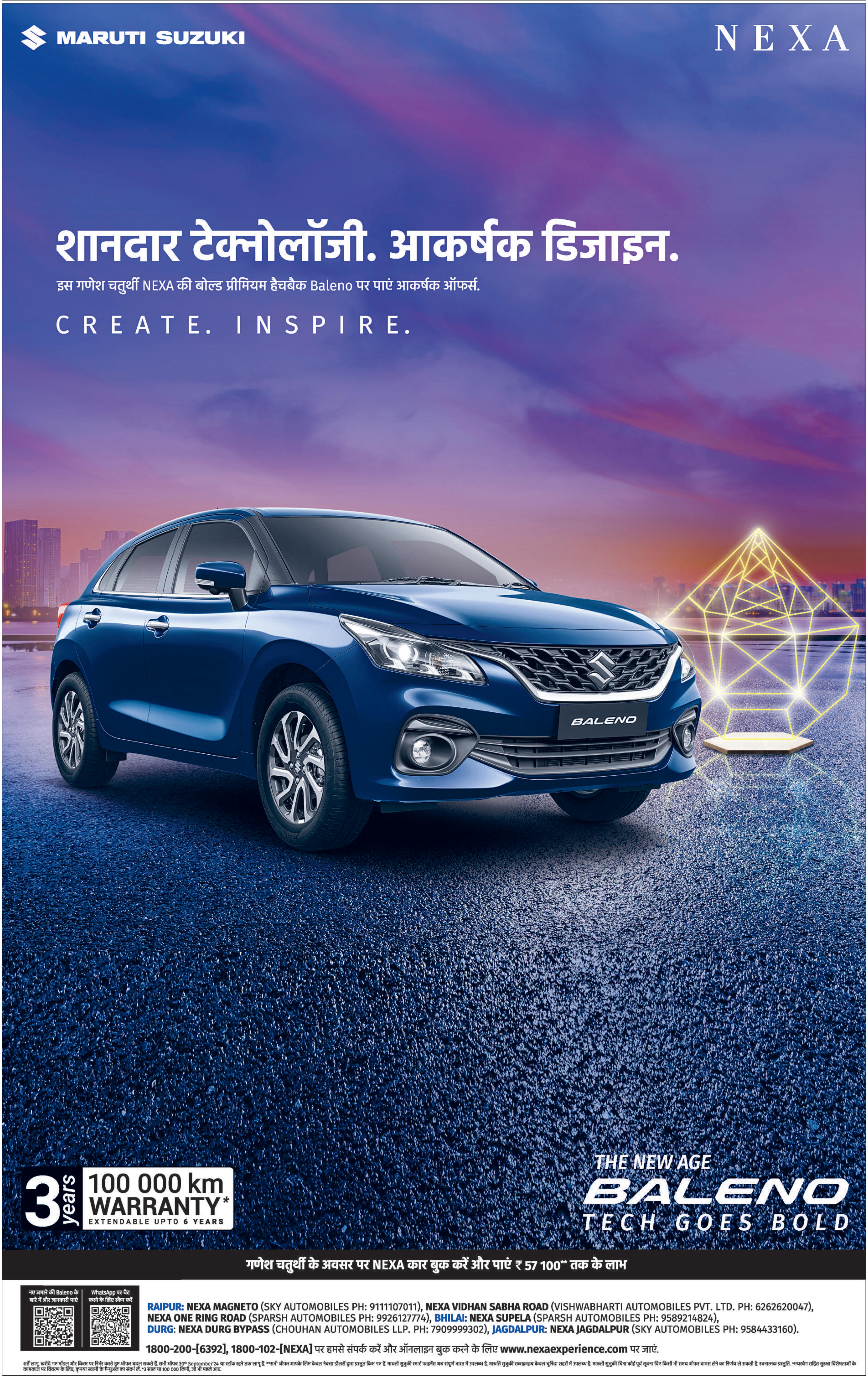
MARUTI SUZUKI
NEXA
शानदार टेक्नोलॉजी. आकर्षक डिजाइन.
इस गणेश चतुर्थी NEXA की बोल्ड प्रीमियम हैचबैक Baleno पर पाएं आकर्षक ऑफर्स.
CREATE. INSPIRE.
BALENO
3 years 100 000 km WARRANTY*
EXTENDABLE UPTO 6 YEARS
THE NEW AGE
BALENO
TECH GOES BOLD
गणेश चतुर्थी के अवसर पर NEXA कार बुक करें और पाएं ₹ 57 100** तक के लाभ
नए जमाने की Baleno के बारे में और जानकारी पाएं
WhatsApp पर चैट करने के लिए स्कैन करें
RAIPUR: NEXA MAGNETO (SKY AUTOMOBILES PH: 9111107011), NEXA VIDHAN SABHA ROAD (VISHWABHARTI AUTOMOBILES PVT. LTD. PH: 6262620047),
NEXA ONE RING ROAD (SPARSH AUTOMOBILES PH: 9926127774), BHILAI: NEXA SUPELA (SPARSH AUTOMOBILES PH: 9589214824),
DURG: NEXA DURG BYPASS (CHOUHAN AUTOMOBILES LLP. PH: 7909999302), JAGDALPUR: NEXA JAGDALPUR (SKY AUTOMOBILES PH: 9584433160).
1800-200-[6392], 1800-102-[NEXA] पर हमसे संपर्क करें और ऑनलाइन बुक करने के लिए www.nexaexperience.com पर जाएं.
शर्तें लागू. खरीदे गए मॉडल और किस्म पर निर्भर करते हुए ऑफर बदल सकते हैं. सभी ऑफर 30th September'24 या स्टॉक रहने तक लागू हैं. **सभी ऑफर आपके लिए केवल नेक्सा डीलरों द्वारा प्रस्तुत किए गए हैं. मारुती सुजुकी स्मार्ट फाइनेंस अब संपूर्ण भारत में उपलब्ध है. मारुति सुजुकी सब्सक्राइब केवल चुनिंदा शहरों में उपलब्ध है. मारुती सुजुकी बिना कोई पूर्व सूचना दिए किसी भी समय ऑफर वापस लेने का निर्णय ले सकती है. रचनात्मक प्रस्तुति. ^एयरबैग सहित सुरक्षा विशेषताओं के कामकाज पर विवरण के लिए, कृपया स्वामी के मैन्युअल का संदर्भ लें. *3 साल या 100 000 किमी, जो भी पहले आए.

जैकेट के शेष

जब नौकरी नहीं, बदलाव ....

बच्चे जितनी आसानी से छत्तीसगढ़ी बोलते हैं, बिल्कुल उतनी ही आसानी से अंग्रेजी भी बोलने लगे हैं।
गांव का नाम है सरोरा। सालभर पहले इस स्कूल में कोई शिक्षक नहीं था, तब हाईस्कूल के शिक्षक कभी-कभी खाली पीरियड में इनको एक्टिविटिज के माध्यम से कुछ पढ़ा दिया करते थे। इन एक्टिविटिज ने सरोरा मिडिल स्कूल के इन बच्चों के दिमाग पर गहरा असर डाला। उनकी रुचि इन एक्टिविटिज के चलते पढ़ाई में इस कदर बढ़ी कि अब लगता ही नहीं कि कुछ महीने पहले ही इन्हें महज दो शिक्षक मिले हैं।

मातृभाषा का प्रयोग करना रंग लाया : सरकारी स्कूल का नाम सुनते ही जो इमेज आपके दिमाग में आती है, वो छत्तीसगढ़ आकर बदल सकती है। यहां के गवर्नमेंट इंग्लिश स्कूल प्राइवेट स्कूलों से बेहतर हैं। इसके पीछे की वजह है इस सरकारी स्कूल के शिक्षकों की कड़ी मेहनत। इस स्कूल के शिक्षक विनोद कुमार कहते हैं कि, बच्चों के अंदर उन्होंने मातृभाषा का प्रयोग किया। इसका फायदा उन्हें मिला। वे कहते हैं कि बच्चे रोजाना घर में अपनी मातृभाषा छत्तीसगढ़ी में बात करते हैं। यही कारण है कि, उन्हें अंग्रेजी सिखाने के लिए छत्तीसगढ़ी से अंग्रेजी प्रैक्टिस में लाई गई। अब वे स्कूल में फर्राटे से अंग्रेजी में बात करते हैं।

खेल-खेल में बोल ....

पिता जी बात करते हैं, उसको वह एक छत्तीसगढ़ी में तो दूसरी अंग्रेजी में बोल रही हैं, वहीं इनके टीचर के द्वारा बनाए गए कई वीडियो अब सोशल मीडिया में भी खूब वायरल हो रहे हैं। जिनमें स्कूल की छात्राएं खेल खेल में छत्तीसगढ़ी से अंग्रेजी में बात कर रही हैं।

हिंदी बोलने में ....

संचालन होता है। छठवीं से बारहवीं कक्षा तक हिंदी व इंग्लिश दोनों माध्यमों में पढ़ाई होती है।

60 स्कूल पुराने इस ....

में छात्रों को सिर्फ इंग्लिश भाषा में ही बात करने की अनुमति है। यहां ना सिर्फ सिलेबस और पढ़ाई की बात इंग्लिश में होती है बल्कि पढ़ाई के अतिरिक्त अन्य गतिविधियों से संबंधित चर्चा भी इंग्लिश में ही की जाती है।

प्रधानमंत्री संग ....

कोचिंग के तहत संध्या समय में गणित और विज्ञान की भी अतिरिक्त कक्षाएं ली जा रही हैं। बीते 32 वर्षों से अध्यापन कार्य कर रहे प्राचार्य टी.श्रीनिवासन का कहना है कि शिक्षकों को अपने आपको कार्यभार नहीं मानना चाहिए। इसे अपना धर्म समझें, तभी शिक्षा का उद्देश्य पूर्ण हो सकेगा।

गीत गाकर कंठस्थ ....

तरीके से पढ़ाने कोई न कोई अनोखा रास्ता ढूंढ़ ही लेते हैं। सभी जानते हैं कि बचपन में पहाड़ा को लय और ताल के साथ गाकर कैसे याद किया करते थे। कुछ इसी तर्ज पर बिल्हा ब्लॉक के अंतर्गत आने वाले संकुल पासीद स्थित शासकीय प्राथमिक शाला दुर्गाडीह के सहायक शिक्षक बसंत जांगड़े बच्चों के बेस को मजबूत करने में जुटे हुए हैं।
2010 से शिक्षकीय कार्य कर रहे सहायक शिक्षक बसंत जांगड़े ने बताया कि उन्होंने अध्यापन कार्य करने के दौरान देखा कि बच्चे रट्टा मारकर याद करते हैं, जो उनके लिए बड़ा कठिन और उबाऊ होता है। पढ़ाई के लिए ज्यादा जोर देने पर स्कूल आने में कतराने लगते हैं और उनकी उपस्थिति संख्या में कम होने लगती है, इसलिए पढ़ाई को मनोरंजक बनाने के उद्देश्य से उन्होंने इसे गीत-संगीत के माध्यम से पढ़ाने का विचार किया। शुरुआत में कुछ कठिनाई हुई, परन्तु धीरे धीरे यह कार्य सरल होता गया। बच्चों को भी इस तरीके से पढ़ने में आनंद आने लगा। उन्होंने बताया कि अब बच्चे अधिक रुचि लेकर इस तरीके से अध्ययन कर रहे हैं। साथ ही स्कूल में दर्ज संख्या पहले से अधिक हो गई है। बच्चे एक बार पढ़ने के बाद उसे भूलते नहीं। धीरे धीरे अध्ययन के इस तरीके की चर्चा आसपास के गांव के अलावा शहरों में होने लगी है।

दिव्यांग शिक्षक ने ....

इसे पाठशाला कहते हैं। इस पाठशाला को धनागर स्थित माध्यमिक शाला के शिक्षक अजय कुमार करीब 9 वर्षों से संचालित कर रहे हैं। इस पाठशाला में गरीब वर्ग के बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी निःशुल्क कराई जाती है। इस पाठशाला में अध्ययनरत अब तक करीब 26 अभ्यर्थियों के बैंक, रेलवे, पीएससी व व्यापम जैसी परीक्षाओं में चयन हो चुका है। ऐसे में इसे स्पेशल 26 कहें तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। इस बारे में अजय बताते हैं कि 9 वर्ष पहले उन्होंने गरीब वर्ग के युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कराने का एक प्रण लिया, जो आज एक मुहिम बन चुका है। इस मुहिम के तहत वे ऐसे अभ्यर्थियों को बीते 7 वर्षों से लगातार निःशुल्क ही प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी करा रहे हैं।

खुद पढ़कर पढ़ाते भी हैं अभ्यर्थी : इस पाठशाला की एक और खासियत यह है कि यहां प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी कर रहे अभ्यर्थी अपने से छोटी उम्र के बच्चों को भी निःशुल्क ही पढ़ाते हैं। ऐसे में उनका अभ्यास भी हो जाता है और गणित, अंग्रेजी, विज्ञान व संविधान जैसे कठिन विषय पर वे पारंगत भी बन जाते हैं। इसके साथ ही वे अभ्यर्थियों की तैयारी की जांच करने नियमित रूप से यहां मूल्यांकन परीक्षाएं भी आयोजित की जाती हैं, ताकि प्रतियोगी परीक्षा में वे बेहतर प्रदर्शन कर सकें।

शिक्षकों ने अपने ....

राजनांदगांव जिले में 771 प्राथमिक शाला और 400 मिडिल स्कूल हैं। जिले के सभी स्कूलों में शिक्षकों के योगदान से स्मार्ट टीवी लगाया गया है। इन स्कूलों में स्मार्ट टीवी से पढ़ाई को लेकर यहां के शिक्षकों ने शासकीय बजट और योजना का इंतजार नहीं किया, बल्कि शिक्षकों ने अपने वेतन में से ही थोड़े-थोड़े रुपए करके स्मार्ट टीवी के लिए योगदान दिया। शिक्षकों ने न केवल अपने स्कूलों में, बल्कि अन्य शासकीय स्कूलों में भी स्मार्ट टीवी लगाने के लिए अपने रुपए दिए। शिक्षकों की इस पहल पर स्थानीय प्रशासन ने भी इस कार्य की सराहना की और लोगों से इस कार्य में सम्मिलित होने सहयोग मांगा।

शिक्षकों ने की शुरुआत, जनसहयोग भी मिला : जिले के सभी शासकीय स्कूलों में स्मार्ट टीवी लगाने की शुरुआत यहां के शासकीय स्कूलों के शिक्षकों ने की। उन्होंने स्वयं के व्यय से स्मार्ट टीवी की खरीदी शुरू की। शिक्षकों की पहल को देखते स्थानीय जनप्रतिनिधियों और समाजसेवियों ने भी उनका सहयोग करना शुरू किया और जिले के समस्त शासकीय प्राथमिक और मिडिल स्कूलों में स्मार्ट टीवी लगाए गए। जिसमें से 80 प्रतिशत स्मार्ट टीवी शिक्षकों के खर्च पर लगाई गई है। वहीं 20 प्रतिशत जनसहयोग भी मिला है।

एक करोड़ रुपए हुए खर्च : आधुनिकता के दौर में शिक्षा के स्तर में भी कंपटीशन नजर आता है, जिसे देखते यहां के शासकीय स्कूलों के शिक्षकों ने स्कूलों में शिक्षकों की कमी और आधुनिक शिक्षा पद्धति को अपनाने के लिए स्मार्ट टीवी लगाने की सोची, लेकिन इसके लिए शासन स्तर पर अलग से बजट नहीं होने के चलते शिक्षकों ने ही अपने पैसे से स्मार्ट टीवी खरीदने की पहल शुरू कर दी और पहले चरण में शिक्षकों की कमी से जूझ रहे स्कूलों को प्राथमिकता में लिया। एक टीवी के पीछे लगभग 8 से 10 हजार रुपए का खर्च आया और सभी स्कूलों में लगभग एक करोड़ रुपए की लागत से स्मार्ट टीवी लगाए गए।

संपर्क डिवाइस से हो रही पढ़ाई : स्मार्ट टीवी लेने के बाद यहां बड़ी समस्या टीवी के माध्यम से शिक्षा को लेकर थी। कई जगह पर इंटरनेट की सुविधा नहीं होने के चलते सभी स्कूलों को पेन ड्राइव उपलब्ध कराए गए। शुरुआती दौर में पेन ड्राइव से पढ़ाई की जाती रही। वहीं अब संपर्क डिवाइस के माध्यम से स्मार्ट टीवी पर शिक्षा मिल रही है।

425 स्कूलों में लगा संपर्क डिवाइस : जिले के सभी स्कूलों में स्मार्ट टीवी लगाने के बाद अब पढ़ाई को लेकर संपर्क डिवाइस लगाया जा रहा है, जो अब तक 1171 स्कूलों में से 425 स्कूलों में लगाया जा चुका है। संपर्क डिवाइस में कक्षा 1 से 5 तक की पुस्तकें, कहानी, कविता और सिलेबस डाला गया है। जिसके जरिये बच्चे पढ़ाई कर रहे हैं। विजुअली पढ़ाई के प्रति बच्चों की भी रुचि बढ़ी है और बच्चे उत्साह के साथ स्मार्ट टीवी के माध्यम से शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। वहीं नवोदय विद्यालय में प्रवेश के लिए भी इस डिवाइस के माध्यम से परीक्षा की तैयारी कराई जा रही है।

बच्चों को मिल रहा आधुनिक शिक्षा का लाभ : जिले के 1171 स्कूलों में प्राथमिक शाला में कक्षा 1 से 5 तक 54171 बच्चे अध्ययनरत हैं। वहीं मिडिल स्कूल में कक्षा 6 से 8 तक 37025 छात्र-छात्राएं हैं। जिसमें कुल 91196 बच्चे स्मार्ट टीवी के जरिये शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं।

शिक्षकों ने दिया योगदान : जिले के सभी 1171 स्कूलों में स्मार्ट टीवी लग चुका है। इसके लिए 80 प्रतिशत शिक्षकों ने अपनी राशि योगदान के रूप में दी।
-सतीश ब्यौहार, डीएमसी समग्र शिक्षा

हरियाणा के लिए ....

नायब सिंह सैनी इस बार करनाल की बजाय लाडवा विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे। नायब सिंह सैनी जब मार्च में हरियाणा के मुख्यमंत्री बने थे तो तब वे विधायक नहीं, बल्कि करनाल लोकसभा सीट से सांसद थे। उस समय सीएम पद से इस्तीफा देने वाले मनोहर लाल खट्टर ने करनाल विधानसभा सीट से इस्तीफा दे दिया था। सैनी इसी सीट से जीतकर विधायक बने, लेकिन इस बार पार्टी ने उन्हें करनाल विधानसभा की बजाय लाडवा से चुनाव लड़ाने का फैसला किया है।

कौन कहां से....

साढौरा (एससी) बलवंत सिंह, जगाधरी - कंवर पाल गुर्जर, यमुनानगर - घनश्याम दास अरोड़ा, रादौर - श्याम सिंह राणा, शाहबाद (एससी) - सुभाष कलसाना, थानेसर - सुभाष सुधा, पेहोवा - सरदार कमलजीत सिंह, अजराना गुहला (एससी) - कुलवंत बाजीगर, कलायत - कमलेश ढांडा, कैथल - लीला राम गुर्जर, नीलोखेड़ी (एससी) - भगवान दास कबीरपंथी, इंद्री - श्राम कुमार कश्यप, करनाल - जगमोहन आनंद, घरौंडा - हरविंदर कल्याण, पानीपत ग्रामीण - महिपाल ढांडा, पानीपत शहर - प्रमोद कुमार विज,इसराना (एससी) - कृष्ण लाल पंवार, समालखा - मनमोहन भड़ाना, खरखौदा (एससी) - पवन, सोनीपत - निखिल मदान, गोहाना - डॉ. अरविन्द शर्मा, सफीदों - राम कुमार गौतम, जीन्द - डॉ. कृष्ण लाल मिड्ढा, उचाना कलां - देवेन्द्र अत्री, टोहाना - देवेन्द्र सिंह बबली, फतेहाबाद - दुदा राम बिश्नोई, रतिया (एससी) - सुनीता दुग्गल, कालांवाली (एससी) - राजिंदर देशुजोधा, रानिया - शीशपाल कंबोज, आदमपुर - भव्य बिश्नोई, उकलाना (एससी) - अनूप धानक, हांसी - श्विनोद भयाना।

सीएम साय बोले-18 ....

इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय शर्मा और दुर्ग विधायक गजेंद्र यादव उपस्थित थे।
कांग्रेस सरकार ने नहीं दिया था राज्यांश : मुख्यमंत्री ने मीडिया से बातचीत में बताया कि पिछले 5 वर्षों में छत्तीसगढ़ के 18 लाख से अधिक गरीब परिवार प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित रह गए थे, क्योंकि तत्कालीन सरकार ने इस योजना के लिए आवश्यक राज्यांश 40 प्रतिशत जमा नहीं किया था। इस वजह से इन गरीब परिवारों का हक छीना गया था। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमारी सरकार ने 13 दिसंबर 2023 को शपथ ली और अगले ही दिन 14 दिसंबर को हमारे पहले कैबिनेट बैठक में 18 लाख प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति प्रदान कर दी गई। राज्यांश की व्यवस्था भी तुरंत की गई।

अब इस मंजूरी ...

श्री शिवराज सिंह चौहान से मांग की गई है, जिसे जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है।

18 लाख आवास ....

कि विशेष पिछड़ी जनजाति जिन्हें राष्ट्रपति के दत्तक पुत्र भी कहते हैं उनके लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा 24 हजार 64 आवास की स्वीकृति की गई है, जिनमें से कई पूर्ण हो चुके हैं। मुख्यमंत्री ने बताया कि जनवरी से लेकर अब तक 1 लाख 99 हजार प्रधानमंत्री आवासों का निर्माण किया जा चुका है और मोदी जी की गारंटी के अनुसार 18 लाख आवासों का निर्माण समयबद्ध रूप से पूरा किया जाएगा।

तीज-त्योहार पर नहीं ....

जंक्शन यार्ड को जोड़ने के लिए 5 से 17 सितंबर तक कार्य किया जाएगा। इसकी वजह रायपुर रेल मंडल से संचालित होने अथवा गुजरने वाली कई ट्रेनों की आवाजाही प्रभावित होगी। जिन चार ट्रेनों को रद्द किया जा रहा है उनके यात्रियों को अपना टिकट कैंसिल कराना होगा अथवा यात्रा पूरी करने के लिए कोई दूसरा विकल्प चुनना होगा। इसी तरह रास्ता बदलकर चलने वाली ट्रेनों के यात्रियों को भी तकलीफ उठानी पड़ेगी।

पहली बार 20 पार...

पेरिस आया था। यह लक्ष्य अब दूर नहीं है। भारतीय दल ने अब तक 22 पदक जीत लिए है। चार दिन का खेल बाकी है और चार पदक और जीतने हैं।

हरविंदर ने जीता...

और पैरालंपिक में लगातार दूसरा पदक सुनिश्चित किया। टोक्यो पैरालंपिक के कांस्य पदक विजेता नौवें वरीय हरविंदर ने दुनिया के 35वें नंबर के खिलाड़ी और छठे वरीय सिजेक को खिताबी मुकाबले में 28-24, 28-27, 29-25 से शिकस्त दी। हरविंदर इससे पहले सेमीफाइनल में ईरान के मोहम्मद रेजा अरब अमेरी को 7-3 से हराकर फाइनल में पहुंचने वाले पहले भारतीय तीरंदाज बने।

सचिन की चांदी...

प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका और मई में जापान में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले 16.30 मीटर के अपने ही एशियाई रिकॉर्ड को बेहतर किया। खिलाड़ी का रजत पेरिस में एथलेटिक्स में भारत का 11वां पदक है।

दक्षिण अफ्रीका के साथ बढ़ेगा पनडुब्बी राहत सहयोग, समझौते पर हुए हस्ताक्षर

हरिभूमि ब्यूरो.नई दिल्ली।

भारत और दक्षिण अफ्रीका की नौसेनाओं के बीच पनडुब्बी सहयोग बढ़ाने के लिए एक समझौते पर नौसेनाप्रमुख एडमिरल दिनेश कुमार त्रिपाठी और दक्षिण अफ्रीका की नौसेना के प्रमुख वाइस एडमिरल मॉंडे लोबेसे ने हस्ताक्षर किए हैं। इसके जरिए किसी भी आपात परिस्थिति या दुर्घटना में भारतीय नौसेना दक्षिण अफ्रीका की नौसना के पनडुब्बी दस्ते के चालक दल की सुरक्षा सुनिश्चित करेगी। नौसेना ने बुधवार को एक बयान में बताया कि इस समझौते को क्रियान्वयन समझौते (आईए) का नाम दिया गया है। इसके जरिए दोनों देश समुद्री सुरक्षा और आपसी सहयोग के प्रति साझा प्रतिबद्धता प्रदर्शित करेंगे।

पेज एक के शेष

बेचने पड़े गहने, 9 लाख...

शासन ने शिक्षा के क्षेत्र में छत्तीसगढ़ रत्न, साल 2020 में मुख्यमंत्री शिक्षक गौरव अलंकरण पुरस्कार से भी सम्मानित किया है। बिलासपुर शहर के सिटी कोतवाली क्षेत्र के श्रीराम प्लाजा की रहने वाली शिक्षिका ज्योति पांडेय साल 2014 में प्रधान पाठक बनकर मस्तूरी के ग्राम किरारी प्राथमिक स्कूल में पदस्थ हुईं। उस समय स्कूल भवन जर्जर था। बच्चों के बैठने के लिए भी जगह नहीं थी। स्कूल की दर्ज संख्या सिर्फ 50 ही थी। खंडहर भवन होने के कारण अभिभावक भी बच्चों को स्कूल भेजने से कतराते थे। शिक्षिका ज्योति ने इसमें सुधार के लिए सरपंच समेत दूसरे जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों से कई बार पत्राचार किया लेकिन कुछ नहीं हुआ। इसके बाद उन्होंने खुद के पैसे से स्कूल को संवारने का फैसला लिया।

जमीन पर नहीं...

आलमारी, दो अलग-अलग शौचालय,बच्चों के लिए डेस्क, गार्डन, झूले आदि की व्यवस्था है। शिक्षिका बताती हैं कि स्कूल ज्वाइन करने के समय कुछ छात्र -छात्राओं ने बड़े ही मासूमियत से पूछा था कि मैडम हम लोग कब टेबल कुर्सी में बैठकर पढ़ाई करेंगे। टाट्पट्टी अच्छी नहीं लगती। तभी से तय कर लिया था कि बच्चों के लिए कुछ बेहतर करना है। ज्ञात हो कि राज्य शासन द्वारा सभी सरकारी प्राथमिक स्कूलों के बच्चों को टाटपट्टी में बैठाने के निर्देश हैं, पर यह एकमात्र प्राथमिक स्कूल हैं जहां के बच्चे फर्नीचर पर बैठक पढ़ाई करते हैं।

चीन पर कटाक्ष, पीएम बोले- भारत...

की नहीं बल्कि विकास की नीति का समर्थन करते हैं। चीन का दक्षिण चीन सागर (एससीएस) और पूर्वी चीन सागर (ईसीएस) में कई देशों के साथ विवाद है। चीन दक्षिण चीन सागर के अधिकांश हिस्से पर अपना दावा करता है, जबकि फिलीपीन, मलेशिया, वियतनाम, ब्रुनेई और ताइवान भी इस पर अपना दावा करते हैं। मोदी ने कहा, हम इस बात पर सहमत हैं कि इस क्षेत्र में एक आचार संहिता को अंतिम रूप दिया जाना चाहिए। उन्होंने यह भी कहा कि भारत ने हमेशा आसियान (दक्षिण-पूर्वी एशियाई राष्ट्रों का संगठन) को प्राथमिकता दी है और आगे भी ऐसा करता रहेगा। ब्रुनेई की द्विपक्षीय यात्रा पर आने वाले भारत के पहले प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हम यूएनसीएलओएस (समुद्र के कानून पर संयुक्त राष्ट्र संधि) जैसे अंतरराष्ट्रीय कानूनों के तहत नौवहन और उड़ान की स्वतंत्रता का समर्थन करते हैं। दोनों नेताओं की वार्ता के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया।

आखिर दो महीने बाद डीपीएस मामले...

परिजनों ने स्कूल में टीसी के लिए आवेदन किया था। जिसमें एब्यूज शब्द का प्रयोग किया था। स्कूल की प्राचार्या उन्हें टीसी नहीं नहीं दे रही थीं। यह खबर मीडिया में आने के बाद पुलिस ने जांच करना शुरू की। टीसी के लिए स्कूल को दिए आवेदन को पढ़कर यह स्पष्ट नहीं हो पा रहा था कि परिजनों ने बच्ची से लैंगिक एब्यूज की बात लिखी है या अन्य व्यवहार होने की, ये स्पष्ट नहीं है। पुलिस ने इसी को आधार मानकर कार्रवाई की है।

स्कूल से लौटते वक्त नदी पार...

शाला तामोडी के शिक्षादूत विरेन्द्र वंजाम ने बताया कि वंदना वंजाम कक्षा पहली में अध्ययन करती थी। मंगलवार को उनके परिजन स्कूल में छोड़कर खेत चले गए थे। चार बजे स्कूल छुट्टी के बाद वंदना स्कूल के दो बड़े बच्चों के साथ अपने घर चली गई।

मुठभेड़ में मारा गया 25 लाख...

बाद इसकी समीक्षा व बड़ी वारदात को अंजाम देने के लिए एकत्रित हुए थे, जिसकी खूफिया इनपुट के बाद आपरेशन लांच किया गया था। सुरक्षाबलों ने मौके से नक्सलियों के शव के अलावा भारी मात्रा में अत्याधुनिक हथियार भी बरामद किया है। बस्तर आईजी सुंदरराज पी ने बताया कि लोहागांव-पुरंगेल-एंड्री के जंगल में हुए मुठभेड़ में मारे गए सभी 9 सशस्त्र वर्दीधारी माओवादियों की शिनाख्त कर ली गई है।
अभियान में निकले सुरक्षाबलों के जवानों को जान से मारने व हथियार लूटने की नीयत से अंधाधुंध फायरिंग की गई, पुलिस पार्टी द्वारा तत्काल पोजिशन लेकर आत्मसमर्पण के लिए आवाज दिया गया, आत्मसमर्पण की बात को नक्सलियों के द्वारा अनसुना करते हुए फायरिंग तेज कर दी गई। जिसके बाद पुलिस पार्टी के पास आत्मसुरक्षार्थ फायरिंग के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं होने पर सुरक्षा बलों द्वारा मौके पर पोजिशन लेकर जवाबी फायरिंग किया गया। इसके बाद रुक-रुककर अलग-अलग टीमों के साथ लगातार मुठभेड़ हुई। बाद खुद को घिरता देखकर नक्सली जान बचाकर घने जंगलों व पहाड़ियों की आड़ लेकर भाग गये।
टीसीओसी की समीक्षा के लिए एकजुट हुए थे माओवादी : सुरक्षाबलों द्वारा जिन नक्स्लियों को मुठभेड़ में मार गिराया, इनमें पश्चिम बस्तर व दरभा डिविजन के साथ ही पीएलजीए कम्पनी नम्बर दो के माओवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली थी। नक्सली टीसीओसी की समीक्षा व बड़ी वारदात को अंजाम देने एकत्रित हुए थे, जिसकी सूचना के बाद आपरेशन लांच किया गया था।
- **सुंदरराज पी**, आईजी, बस्तर

मुठभेड़ में मारे गए नक्सलियों...

अलावा 6 नक्सलियों पर 5-5 लाख व दो नक्सलियों पर 2-2 का इनाम घोषित था। इनमें 5 लाख की इनामी 31 नम्बर प्लाटून मेंबर कुमारी शांति, एसीएम सुशीला मड़काम, गंगी मुचाकी कटेकल्याण एरिया कमेटी मेंबर, कोसा माडवी मलांगिर एरिया कमेटी पार्टी मेंबर, ललिता डीवीसीएम सुरक्षा दलम मेंबर, कविता एओबीएसजेडसी की गार्ड के अलावा 2-2 के इनामी हिड़मे मड़कम डीवीसीएम सुरक्षा दलम मेंबर व कमलेश प्लाटून मेंबर शामिल है।

कांग्रेस का घोषणा पत्र तैयार...

को राज्यों के घोषणा पत्र समितियों से बातचीत कर एक बेहतर घोषणा पत्र को आकार देने में एआईसीसी की ओर से मदद करनी है। साथ ही चुनावों के दरम्यान कैंपेन की गतिविधियों की डिजाइन तैयार करने की जिम्मेदारी भी दोनों प्रमुख नेताओं की होगी।

नशे में धुत प्रधानपाठक...

कभी कभी शराब पी लेता है। बुधवार को उसके कुछ साथी मिल गए थे, जिन्होंने उसे शराब पिला दी इसी कारण वह नशे में है। प्रधान पाठक ने नशे में स्कूल आने की बात स्वीकार की। वहीं हद तो तब हो गई, जब मीडिया को जवाब देने के बाद प्रधान पाठक ने ने बच्चों को यह कहकर मारना शुरू कर दिया कि उन लोगों को क्यों बताया। बच्चों को मारने की खबर परिजनों को जैसे ही मिली परिजनों ने स्कूल पहुंच खूब हंगामा किया। तब परिजनों ने बताया की यह शिक्षक प्रतिदिन शराब पीकर आता है। कुछ दिनों पहले डंडे से एक बच्चे की जमकर पिटाई कर दी थी, जिससे बच्चा लहूलुहान हो गया।

देश के किसी भी बैंक...

भुगतान व्यवस्था से पूरे देश में किसी भी बैंक या किसी भी शाखा के माध्यम से पेंशन का वितरण हो सकेगा। मंत्री ने कहा, सीपीपीएस की मंजूरी कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) के आधुनिकीकरण की दिशा में मील का पत्थर है। इसके तहत पेंशनधारक देश में कहीं भी, किसी भी बैंक, किसी भी शाखा से अपनी पेंशन प्राप्त कर सकेंगे। यह पहल लंबे समय से चली आ रही पेंशधारकों की समस्याओं का समाधान करती है। यह व्यवस्था एक निर्बाध और कुशल वितरण प्रणाली सुनिश्चित करती है। उन्होंने कहा कि यह ईपीएफओ को अपने सदस्यों और पेंशनधारकों की जरूरतों को बेहतर ढंग से पूरा करने के लिए अधिक मजबूत, उत्तरदायी और तकनीक-सक्षम संगठन में बदलने के हमारे प्रयासों की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

प्रगत संगणन विकास केंद्र (सी-डैक)
(इलेक्ट्रॉनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (एमईआईटीवाई), भारत सरकार की एक प्रधान अनुसंधान एवं विकास संस्था)
सी-डैक CDAC

सी-डैक हैदराबाद, दिल्ली और हैदराबाद स्थान पर अनुबंध के आधार पर निम्नलिखित पदों के लिए बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन / मैनेजमेंट / फाइनेंस एवं अकाउंट्स/मास कम्युनिकेशन और पत्रकारिता में एमबीए/ पोस्ट ग्रेजुएशन के साथ योग्य और अनुभवी उम्मीदवारों की तलाश कर रहा है।

पोस्ट नाम	रिक्तियां
वरिष्ठ (परियोजना प्रबंधन) संबद्ध	01
परियोजना अधिकारी (परियोजना प्रबंधन, आउटरीच और सामग्री लेखन और वित्त प्रबंधन)	07

विस्तृत अधिसूचना और आवेदन करने के तरीके के लिए कृपया सी-डैक करियर पेज www.cdac.in पर जाएं।
Address: C-DAC Hyderabad, Plot No. 6 & 7, Hardware Park, Sy No. 1/1, Srisailam Highway, Pahadi Shareef Via (Keshavagiri Post) Hyderabad-501510.
नोटः इस संबंध में परिशिष्ट / आगे सूचना, यदि कोई हो, केवल सी-डैक की वेबसाइट पर अधिसूचित किया जाएगा
विज्ञापन संख्या सी-डैक (एच)/आरईसीटी नंबर 02 (2024/सितंबर)
CBC 06110/12/0005/2425

कार्यालय नगर पंचायत आमदी, जिला - धमतरी (छ.ग.)
दूरभाष / फैक्स नंबर 07722-283747 ईमेल Id-cmoamdi@gmail.com
क्र. / 891 / लोनिवि / न.प. / 2024-25 / आमदी, दिनांक 04/09/2024

मैनुअल पद्धति निविदा सूचना

नगर पंचायत आमदी द्वारा छ.ग. शासन में एकीकृत पंजीयन प्रणाली में पंजीकृत सक्षम श्रेणी के ठेकेदारों से कुल 04 कार्य कुल लागत राशि 60.13 लाख रू. हेतु त्रि लिफाफा पद्धति से प्रपत्र "अ" में सीलबंद निविदाएँ स्पीड / पंजीकृत डाक के माध्यम से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा आमंत्रण की विस्तृत जानकारी नगर पंचायत आमदी के लोकनिर्माण विभाग शाखा से प्राप्त की सकती है एवं विभागीय वेबसाईट uad.cg.gov.in (निविदा सूचना/EOI) पर भी देखी एवं डाउनलोड जा सकती है। समय सारणी निम्नानुसार है :-
1. निविदा प्रपत्र क्रय करने हेतु आवेदन की अंतिम तिथि - 20.09.2024 समय दोपहर 03:00 बजे तक।
2. निविदा प्रपत्र प्रदाय करने की अंतिम तिथि - 23.09.2024 समय दोपहर 05:30 बजे तक।
3. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 04.10.2024 समय दोपहर 03:00 बजे तक।
4. निविदा प्रपत्र खोलने की तिथि - 04.10.2024 समय दोपहर 04:00 बजे तक।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पंचायत आमदी

कार्यालय, नगर पालिक निगम, रिसाली

आम सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्रांतर्गत अवैध कॉलोनियों का नगर पालिक निगम (कॉलोनाईजर का रजिस्ट्रीकरण निर्बंधन तथा शर्त) नियम 2013 के नियम 15(क) अंतर्गत 31 जुलाई 2019 तक अस्तित्व में आयी अनाधिकृत कॉलोनियों की नियमितीकरण किये जाने हेतु अभिन्यास तैयार किया गया है, जिस हेतु संबंधित क्षेत्र के भूस्वामी/निवासियों से उक्त स्थल के तैयार अभिन्यास में आपत्ति/सुझाव दिनांक 20-09-24 तक आमंत्रित किया जाना है। उक्त प्रस्तावित कालोनियों का विवरण निम्नानुसार है :-

क्र.	स्थल/कॉलोनी का नाम	खसरा क्र.	रकबा
01	सरस्वती कुंज रिसाली	757,797,798	1.1179 हेक्टेयर

उक्त निर्धारित अवधि के भीतर अपनी आपत्ति/सुझाव लिखित रूप से कार्यालय नगर पालिक निगम रिसाली के कक्ष क्र. 09 भवन अनुज्ञा शाखा में भवन निर्माण अधिकारी के समक्ष प्रस्तुत करेंगे। उक्त निर्धारित अवधि के उपरान्त प्राप्त होने वाले आपत्ति/सुझाव पर विचार नहीं किया जावेगा।

आयुक्त
नगर पालिक निगम, रिसाली

कार्यालय नगर पालिका परिषद कुम्हारी, जिला-दुर्ग (छ.ग.)
-:: ई-प्रोक्योरमेंट द्वितीय निविदा सूचना (रिस्क एण्ड कास्ट) ::-
क्रं./ 986/लो.क.वि./न.पा./2024 कुम्हारी, दिनांक 02/09/2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती हैं :-

सिस्टम टेण्डर नम्बर	कार्य का नाम	अनु.ला. (लाख में)	निविदा डालने की अंतिम तिथि
158227	जंजगिरी में 450 के.एल. क्षमता का ओव्हर हेड टेंक निर्माण कार्य का शेष कार्य।	31.63	19.09.2024
158228	कुगदा में 350 के.एल. क्षमता का ओव्हर हेड टेंक निर्माण कार्य का शेष कार्य।	27.10	19.09.2024

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्ते, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति, निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल eproc.cgstate.gov.in से डाउनलोड की जा सकती हैं।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर पालिका परिषद कुम्हारी

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे
खानपान इकाई निविदा क्रमांक- E-Auction Catalogue No. CAT- BSP-24
बिलासपुर मंडल के कोतमा, चंदिया रोड, करगी रोड, घुटकू, ब्रजराजनगर, नौरोजाबाद, कटोरा, बिरसिंगपुर, बिश्रामपुर, खोंगसरा, झलवारा और भनवारटंक रेलवे स्टेशनों पर कैटरिंग इकाईयों के अनुबंध के लिए ई-नीलामी आमंत्रित की गई है। कैटेलॉग पहले ही आईआरईपीएस वेबसाइट (https://ireps.gov.in) पर दिनांक 22.08.2024 को प्रकाशित की जा चुका है। विवरण इस प्रकार है।

कैटेलॉग नं.	कोटि	नीलामी दिनांक और समय	लॉट क्रमांक	लॉट विवरण	अनुबंध की अवधि
CAT-BSP-24	खानपान - सामान्य लघु इकाई (जीएमयू)	07.09.24 15:00	Catg-BSP-KTMA-GMU-65-23-1	कोतमा रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS/170/KTMA/PF-2/3. अनारक्षित (सभी के लिए)	1826 दिन
		07.09.24 15:10	Catg-BSP CHD-GMU-74-23-1	चंदिया रोड रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS/205/CHD/PF-2/3. आरक्षित	
		07.09.24 15:20	Catg-BSP-KGB-GMU-60-23-1	करगी रोड रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS/159/KGB/PF-01. आरक्षित	
		07.09.24 15:30	Catg-BSP-GTK-GMU-78-23-1	घुटकू रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS/212/GTK/PF-01. आरक्षित	
		07.09.24 15:40	Catg-BSP-BRJN GMU-58-22-1	ब्रजराजनगर रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS/139/BRJN/PF-2/3. अनारक्षित (सभी के लिए)	
		07.09.24 15:50	Catg-BSP-NRZB-GMU-67-23-1	नौरोजाबाद रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS/177/NRZB/PF-01. अनारक्षित (सभी के लिए)	
		07.09.24 16:00	Catg-BSP-KTO GMU-90-23-2	कटोरा रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS/230/KTO/PF-01. आरक्षित	
		07.09.24 16:10	Catg-BSP-BRS-GMU-186-23-1	बिरसिंगपुर रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS/129/BRS/PF-1. अनारक्षित (सभी के लिए)	
		07.09.24 16:20	Catg-BSP-BSPR-GMU-57-23-2	बिश्रामपुर रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS/133/BSPR/PF-01. आरक्षित	
		07.09.24 16:30	Catg-BSP-KGS-GMU-184-23-1	खोंगसरा रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS/235/KGS/PF-1. आरक्षित	
		07.09.24 16:40	Catg-BSP-JLW-GMU-84-23-1	झालवारा रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS/221/JLW/PF-01. आरक्षित	
		07.09.24 16:50	Catg-BSP-BHTK-GMU-70-23-1	भनवारटंक रेलवे स्टेशन (बिलासपुर मंडल) पर टी स्टाल का लॉट TS/198/BHTK/PF-01. आरक्षित	

सीपीआर/10/211 सहायक वाणिज्य प्रबंधक, द.पू.म.रेलवे, बिलासपुर

राशिफल

मेष — मानसिक शान्ति रहेगी, परन्तु बातचीत में सन्तुलित रहें। परिवार में धार्मिक कार्य हो सकते हैं। वस्त्रों पर खर्च बढ़ेंगे। सुस्वादु खानपान में रुचि रहेगी।

वृष — परिवार का साथ मिलेगा। शैक्षिक कार्यों में सफलता मिलेगी। किसी मित्र के सहयोग से आय में वृद्धि हो सकती है। यात्रा पर जाना हो सकता है।

मिथुन — आत्मविश्वास से लबरेज रहेंगे। तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। कार्यभार में वृद्धि होगी। वाहन सुख में वृद्धि भी हो सकती है। व्यर्थ की चिंता बढ़ सकती हैं।

कर्क — क्रोध के अतिरेक से बचें। शैक्षिक कार्यों कार्यों में सफलता मिलेगी। भाइयों का सहयोग मिलेगा। संयत रहें।

सिंह — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। मन प्रसन्न भी रहेगा, परन्तु सन्तान के स्वास्थ्य से मन परेशान भी हो सकता है। किसी अज्ञात भय से परेशान हो सकते हैं।

कन्या — आत्मविश्वास में कमी रहेगी। कारोबार में कठिनाइयां आ सकती हैं। स्वास्थ्य का ध्यान भी रखें। भागदौड़ अधिक रहेगी। खर्चों की अधिकता रहेगी।

तुला — किसी मित्र के सहयोग से कारोबार में परिवर्तन के अवसर मिल सकते हैं। सेहत का ध्यान रखें। कार्यक्षेत्र में सफलता मिलेगी।

वृश्चिक — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार पर ध्यान रखें। कारोबारी कार्यों में कठिनाइयां आ सकती है।

धनु — आत्मविश्वास तो बहुत रहेगा, परन्तु धैर्यशीलता में कमी रहेगी। संयत रहें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें। व्यर्थ की परेशानी बढ़ सकती हैं।

मकर — क्रोध के अतिरेक से बचें। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। कारोबार में परिवर्तन के योग बन रहे हैं। शैक्षिक कार्यों में मनचाही सफलता मिलेगी।

कुंभ — आत्मविश्वास भरपूर रहेगा, परन्तु आत्मसंयत भी रहें। मानसिक शान्ति के लिए प्रयास करें। जीवनसाथी का साथ मिलेगा। कारोबार में वृद्धि होगी।

मीन — मन में उतार-चढ़ाव रहेंगे। पठन-पाठन में रुचि रहेगी, परन्तु शैक्षिक कार्यों में व्यवधान आ सकते हैं। परिवार के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। खर्चों की अधिकता रहेगी।

शब्द पहेली - 5623

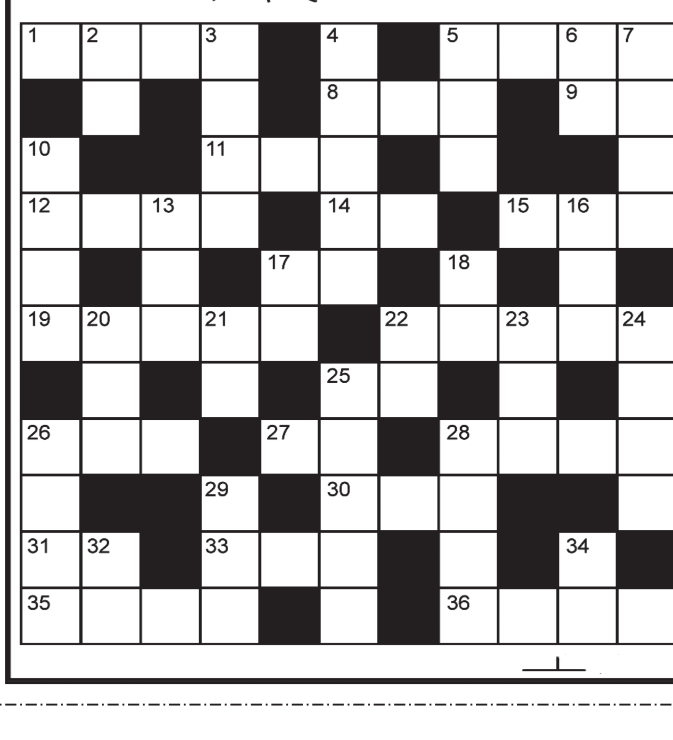

बाएँ से दाए-
1. फिसलना-4
5. गुनाह, जुर्म-4
8. नाव चलानेवाला-3
9. लड़ी, श्रंखला -2
11. ईर्ष्या, डाह-3
12. उद्देश्य, वजह-4
14. भोजन-2
15. थकावट-3
17. जी, चित-2
19. मंत्र पढ़ना-2,3
22. राजपुत्र, राज कुंवर-2,3
25. यात्रा करनेवाला-2
26. समझौता, संधि-3
27. ईसाई साध्वी-2
28. मनमुटाव-4
30. नौकर-3
31. बदला-2
33. गर्भ, कोख-3
35. रुआफ-4
36. सज्जनता-4

ऊपर से नीचे
2. लम्हा, क्षण-2
3. नामित, मनोनीत-4
4. रनिवास, हरम-5
5. बुद्धि-3
6. गोंद, लाख-2
7. हृदयगति, स्पंदन- 4
10. विम्मी व सुनील दत्त की फिल्म-4
13. शिक्षा, पाठ-3
16. कालिख, कालापन-3
17. इंकार, मनाही-2
18. झंडा, पताका-2
20. चौकसी, रखवाली-3
21. मोटा आटा, सूजी -2
22. निशा, रात-2
23. अच्छे कुल का-3
24. प्रस्थान, विदा-4
25. यान चलाने वाला-2,3
26. सुंदरी, षोडशी, कुमारी-4
28. प्रार्थना, मनोकामना-4
29. गरल, विष-3
32. ताला (अंग्रेजी-2)
34. पात्र, थापा, संचक, डाई -2

शब्द पहेली -5622 का हल

सूडोकु नवताल- 5634

★★★ मध्यम

4			9		6	1		8
6	8							
	1	7	3	8		4		
3	4		6		7			9
5		1	8			2		7
2			5		1		8	4
		3		7	5	8	6	
							9	5
7		6	2		8			1

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल- 5633 का हल

2	9	8	3	5	6	1	7	4
4	5	3	2	1	7	9	8	6
7	1	6	4	8	9	2	5	3
8	2	5	6	9	1	3	4	7
3	6	4	7	2	5	8	1	9
1	7	9	8	3	4	5	6	2
5	4	1	9	7	2	6	3	8
6	3	2	1	4	8	7	9	5
9	8	7	5	6	3	4	2	1

डॉक्टर सजेशन

डॉ. आर. पी. सिंह सीनियर फिजिशियन, एनसीआर

बढ़ती उम्र में जब अकसर हो
जोड़ों में दर्द और जकड़न

मेरी उम्र 66 वर्ष है। सुबह सोकर उठते समय घुटनों में और शरीर के अन्य जोड़ों में दर्द-जकड़न महसूस होती है। देर तक बैठने के बाद उठने पर भी ऐसा होता है। क्या यह अर्थराइटिस का लक्षण है? मुझे क्या करना चाहिए?

-अजीत, बिलासपुर

यह समस्या आपको इस मौसम में हो रही है या पूरे साल रहती है? क्योंकि कई बार बारिश के मौसम में इस तरह की समस्या देखी जाती है और एक बार मूवमेंट शुरू होने पर ठीक हो जाता है। अगर पूरे साल ऐसी समस्या होती है तो जरूर आपको एक बार हड्डी रोग विशेषज्ञ से संपर्क करना चाहिए। क्योंकि मौजूदा लाइफस्टाइल में विटामिन डी और कैल्शियम की कमी कई लोगों में देखी जा रही है। आपकी उम्र भी बढ़ रही है इसलिए बेहतर होगा कि आप एक बार डॉक्टर से संपर्क कर जांच करवा लें।

मेरी उम्र 34 वर्ष है। बाकी मौसमों की तुलना में बरसात के मौसम में मेरे बाल बहुत अधिक झड़ने लगते हैं। कृपया इस प्रॉब्लम का सॉल्यूशन बताएं।

-स्वप्निल, रायपुर

बारिश के महीने में बाल झड़ने के कई कारण होते हैं। पहले इस मौसम में कई बार पानी खराब यानी दूषित आता है, जिससे बाल झड़ते हैं। दूसरा, बालों में नमी रहती है, बाल जल्दी सूखते नहीं हैं और इस वजह से भी बाल झड़ने की समस्या आती है। इसलिए कोशिश करें कि आप बाल साफ पानी से ही धोएं और जब बाल काढ़ें तो पूरी तरह से सूख चुके हों। नमी वाले बालों को कभी ना खींचें।

मेरी उम्र 44 वर्ष है। घर से बाहर निकलने पर मेरी आंखों में पानी आने लगता है, ईचिंग होती है। कभी-कभी आंखों में सूजन भी आ जाती है। कृपया मेरी इस समस्या का समाधान बताएं।

-दुर्गेश, रोहतक

आपकी समस्या सुनकर ऐसा लग रहा है कि आप जहां रहते हैं, वहां पॉल्यूशन अधिक है। इसलिए जब आप घर से बाहर निकलते हैं तो आंखों में ईचिंग और आंसू निकलना शुरू हो जाते हैं। इसके लिए कोशिश करें कि जब आप घर से बाहर निकलें तो आंखों में चश्मा जरूर पहनें, जिससे पॉल्यूशन अंदर ना जाए। इसके साथ ही डॉक्टर से संपर्क कर आंखों की ड्रॉप ले लें और ईचिंग होने पर उसे डालें।

मेरी उम्र 58 वर्ष है। मुझे भूख बहुत कम लगती है। कुछ भी खाने के बाद खट्टी डकारें आने लगती हैं। कभी-कभी पेट में दर्द भी होने लगता है। ऐसे में मुझे क्या करना चाहिए, कृपया सलाह दें।

-महेंद्रनाथ, बस्तर

भूख कम लगने के कई कारण हो सकते हैं। सामान्य तौर पर पाचन क्रिया ठीक से काम ना करने की वजह से इस तरह की समस्या देखी जाती है। पहले आप अपना खान-पान ठीक करें। दोपहर में खाने के साथ सलाद, छाछ या दही जरूर लें और रात में हल्का खाना खाएं। इस तरह आपको समस्या से राहत मिल जाएगी। अधिक तला-भुना और ऑयली खाना भी बंद कर दें।

मेरी उम्र 37 वर्ष है। दो साल पहले मेरे गाल ब्लैडर में स्टोन डिटेक्ट हुआ। कभी-कभार पेट में दर्द होता है, दवा खाने पर ठीक हो जाता है। प्लीज बताएं क्या ऑपरेशन कराना जरूरी है या दवा से कंट्रोल रहेगा?

-रोहित, भोपाल

स्टोन ऑपरेशन से निकलेगी या बगैर ऑपरेशन के निकलेगी, यह उसके साइज पर डिपेंड करता है। अगर साइज छोटा है तो दवा से निकल सकता है लेकिन अगर साइज बड़ा है तो आपको ऑपरेशन ही कराना पड़ेगा।

मेरी उम्र 61 वर्ष है। मेरा बीपी कभी हाई कभी लो होता रहता है। इस वजह से कोई फिक्स दवा रेग्युलर नहीं खा पाता हूं। बीपी कंट्रोल करने के लिए मुझे क्या करना चाहिए?

-जयकिशन, जांजगीर चांपा

इस तरह की समस्या होने पर बीपी को नियमित रूप में जांचते रहें। घर पर आप बीपी मशीन रख लें और रोज सुबह-शाम चेक करें। उसी के अनुसार आपको दवा लेनी चाहिए। इसके साथ ही आप संतुलित आहार लें, योग-प्राणायाम करें और भरपूर नींद लें। इससे आपको समस्या से राहत मिलेगी। *

प्रस्तुतिः रिचा पांडे

पाठक अपनी हेल्थ प्रॉब्लम्स से संबंधित सवाल sehatharibhoomi@gmail.com पर ई-मेल कर सकते हैं।

अवेयरनेस

विवेक शुक्ला

विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार 8 लाख लोगों की मौतें प्रतिवर्ष दुनिया भर में आत्महत्याओं के कारण होती हैं। ऐसे में वर्ल्ड साइकिएट्रिक एसोसिएशन की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि इतनी जानें तो दुनिया भर में प्रतिवर्ष होने वाली विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं और आतंकवादी घटनाओं में भी नहीं जाती हैं। इस स्थिति को काफी हद तक कम किया जा सकता है, अगर हम आत्महत्या की अंधी सुरंग में जा रहे, लोगों को यह दिलासा दिला सकें कि हम तुम्हारे साथ हैं।

एक बड़ा कारण डिप्रेशन

विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट का आकलन है कि दुनिया भर में 300 मिलियन (30 करोड़) से अधिक लोग अवसाद (डिप्रेशन) के शिकार हैं। 4.5% आबादी देश में भी डिप्रेशन से जूझ रही है। महर्षि यूरोपियन रिसर्च यूनिवर्सिटी, नीदरलैंड्स द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, डिप्रेशन, आत्महत्या के एक बड़े कारण में शुमार है। अपनी जान को नुकसान पहुंचाने के मामलों में डिप्रेशन मुख्य भूमिका निभाता है। एक बड़ी संख्या में लोग दुनिया भर में डिप्रेशन के कारण ही आत्महत्या करते हैं।

तनाव भी है बड़ी वजह

यूरोपियन साइकिएट्रिक एसोसिएशन द्वारा किए गए एक अध्ययन के अनुसार, जिन लोगों के दिलो-दिमाग पर तनाव हावी हो जाता है और जो मनोचिकित्सक या विशेषज्ञ डॉक्टर के परामर्श पर अमल नहीं करते, तो इस स्थिति में ऐसे लोग नकारात्मक विचारों से घिर जाते हैं। उन्हें लगता है कि उनकी दुनिया अंधेरे में जा चुकी है, जिससे निकलने का कोई रास्ता नहीं है। इस तरह की मनोदशा कालांतर में आत्महत्या का कारण बन सकती है।

अन्य कारकों का दुष्प्रभावः कुछ मनोरोग जैसे बाइपोलर डिसऑर्डर, सिजोफ्रेनिया आदि के अलावा मादक पदार्थों की एक अरसे से जारी लत भी खुद की जान लेने के जोखिम को बढ़ा सकती है। इसके अलावा किसी क्षेत्र में असफल रहना और उस असफलता को बर्दाश्त ना कर पाना भी आत्महत्या का कारण बन सकता है। वहीं संबंधों में विच्छेद से एक बड़ी संख्या में लोगों को भावनात्मक झटका लगता है, जिसे अनेक लोग सहन नहीं कर पाते। इसके अलावा पारिवारिक और व्यवसाय से संबंधित जिम्मेदारियों का बोझ और आर्थिक स्थिति बिगड़ना आदि ऐसे कारण हैं, जो खुद की जान को नुकसान पहुंचाने के लिए उकसाते हैं।

स्पेशलः वर्ल्ड सुसाइड प्रिवेंशन-डे, 10 सितंबर

दुनिया भर में हर साल कई लाख लोग अपनी जिंदगी की जंग हारकर मौत को गले लगा लेते हैं। खुद की जान को खत्म करने वाले लोगों की संख्या में इजाफा होना परिवार, समाज और सरकार तीनों के ही लिए अत्यंत गंभीर मुद्दा है। ऐसे में जरूरी है कि इसके कारणों को पहचाना जाए और इसे रोकने के लिए पारिवारिक, सामाजिक और सरकारी स्तर पर प्रयास किए जाएं।

किसी भी परिस्थिति में ना हों
जिंदगी से हताश-निराश

इन लक्षणों पर दें ध्यान

- निराशावादी बातें करना यानी दूसरों के समक्ष इस तरह की बातें कहना कि अब जिंदगी जीने का मकसद नहीं रह गया है।
- सामाजिक मेल-मिलाप से कतराना।
- हमेशा अकेलेपन का एहसास होना।
- हमेशा अपने-आप में गुमसुम रहना।
- स्वभाव में अचानक परिवर्तन यानी जो व्यक्ति अकसर खुशमिजाज रहता हो, वह हमेशा उदास रहने लगे।
- समय पर खाना ना खाना, यानी भूख कम महसूस होना।
- नींद पूरी ना ले पाना, अनिद्रा से ग्रस्त होना।
- किसी कारण के बिना खुद को जोखिम में डालने वाले कार्य करना। उदाहरण स्वरूप लापरवाही से वाहन चलाना आदि।
- आत्महत्या का प्रयास करने वाले कुछ ऐसे भी लोग होते हैं, जो उपरोक्त संकेत नहीं देते और अपनी बात को मन में दबाए रखते हैं।

कारगर उपचार पद्धतियां

इलेक्ट्रो केनवल्सिव थेरेपीः इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के अनुसार ईसीटी, डिप्रेशन समेत अन्य मनोरोगों को दूर करने की एक विशिष्ट चिकित्सा विधि है, जिसके अच्छे नतीजे सामने आ रहे हैं। इस विधि के अंतर्गत नियंत्रित विद्युत तरंगों के जरिए 'ब्रेन केमिस्ट्री' को प्रभावित किया जाता है। इसके जरिए मस्तिष्क में आने वाले आत्मघाती विचारों को सकारात्मक विचारों में तब्दील करने में मदद मिलती है।

एंटीडिप्रेसेंट टैब्लेट्सः मनोचिकित्सक पीड़ित व्यक्ति को लगभग 2 से 3 हफ्ते तक एंटीडिप्रेशेंट दवाएं लेने का परामर्श देते हैं।

साइकोथेरेपीः इस थेरेपी में मनोचिकित्सक मरीज के साथ संवाद स्थापित करते हैं और उसके परिजनों को भी सुझाव देते हैं।

ऐसे करें बचाव

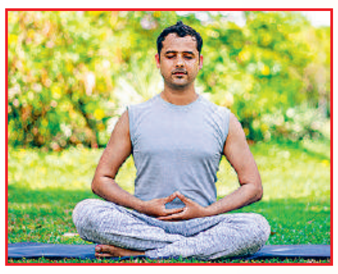

सामाजिक बनेंः मेडिकल जर्नल 'द लैंसेट' में प्रकाशित एक अध्ययन के अनुसार जो लोग समाज में मिलते-जुलते रहते हैं और जिंदगी में रिश्तों को अहमियत देते हैं, उनमें आत्महत्या से संबंधित विचारों के पनपने की आशंकाएं काफी हद तक कम हो जाती हैं।

डॉक्टर से कंसल्ट करेंः अमेरिकन साइकिएट्रिक एसोसिएशन के अनुसार दुनिया में मानसिक समस्याओं से पीड़ित लगभग 65% से अधिक लोग दूसरों से मदद लेने में हिचकिचाते हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि उन्हें लगता है कि अगर मैं किसी अन्य व्यक्ति को अपनी परेशानी बताऊंगा तो वे सब मेरी आलोचना करेंगे। ऐसे लोगों की गलत धारणा को दूर करने में डॉक्टर (मनोचिकित्सक) की हेल्प लेनी चाहिए।

आशावादी बनेंः ईश्वर पर गहन विश्वास रखने से व्यक्तियों में चिंताओं, तनावों और पीड़ाओं से लड़ने का माद्दा विकसित होने में मदद मिल सकती है। ऐसा विश्वास व्यक्ति को निराशावादी से आशावादी बना सकता है। जो व्यक्ति आशावादी है, वह आत्महत्या करने का प्रयास नहीं करता है।

हॉबी विकसित करेंः अगर आपकी संगीत, पेंटिंग या डांसिंग किसी में भी रुचि है तो इसके लिए डेली कुछ समय जरूर निकालें।

रोज योगासन करेंः विभिन्न योगासन, प्राणायाम और विशेषकर ध्यान या मेडिटेशन मन की अशांति को दूर करने का एक सशक्त माध्यम है।

फैमिली मेंबर्स भी रखें इन बातों का ध्यान

इंडियन साइकिएट्रिक सोसायटी के विशेषज्ञों के अनुसार बेहतर करियर के लिए पढ़ाई का दबाव और अभिभावकों का अपने बच्चों से बड़ी-बड़ी उम्मीदें संजोना, किशोर और युवाओं को तनावग्रस्त बनाता है। यह स्थिति कालांतर में डिप्रेशन और कुछ मनोरोगों के जरिए आत्महत्या का कारण बन सकती है। इससे बचने के लिए अभिभावकों को अपने बच्चों पर इस बात की नजर रखनी चाहिए कि उनके स्वभाव में नकारात्मक परिवर्तन तो नहीं हो रहे। अगर ऐसा है, तो फिर उन्हें मनोचिकित्सक के पास ले जाएं। *

(तुलसी हेल्थकेयर, नई दिल्ली के वरिष्ठ मनोचिकित्सक डॉ. गौरव गुप्ता से बातचीत पर आधारित)

हेल्थ टिप्स

कई बीमारियों को दूर भगाए
सहजन का पेड़

सहजन, जिसे मोरिंगा या ड्रमस्टिक भी कहा जाता है। सहजन के पेड़ को बीमारियां दूर करने वाला पेड़ माना जाता है। इसीलिए आयुर्वेद में सहजन के पेड़ को काफी महत्व दिया गया है। इसके फल, फूल, बीज और जड़ सभी पोषक तत्वों से भरपूर होते हैं। लेकिन इसकी पत्तियों का सेवन सबसे ज्यादा सेहतमंद माना जाता है। एनसीबीआई की रिपोर्ट के अनुसार, सहजन की पत्तियां विटामिन (ए, सी और ई), खनिज (कैल्शियम, पोटेशियम और आयरन) समेत आवश्यक अमीनो एसिड्स का एक पावर हाउस है। सहजन क्वेरसेटिन, क्लोरोजेनिक एसिड और बीटा-कैरोटीन जैसे एंटीऑक्सीडेंट्स से भरा होता है। इन गुणों के कारण सहजन की पत्तियों के सेवन से आयु को कम करने वाली छः बीमारियां आस-पास नहीं फटकती हैं। नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार, सहजन की पत्तियों के सेवन से नॉन एल्कोहलिक फैटी लिवर से बचा जा सकता है। इसमें मौजूद पोषक तत्व लिवर के सूजन को कम करते हैं। सहजन की पत्तियों का सेवन कर लिवर को डैमेज होने से बचाया जा सकता है। सहजन की पत्तियों में पाया जाने वाला एंटीऑक्सीडेंट क्वेरसेटिन ब्लड प्रेशर को कम करने में मदद करता है। इसकी पत्तियों में पोटेशियम भी होता है, जो धमनियों में ब्लड के सर्कुलेशन को आसान बनाता है। सहजन के पत्तों में इंसुलिन की तरह एक पदार्थ मौजूद होता है, जो बढ़े ब्लड शुगर को नियंत्रित करने में मदद करता है। सहजन में मौजूद फाइबर भी ब्लड में शुगर के अवशोषण को धीमा कर देता है, जिससे डायबिटीज होने की संभावना कम हो जाती है। सहजन में फाइबर और एंटीऑक्सीडेंट्स होते हैं, जो खून में बैड कोलेस्ट्रॉल यानी एलडीएल के लेवल को कम करने में मदद करते हैं। इससे ब्लॉकेज से स्ट्रोक और हार्ट अटैक का खतरा कम हो जाता है। सहजन के पत्तों में पाया जाने वाला फाइबर पाचन क्रिया को सुधारने और कब्ज से राहत देने में उपयोगी होता है। इसकी पत्तियों में मौजूद एंटी-इंफ्लेमेटरी गुणों के कारण पाचन संबंधी समस्याओं का समाधान होता है। फाइबर और प्रोटीन की मौजूदगी के कारण भूख को नियंत्रित करने में आसानी होती है। सहजन की पत्तियों में मौजूद क्लोरोफिल भी शरीर के वजन को कम करने में सहायक होता है। *

प्रस्तुतिःअजेश कुमार

सजेशन

राजकुमार 'दिनकर'

हालांकि सामान्य घरों की डेली डाइट में रोटी जरूर शामिल होती है। लेकिन इसे केवल भूख मिटाने वाला भोज्य पदार्थ ही नहीं मानना चाहिए। ये अत्यंत पोषक और स्वास्थ्यवर्धक भी होती हैं। इनके गुणों के बारे में आपको जरूर जानना चाहिए।

डेली डाइट में शामिल करें
पौष्टिक-लाभकारी रोटियां

यह सही है कि हमारे देश में अलग-अलग प्रांतों में पैदा होने वाले अनाज के अनुसार ही लोगों के भोजन की परंपरा बनी है। जिन राज्यों में चावल ज्यादा पैदा होता है, वहां चावल ज्यादा खाया जाता है। वहां चावल से ही अलग-अलग तरह के व्यंजन बनाए जाते हैं। ठीक इसी तरह जिन राज्यों में गेहूं का उत्पादन ज्यादा होता है, वहां रोटी ही उनके भोजन का मुख्य अंग होती है। चावल हो या रोटी, हमारे भोजन को दोनों ही पूर्णता प्रदान करते हैं। लेकिन रोटी खाने का अलग ही मजा है, साथ ही यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी बहुत लाभकारी होती है।

होते हैं कई पोषक तत्वः रोटी हमारे आहार को पूर्ण बनाती है। इसमें कई पोषक तत्व जैसे- प्रोटीन, कार्बोहाइड्रेट, वसा, कैलोरी होती है, जो हमारे मेटाबॉलिज्म को बेहतर बनाते हैं। यह कोलेस्ट्रॉल, हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करके हृदय रोग से बचाती है। रोटी में जिंक, फोलिक एसिड पाया जाता है, जिससे हमारे हृदय की सेहत अच्छी रहती है। गेहूं के अलावा ज्वार, बाजरा, रागी और मक्का जैसे मोटे अनाजों की रोटी के भी बहुत फायदे हैं।

रोटी खाएं तो रखें ध्यानः रोटी खाने के अनेक फायदे हैं तो लापरवाही बरतने पर कुछ नुकसान भी हो सकते हैं। जैसे इनमें मौजूद कार्बोहाइड्रेट से ब्लड प्रेशर वाले मरीजों को दिक्कत बढ़ सकती है। अगर रोटी खाने पर नियंत्रण नहीं रखेंगे तो इससे वजन भी बढ़ सकता है। बहरहाल, दिनभर में एक आदमी के लिए दो से चार रोटियां काफी होती हैं।

कैसा हो आपका आटाः अब सवाल पैदा होता है कि जो रोटी हम खा रहे हैं, क्या वो वाकई पौष्टिक है? क्योंकि हम जिस आटे से रोटी बनाते हैं, वह आटा कैसा है, यह इस पर भी निर्भर करता है। जहां तक हो सके गेहूं, स्वयं पिसवाना चाहिए और गेहूं के आटे की रोटी बनाते समय उसमें चोकर को नहीं निकालना चाहिए। क्योंकि गेहूं की रोटी में मौजूद फाइबर हमारी पाचनक्रिया को दुरुस्त रखता है। बाजार से पैक्ड आटा खरीदने की बजाय चक्की में पिसा मोटा आटा खाएं। आजकल तो आटे में मिलावट भी काफी मात्रा में होती है, इसलिए घरेलू चक्की में पिसा आटा इसका एक बेहतर विकल्प हो सकता है। आजकल बाजार में कई किस्म के मल्टीग्रेन आटे मिलते हैं, जिसकी रोटी को स्वास्थ्यवर्धक और पौष्टिक माना जाता है। हालांकि कुछ आहार विशेषज्ञों का तो यह मानना है कि अलग अलग तरह के अनाजों को मिलाकर बनाया गया यह मल्टीग्रेन आटा खाने की बजाय मोटे अनाजों के अलग-अलग आटे खाने चाहिए, वो हमारे स्वास्थ्य के लिए ज्यादा फायदेमंद हैं। चने के बेसन की रोटी में भी पोषक तत्व भरपूर मात्रा में होते हैं। इसकी बनी रोटी हमारे पाचनतंत्र को मजबूत रखती है। यह वजन कम करने में सहायक होती है, क्योंकि इसमें भरपूर मात्रा में कैलोरीज होती हैं।

रखें ध्यानः यूं तो हमें तवे से उतरी गर्मा-गर्म रोटी खाना सबसे ज्यादा पसंद होता है और लोग बासी रोटी को अकसर फेंक देते हैं। लेकिन क्या आपको पता है कि बासी रोटी हमारी रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है? पाचनतंत्र से जुड़ी समस्याओं को कम करती है। वजन घटाने में सहायक होती है, क्योंकि इसमें ताजी रोटी की तुलना में कम कैलोरीज होती हैं। यह ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने के

साथ-साथ हमारी मांसपेशियों को भी मजबूत बनाती है। इसलिए रोटी अगर बच जाए तो कुछ घंटे के बाद भी बेधड़क इसे खाया जा सकता है। इसे ज्यादा स्वादिष्ट बनाने के फेर में ना रहें। इसे घी या दूसरे मसालों के साथ फ्राई करके खाने से इसके सारे गुण नष्ट हो जाते हैं। हालांकि यह ध्यान रखें कि गर्मी और बारिश के दिनों में 7-8 घंटे से अधिक बासी रोटी ना खाएं। *

हेल्थ एडवाइस

संध्या रानी

अस्त-व्यस्त जीवनशैली और कम फिजिकल एक्टिविटीज की वजह से लोग अकसर शारीरिक दर्द से परेशान रहते हैं। कई बार मौसम में बदलाव या किसी पोषक तत्व की कमी भी इसकी वजह हो सकती है। इनकी क्या वजहें हैं और इनसे कैसे करें अपना बचाव, डिटेल में जानिए।

जब शरीर को दर्द सताए
घरेलू उपाय से राहत पाएं

जब हाथ, पैर, कमर या पीठ में असहनीय दर्द होने लगता है तब यही लगता है कि इससे कैसे भी जल्दी से छुटकारा मिले। वैसे देखा जाए तो आजकल कमर, पीठ या हाथ, पैरों का दर्द अधिकांश लोगों के जीवन का एक हिस्सा बन गया है। इससे राहत पाने के लिए अगर आप अपनी जीवनशैली में कुछ बातों का ध्यान रखें तो दर्द से भी बचाव कर सकते हैं और अपनी शारीरिक कमजोरी को भी दूर कर सकते हैं। इसके लिए हमारे भोजन में भारतीय किचेन में उपयोग किए जाने वाले मसालों का बहुत बड़ा योगदान है। अब तो दूसरे देशों के लोग भी इसकी विशेषता को मानने लगे हैं।

शारीरिक दर्द के कारणः वैसे तो शारीरिक दर्द होने के कई कारण हो सकते हैं। लेकिन आयुर्वेद के अनुसार यदि हमारे शरीर के किसी भी अंग में दर्द होता है तो वहां मुख्यतः वात का प्रकोप जरूर होता है। वैसे तो शरीर में कैल्शियम, विटामिन बी 12, विटामिन डी की कमी, थाइरॉयड और कुछ दूसरी बीमारियों के कारण, खून की कमी के कारण या चोट लगने की वजह से भी किसी अंग में दर्द हो सकता है। इतना ही नहीं, दर्द होने के अन्य कारण भी हो सकते हैं, जैसे कि ठीक से ना बैठना, अधिक देर तक खड़े होना, सही अवस्था में नहीं सोना भी इन कारणों में शमिल हैं। अब तो हालात यह हो गए हैं कि कमर दर्द की तकलीफ, किसी भी उम्र में हो सकती है। इसके लिए हमारा लाइफस्टाइल भी बहुत हद तक जिम्मेदार है। आजकल के जमाने में लोग ज्यादा आरामतलब जीवन जीना पसंद करते हैं, जैसे कि अधिक देर तक सोना, एक्सरसाइज या योगासन ना करना, रात में समय पर ना सोना, वातवर्धक और गरिष्ठ भोजन करना आदि। इन आदतों से भी दर्द की समस्या होती है।

बचाव के उपायः इस तरह के विभिन्न शारीरिक दर्दों से बचाव के लिए जरूरी है कि अपनी शारीरिक गतिविधियों का ध्यान रखें। एक ही जगह पर बहुत देर तक ना बैठें। अगर बहुत देर तक बैठना ही जरूरी है तो थोड़ी-थोड़ी देर में उठकर कुछ मिनट टहल लें। इससे मसल्स को रिलैक्स होने में मदद मिलती है।

दर्द निवारण के उपायः शारीरिक दर्द का निवारण करने के लिए आपके शरीर में जिन तत्वों की कमी है, उन कमियों को दूर करें। अगर आपके शरीर में विभिन्न प्रकार के विटामिंस और कैल्शियम की कमी है तो सबसे पहले उसे पूरा करें। इसके लिए पौष्टिक भोजन करें और डॉक्टर से पूछकर फूड सप्लीमेंट्स या विटामिन टैबलेट्स ले सकते हैं।

पौष्टिक भोजन का सेवन करेंः यह ध्यान रखें कि हमेशा हल्का और सुपाच्य भोजन ही करें। इसके साथ ही आवश्यकतानुसार दूध, घी और मक्खन का भी सेवन करें। जहां तक हो सके अपने भोजन में गरिष्ठ और वातवर्धक चीजों को शमिल ना करें। सदैव अपने भोजन में वात शामक द्रव्यों का ही उपयोग करें।

कई मसाले हैं कारगरः हमारे घर की रसोई में अनेक ऐसे मसाले होते हैं, जो हमारे स्वास्थ्य के लिए बहुत फायदेमंद होते हैं। जब हम अपने भोजन में इन मसालों का उपयोग करते हैं तो इससे हमें खाने में रुचि जगती है और साथ ही साथ वात, पित्त, कफ आदि दोषों को भी नियंत्रित किया जा सकता है। यदि आप उचित मात्रा में घी, दूध के अलावा मसालों में मेथी, हींग, करी पत्ता, राई, हल्दी, जीरा, धनिया, सौंफ समेत अदरक पुदीना इत्यादि का सेवन करें तो विभिन्न दर्दों से मुक्त रहकर स्वस्थ रह सकते हैं।

प्राचीन ग्रंथों में बताया गया है कि अगर आप अपने घर में ही इन मसालों का नियमित और उचित मात्रा में अपने भोजन में प्रयोग करें तो अनेक रोगों से बचा जा सकता है। *

(आरोग्य विशेषज्ञ डॉ. संजय त्यागी से बातचीत पर आधारित)

जितेंद्र की 'तोहफा' हुई थी ब्लॉकबस्टर कमाए थे करोड़ों...

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन और धर्मेंद्र जैसे सितारे हिंदी सिनेमा की दुनिया के सबसे बड़े सितारों में गिने जाते हैं। वहीं, राजेश खन्ना को बॉलीवुड का पहला सुपरस्टार कहा जाता है। लेकिन, एक साल ऐसा रहा जब इन सभी सुपरस्टार्स का स्टारडम धरा का धरा रह गया था और जितेंद्र इन सभी पर भारी पड़ गए थे। वो साल था 1984. इस साल रिलीज हुई जितेंद्र की फिल्म तोहफा ने बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा दिया था और उस साल की सबसे ज्यादा कमाई करने वाली फिल्म बन गई थी। इस साल अमिताभ, धर्मेंद्र और राजेश खन्ना, सभी की फिल्म जितेंद्र की तोहफा के आगे फिसल गई थीं। साल 1984 में रिलीज हुई फिल्म तोहफा का डायरेक्शन कोवेलामुडी राघवेंद्र राव ने किया था। जितेंद्र के साथ जया प्रदा और श्रीदेवी इस फिल्म में लीड रोल में थीं. उस समय फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 9 करोड़ रुपए कमाए थे, जो आज 140 करोड़ के बराबर माना जाएगा। फिल्म में दो बहनों की कहानी दिखाई गई है, जिन्हें एक ही लड़के से प्यार हो जाता है।

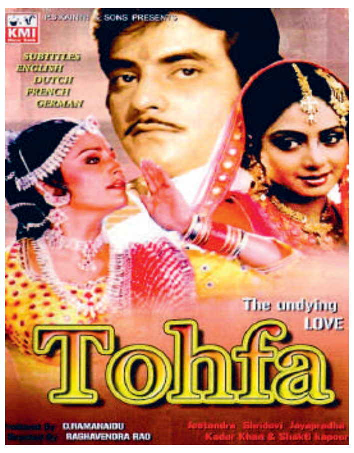

कलाकारों ने 'टीचर्स डे' पर अपने मार्गदर्शकों को किया याद...

मुंबई। हर साल 5 सितंबर को 'टीचर्स डे' मनाया जाता है, यह दिन उन शिक्षकों अथवा मारदर्शकों के प्रति अपना आभार व्यक्त करने का मौका है, जिन्होंने हमें जीवन में कई मूल्यवान सबक सिखाए हैं। जीवन में हर किसी के अलग शिक्षक होते हैं जो विभिन्न तरीकों से हमारा मार्गदर्शन करते हैं। इसका ध्यान रखते हुए सन नियो के शो 'छठी मैया की बिटिया,' 'इश्क जबरिया,' और 'साझा सिंदूर' के कलाकार बृंदा दहल, सिद्धि शर्मा और स्तुति विंकले ने अपने जीवन में शिक्षकों के महत्व और इससे जुड़ी यादों को साझा किया।

सन नियो के शो 'छठी मैया की बिटिया' में वैष्णवी का किरदार निभा रही अभिनेत्री बृंदा ने कहा, मुझे हर दिन 'टीचर्स डे' जैसा लगता है, क्योंकि मैं हमेशा अपने आस-पास के लोगों से सीखती रहती हूं। मेरी मां, मेरे जीवन की पहली शिक्षिका हैं, उन्होंने मुझे हमेशा मजबूत बने रहने और सही चुनाव करने का महत्व सिखाया है। मेरी दादी, चाची और चाचा का सहयोग और मार्गदर्शन मेरे जीवन में अमूल्य रहा है।

सन नियो के शो 'इश्क जबरिया' में गुल्की का किरदार निभाने वाली सिद्धि शर्मा ने साझा किया, टीचर्स डे मेरे लिए खास है, क्योंकि यह हमारे शिक्षकों और उनके प्रयासों का सम्मान करता है। एक महत्वपूर्ण सबक जो मैंने अपने एक शिक्षक से सीखा, वह है हमेशा आगे बढ़ते रहना। मुझे याद है जब मैं स्कूल में थी और यूनिट टेस्ट में अच्छा नहीं कर पाई थी और सबके सामने रोई भी थी। उस समय मेरे शिक्षक ने मुझे समझाया कि यह सिर्फ एक परीक्षा है और उन्होंने मुझे अगली बार सुधार पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रेरित किया।

सन नियो के शो 'साझा सिंदूर' में फूली की भूमिका निभाने वाली स्तुति विंकले ने कहा, टीचर्स डे मेरे दिल में बहुत खास स्थान रखता है, क्योंकि इतने सारे शिक्षकों ने मेरी जीवन यात्रा को आकार देने में मेरी मदद की है। स्कूल से लेकर थिएटर तक, हर गुरु ने मेरा मार्गदर्शन किया है। सबसे बड़ा सबक जो मैंने सीखा है वह है अपने प्रति सच्चा रहना, स्वाभाविक बने रहना और दूसरों से प्रभावित हुए बिना अपने जुनून का पालन करना। इस इंडस्ट्री में मेरे थिएटर के गुरुओं और सेट पर जिनके साथ मैंने काम किया है, उन्होंने मुझ पर गहरा प्रभाव डाला है। मैं मानती हूं कि सीखना निरंतर चलने वाली यात्रा है और आप जिस भी व्यक्ति से मिलते हैं, उसके पास आपको सिखाने के लिए कुछ न कुछ होता है।

हरियाणवी क्वीन की कहानी परदे पर

नई दिल्ली। हरियाणवी डांसर सपना चौधरी अब किसी परिचय का मोहताज नहीं हैं। अपने डांस से उन्होंने देश-दुनिया में नाम कमाया है।

उनकी कहानी काफी संघर्षभरी रही है। अब इस कहानी को सपना चौधरी के फैंस परदे पर देख सकेंगे। सपना चौधरी की बायोपिक आ रही है। मशहूर निर्माता-निर्देशक महेश भट्ट यह फिल्म बना रहे हैं। सपना चौधरी ने खुद पोस्ट शेयर कर फैंस को यह जानकारी दी है। सपना चौधरी की बायोपिक का नाम है 'मैडम सपना'। सपना चौधरी ने बताया है कि उनकी फिल्म अगले साल यानी 2025 में दर्शकों तक पहुंचेगी। इसके साथ उन्होंने लंबा नोट भी लिखा है। सपना चौधरी की फिल्म का एलान होते ही फैंस बेहद खुश हैं। सपना चौधरी ने पोस्ट शेयर कर लिखा है, 'जिंदगी कभी आसान नहीं होती, ये हम सब जानते हैं। लेकिन हमारे संघर्ष, हमारी लड़ाइयां, हर किसी के लिए अलग-अलग होती हैं।

'ताजा खबर' सीजन 2 का ट्रेलर जारी...

मुंबई। भुवन बाम की बहुप्रतीक्षित 'ताजा खबर' के दूसरे सीजन का ट्रेलर जारी हो चुका है। वस्या और उसके वरदान के बीच चमत्कार और जादू की ये कहानी एक बार फिर दर्शकों का दिल जीतने का वादा करती है। भुवन बाम की लोकप्रिय वेब सीरीज ताजा खबर का दूसरा सीजन जल्द ही रिलीज होने वाला हैं। इसके दूसरे सीजन का बेसब्री से इंतजार कर रहे दर्शकों का इंतजार जल्द ही खत्म होगा। बुधवार को इसके दूसरे सीजन का ट्रेलर जारी किया गया है। ये सीजन अपने पिछले सीजन की कहानी को आगे बढ़ाएगी। जिसके अंत में वस्या की मौत की खबर बताई जाती है। अब इस सीजन में दर्शकों को पता चलने वाला है कि वसंत गावड़े जिंदा है या नहीं।

बस में टिकट काटता था एक्टर, व्हिस्की के नाम पर मिली पहचान

नई दिल्ली। फिल्म इंडस्ट्री में कई ऐसे एक्टर्स हैं जो फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले काफी अलग काम किया करते थे। आज हम आपको एक ऐसे ही एक्टर के बारे में बताने जा रहे हैं जो फिल्म इंडस्ट्री में आने से पहले बस में कंडक्टर का काम किया करते थे। हालांकि, जब ये एक्टर फिल्म इंडस्ट्री में आए तो सबके चहेते कॉमेडियन बन गए। इन्होंने फिल्मों में अक्सर शराबी का रोल निभाया। इसी वजह से इन्हें इंडस्ट्री का सबसे बड़ा शराबी भी कहा जाने लगा। इतना ही नहीं, इस एक्टर को इसके असली नाम से ज्यादा पहचान मिली एक फेमस व्हिस्की के नाम पर।

इंडस्ट्री के सबसे बेहतरीन कॉमेडियन की कहानी

इस एक्टर को फिल्म इंडस्ट्री और फैंस जॉनी वॉकर के नाम से जानते हैं। जॉनी वॉकर का असली नाम बदरूदीन जमालुदीन था। बदरूदीन बस में कंडक्टर हुआ करते थे। लेकिन, एक दिन ऐसे ही बस में टिकट काटते-काटते बदरूदीन की मुलाकात एक ऐसे शख्स से हुई जिन्होंने बदरूदीन जमालुदीन की जिंदगी बदल दी।

एक दिन ऐसे चमकी किस्मत

बदरूदीन जमालुदीन के पिता एक फैक्ट्री में काम किया करते थे। कुछ वक्त बाद वो फैक्ट्री बंद हो गई। काम की तलाश में बदरूदीन जमालुदीन के पिता मुंबई आ गए। पिता का हाथ बंटाने के लिए बदरूदीन जमालुदीन बस में कंडक्टर का काम करने लगे। बदरूदीन अपने ही अंदाज में टिकट काटा करते थे। वो मिमिक्री करते हुए टिकट काटते थे। एक दिन बदरूदीन बस में टिकट काट रहे थे, उसी दिन मशहूर एक्टर बलराज साहनी उस बस में सफर कर रहे थे। बदरूदीन जिस अंदाज में टिकट काट रहे थे, बलराज उसे देखकर बहुत ज्यादा खुश हो गए। उन्होंने बदरूदीन जमालुदीन को गुरुदत्त से मिलवाया।

असल जिंदगी में कभी नहीं पी शराब

रिपोर्ट्स की मानें तो गुरु दत्त ने बदरूदीन से शराबी की एक्टिंग करने को कहा। एक्टिंग देख गुरुदत्त इतना खुश हुए कि उन्होंने बदरूदीन जमालुदीन को अपनी फिल्म बाजी में कास्ट कर लिया। इसके बाद से बदरूदीन जमालुदीन ने कभी पीछे मुड़कर नहीं देखा। बदरूदीन जमालुदीन ने ज्यादातर फिल्मों में शराबी का रोल किया। इस वजह से उन्हें इंडस्ट्री का सबसे बड़ा शराबी कहा जाने लगा। हालांकि, सच्चाई तो ये थी कि बदरूदीन जमालुदीन ने कभी असल जिंदगी में शराब को हाथ भी नहीं लगाया था।

किसने दिया जॉनी वॉकर नाम?

बदरूदीन जमालुदीन को जॉनी वॉकर नाम किसी और ने नहीं, बल्कि गुरुदत्त ने ही दिया था। फिल्मों में बदरूदीन जमालुदीन शराबी की इतनी अच्छी एक्टिंग करते थे कि गुरुदत्त ने उनका नाम जॉनी वॉकर रख दिया था। जॉनी वॉकर व्हस्की का एक फेमस ब्रांड है। कहा जाता है कि ये व्हिस्की गुरुदत्त की सबसे पसंदीदा व्हिस्की में से एक थी। गुरुदत्त के नाम देने के बाद से अबतक बदरूदीन जमालुदीन को दुनिया जॉनी वॉकर के नाम से जानती है।

असली रूप दिखाने की हिम्मत करना आसान नहीं

एजेंसी ▶▶ मुंबई

उर्फी जावेद ने अपनी सीरीज 'फॉलो कर लो यार' में अपनी जिंदगी और करियर को लेकर खुलकर बात की है। उर्फी को उनके बेबाक अंदाज के लिए जाना जाता है। हाल ही में, अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु ने 'फॉलो कर लो यार' सीरीज को देखा और जमकर उर्फी की तारीफ की। सामंथा ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर 'फॉलो कर लो यार' देखते हुए की एक फोटो शेयर की। इसके साथ सामंथा ने लिखा कि अपना असली रूप दिखाने की हिम्मत करना आसान नहीं है। अपने जीवन को सबके सामने खोलकर पेश करने से आप आलोचना और मजाक के लिए भी दरवाजे खोल देते हैं, लेकिन अगर आप भाग्यशाली हैं तो सम्मान और प्रशंसा भी मिलती है। सामंथा ने उर्फी की यात्रा का सम्मान करते हुए लिखा कि मेरा मानना है कि आपने अभी शुरुआत ही की है। आगे बढ़ती रहो। सामंथा की तारीफ को उर्फी ने अपने इंस्टाग्राम पर साझा किया और जवाब देते हुए लिखा कि सामंथा अब मुझे लगता है कि मैं पूरी रात रोऊंगी! आप जैसी महिला कभी नहीं मिली।

केबीसी-16 में मनु ने बताया 'मां थीं सबसे बड़ी प्रेरणा'

मुंबई। 5 सितंबर को रात 9 बजे, भारत दो कांस्य पदक जीतने वाली देश की प्रमुख महिला निशानेबाज़, देश की शान मनु भाकर की उपलब्धियों का जश्न मनाएगा, जो सोनी एंटरटेनमेंट टेलीविज़न के बहुचर्चित रियलिटी क्विज़ शो, कौन बनेगा करोड़पति 16 की प्रतिष्ठित 'हॉटसीट' की शोभा बढ़ाएंगी। कौन बनेगा करोड़पति में एक भावनात्मक पल के दौरान, जब मनु भाकर से पूछा गया कि स्पोर्ट्स में आने के पीछे उनकी प्रेरणा क्या थी, तो उन्होंने बताया कि उनकी मां उनकी सबसे बड़ी प्रेरणा रही हैं। अपने बचपन को याद करते हुए, मनु ने बताया कि कैसे उनकी मां के निरंतर समर्थन और प्रोत्साहन ने उनके करियर को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बचपन में, मनु स्कूल एथलेटिक्स पर अधिक ध्यान देती थी और उनका माननाथा कि जीतना ही सबसे बड़ी उपलब्धि है। उनकी प्रतिस्पर्धी भावना ने उन्हें विभिन्न खेलों में बेहतरीन प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया, और हार से वह निराश हो जाती थी। जैसे-जैसे मनु बड़ी हुई और ओलंपिक्स के बारे में और ज्यादा जानने लगी, उनमें स्वर्ण पदक जीतने की आकांक्षा विकसित होने लगी, एक सपना जिसकी ओर वह अभी भी अग्रसर हैं। मजबूत बनने की इच्छा से प्रेरित होकर, उन्होंने अपने खेल के रूप में शूटिंग को चुना, और उनकी मां ने इस निर्णय का पूरे दिल से समर्थन किया। उनका प्रबल रिश्ता मां के प्यार और विश्वास के गहरे प्रभाव को उजागर करता है, जो मनु की महानता की ओर जारी यात्रा की आधारशिला है।

epaper : www.haribhoomi.com

हरिभूमि CLASSIFIED

Email : response.haribhoomi@gmail.com

आवश्यकता आपकी सुविधा हमारी
Contact for advertisment booking :
Raipur- 79871-19756
6263818152

Appointment आवश्यकता

मार्केटिंग

आवश्यकता है- रायपुर में, मार्केटिंग कार्य करने के लिए युवतियों की आवश्यकता है,सैलरी- 7000/- फिक्स+ कमीशन के साथ 15000/- से 20,000 तक महीना कमायें। **संपर्क करें:- पता आमापारा चौक रायुपर** 8962274079. (RO-6473)

एकाउंटेंट

आवश्यकता है- ट्रांसपोर्ट लाजिस्टिक्स कार्य हेतू एम बी ए और एक एकाउंटेंट की आवश्यकता है वेतन अनुभव योग्यतानुसार अनुसार रहेगा Contact - 9685867700, 9303203177 एस एस लाजिस्टिक रावाभाटा ट्रांसपोर्ट नगर बीरगांव रायपुर छत्तीसगढ़ (RO-7401)

लोडिंग/अनलोडिंग

आवश्यकता है- ऑफिस ब्वाय- 3 पद, समान पैकेजिंग, लोडिंग अनलोडिंग, ऑटो चालक एवं सफाई कार्य हेतु व्यक्तियों की आवश्यकता है वेतन- 9000 से 12000 प्रतिमाह **सम्पर्क करें-** 08109231385. (RO-35286)

कुक/कैंटीन कार्य

आवश्यकता है- देवादा हॉस्पिटल के कैंटीन में काम हेतु कर्मचारी टेबल सफाई, बर्तन सफाई, खाना बनाने हेतु कुक तुरन्त **संपर्क करे:- मो.-** 9303657790, 7970259986.(आरो नं - 6376)

नोट - विज्ञापन प्रकाशन के पहले दिन ही करेक्शन मान्य होगा।

इंजीनियर/स्टोर कीपर

आवश्यकता है- मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़ में सिविल एवं रेलवे निर्माण कार्य के एस्टीमेट, बिलिंग कार्य हेतु 5वर्ष अनुभवी सिविल इंजीनियर साईट सुपरवाईजर, स्टोर कीपर की आवश्यकता है। वेतन योग्यतानुसार। **सम्पर्क करे-** 9644691124, 9425183302. (RO-35274)

सिक्योरिटीगार्ड

आवश्यकता है- "होटल" जेलरोड, तेलीबांधा रायपुर हेतु सुपरवाइजर 4, सुरक्षा गार्ड 30, लेडी गार्ड 4, मार्केटिंग अधिकारी 2, योग्यता 10वीं, स्नातकोत्तर (आवास एक टाइम भोजन फ्री गार्ड हेतु गार्ड ऊंचाई 5.7) वेतन 10000/- से 15000/- **संपर्क:-** ALERT SGS PRIVATE LIMITED 434 चतुर्थतल, **प्रोग्रेसिव पॉइंट, लालपुर, रायपुर मोबाइल नंबर:-** 7746000016, 7747000019.(RO-2955)

डिजाइनर/मार्केटिंग

शीघ्र आवश्यकता है- ग्राफिक डिजाइनर (12000-20000) मार्केटिंग एग्जीक्यूटिव (15000-20000) फ्लेक्स मशीन ऑपरेटर (10000-15000) टाटा एस ड्राइवर जो रायपुर से बाहर रह सके (12000 + भत्ता) ई- रिक्शा ड्राइवर (7000-9000) **संपर्क- मां ऐड एजेंसी रायपुरा चौक मंजीत टावर-** 7974351591.(RO-3729)

दुकान कार्य

आवश्यकता है- डीजे साउंड सिस्टम की दुकान में काम करने के लिए अनुभवी लड़कों की आवश्यकता है **संपर्क:- दीपक साउंड सर्विस फूल चौक जोरा पारा, काली माता मंदिर के पास रायपुर** 98271-14645.(RO-2971)

छोटा विज्ञापन बड़ा लाभ

आवश्यकता है- रेडीमेड गारमेंट्स शॉप (पंडरी, रायपुर) में बंडल खोलने/ पैक करने के लिए लड़कों एवं सेल्स मेन की आवश्यकता है। **मो. 7067048454** (RO-6472)

ड्रायवर

आवश्यकता है- हर्ष मीडिया को छत्तीसगढ़ के अलग-अलग जिलों में V- 30 Intra- LED वेन चलाने ड्राइवर की आवश्यकता है। अनुभवी ड्राइवर लाइसेंस, आधार कार्ड व अन्य विवरण सहित **संपर्क करें-** 8225022889, 9827806026. (आरो न.- 6375)

अकाउंटेंट

आवश्यकता है- बंसल इंडस्ट्रियल सेंटर में ऑफिस हेतु अनुभवी अकाउंटेंट महिला की आवश्यकता है जिसे मेल, टैली एव एक्स.एल. का अनुभव हो एवं कोटेशन फालोअप कर सके **संपर्क भनपुरी बाजार करे** 9303718899. (RO-2973)

मार्केटिंग/सुपरवाइजर

आवश्यकता है- मार्केटिंग एक्जीक्यूटिव और प्लांट सुपरवाइजर की आवश्यकता है । मिलें. **कविता पॉलीमर्स, यूनिट-2, उरकुरा रेल्वे स्टेशन रोड, भनपुरी,रायपुर छ.ग. मो नं.** 9575448836. (RO-1752)

अन्य

आवश्यकता है- (स्वयं का रोजगार) (अपना रोजगार) आयुर्वेदिक कंपनी में शिक्षित/बेरोजगार लड़कें-लड़कियाँ हाउसवाइफ पार्टटाइम/फुलटाइम घर बैठे दवाई पैकिंग करके 30,500/- से 45,500/- महीना कमाएं रोजगार बढ़ाए (जरूरतमंद लोग कॉल/ WHATSAPP करें) NOC -2150/- +91 62673 24667. (RO-1330)

आवश्यकता है- (SAFE AND SECURE JOB) Airtel 5G कंपनी मे घरबैठे पार्ट/ फुलटाईम (SMS जॉब)करके लड़के लड़कियों गृहणियां कमाए (15000-45000)/- महिना लैपटॉप +मोबाइल मुफ्त Call/ WhatsApp/ SMS **करें-** 7003467406. (RO-441)

Property प्रापर्टी

मकान/बंगला

बेचना है - रायपुर में VIP चौक पर ऐश्वर्या रेसीडेंसी में 4BHK बंगला, इंद्रप्रस्थ कॉलोनी रायपुरा में 3BHK डुप्लेक्स, VIP रोड मौलश्री विहार में 4BHK बंगला, न्यू धमतरी रोड पर मारुति हेरिटेज में 3BHK फ्लैट बेचना है **सम्पर्क:-** 8871343000, 7724953129, 9340033105. (RO-2970)

प्लाट

प्लॉट बेचना है- प्लॉट ही प्लॉट गैलेक्सी हाइट्स के आगे बोरसी दुर्ग में आवासीय प्लाट मात्र रूपए 850fit में बैंक फाइनेंस सुविधा उपलब्ध जल्द कीजिए **सीमित प्लांट** 9770047215, 6260058087.(आरो नं -280)

प्लॉट बेचना है-त्योहारी ऑफर प्लॉट ही प्लांट चंदखुरी से हनोदा मार्ग लगा हुआ आवासीय प्लांट रूपए 600fit में बैंक फाइनेंस सुविधा उपलब्ध रजिस्ट्री, डायवर्सन, **प्रमाणीकरण फ्री** - 9770047215, 6260058087. (आरो नं - 280)

Finance फायनेंस

फाइनेंस - राज्य ग्रामीण बैंकों द्वारा सभी प्रकार के लोन, बिजनेस, मार्कशीट, आधारकार्ड, प्रॉपर्टी, कृषि, होमलोन 1% सालाना ब्याज व 40% सब्सिडी के साथ प्राप्त करे, नोट- धोखेबाजों से सावधान।, हेडऑफिस लोन डिपार्टमेंट **हेल्पलाइन नंबर:-** 9350674841, 9350674841. (RO-2967)

आवश्यक सूचना

पाठकों से अनुरोध है कि वे समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संबंध में किसी भी प्रकार का कदम उठाने (पैसे भेजने, कोई भी खर्च उठाने, चिकित्सकीय सलाह, विवाह संबंधित) या किसी भी वादे-दावे पर अमल करने से पहले अच्छी तरह से जांच पड़ताल कर लें। पाठक पुर्ण जानकारी लेवें व स्वविवेक से निर्णय लेकर ही लेन देन करें। किसी भी उत्पाद या सेवाओं के संबंध में किए किसी भी विज्ञापनदाता के किसी प्रकार के दावों की हरिभूमि (प्रेस प्रबंधक व कर्मचारी) की कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। प्रकाशक, संपादक कर्मचारी और हरिभूमि के स्वामी किसी विज्ञापन के संबंध में उठाए किसी कदम के नतीजे और विज्ञापन दाताओं के अपने वायदों पर खरा न उतरने के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विज्ञापन प्रकाशन हेतु संपर्क करें
62638-18152

कार्यालय अधीक्षण अभियंता
लो.नि.वि.,राष्ट्रीय राजमार्ग मण्डल, रायपुर (छ.ग.)

दिनांक : 03.09.2024

एकीकृत पंजीयन प्रणाली अंतर्गत सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से निम्नलिखित निर्माण कार्य हेतु ऑनलाइन (Online) निविदा आमंत्रित की जाती है :

क्र.	निविदा आमंत्रण सूचना क्र.	सिस्टम आई.डी.क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित लागत
1	10/SE/NH/G/15-48/2024	2024_MORTH_824254_1	Improvement work at the identified accident location under e-DAR on NH 130C.	Rs. 25.81 Lacs

ऑनलाइन निविदा डाउनलोड करने की अंतिम तिथि 10.09.2024 समय शाम 5:30 बजे तक है।

उपरोक्त निर्माण कार्यों की निविदा की सामान्य शर्तें, धरोहर राशि, विस्तृत निविदा विज्ञप्ति निविदा दस्तावेज व अन्य जानकारी सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MORT&H's) के ई-प्रोक्योरमेंट वेब पोर्टल https://eprocure.gov.in/eprocure / app से डाउनलोड की जा सकती है।

अधीक्षण अभियंता,
राष्ट्रीय राजमार्ग मण्डल, लो.नि.वि.,
रायपुर (छ.ग.)

G-242502244/4

दलित वर्ग से भी हो सकता है सीएम फैसला हाईकमान के हाथ : सैलजा

हरिभूमि न्यूज़ ▶▶ नई दिल्ली

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि टिकट वितरण में आखिरी फैसला पार्टी हाईकमान का ही होता है। रही मुख्यमंत्री की बात तो इसका फैसला भी हाईकमान ही करता है, हाई कमान ने 36 बिरादरी में से किसी को भी सीएम बना सकता है, वह दलित वर्ग से भी हो सकता है।

लोगों ने विरोध में घरों की लाइट की बंद, राजभवन में भी ब्लैकआउट

एजेंसी ▶▶ कोलकाता

कोलकाता कांड

कोलकाता में सैकड़ों लोग अपने घरों की बत्तियां बंद कर सड़कों पर उतर आए और आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर मामले के खिलाफ अपना विरोध दर्ज किया। मृतक डॉक्टर के माता-पिता भी प्रदर्शन में शामिल हुए। पश्चिम बंगाल के राज्यपाल सीवी आनंद बोस ने भी राजभवन की बत्तियां बंद कर और मोमबत्ती जलाकर विरोध का समर्थन किया। मृतक डॉक्टर के पिता ने मीडिया से बातचीत में कहा, "हमें जाना पड़ेगा; और हम क्या कर सकते हैं? चीजें बहुत धीमी हो रही हैं; हम इसे बर्दाश्त नहीं कर सकते. हमारे पास बहुत सारे सवाल हैं, और हम इन सवालों को पुलिस से पूछेंगे। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के प्रदर्शनकारियों ने कैंडल जलाकर विरोध प्रदर्शन किया। कोलकाता के श्याम बाजार में भी बड़ी संख्या में लोग प्रदर्शन में शामिल हुए। कई लोग कैंडल जलाते हुए और कुछ तिरंगा लहराते हुए नजर आए। आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल के प्रदर्शनकारियों ने भी अपने घरों की बत्तियां बंद कर दीं। बीजेपी नेता सुकंत मजूमदार और अग्निमित्रा पॉल भी प्रदर्शन में शामिल हुए। प्रदर्शनकारियों ने रात के 9-10 बजे के बीच अपने घरों की लाइट्स बंद करने की अपील की थी।

'लेह, लद्दाख में अपनी क्षमता का प्रदर्शन करेंगी भारतीय ड्रोन कंपनियां'

हरिभूमि न्यूज ▶▶ नई दिल्ली

मौजूदा चुनौतीपूर्ण सुरक्षा परिदृश्य के बीच 17 से 18 सितंबर तक भारतीय ड्रोन उद्योग से जुड़ी कंपनियां सेना को अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करेंगी। इसके लिए बल ने लेह, लद्दाख में करीब 4 से 5 हजार मीटर की ऊंचाई पर वास्तविक युद्ध माहौल और भौगोलिक परिस्थितियों का समावेश करते हुए एक कार्यक्रम का आयोजन किया है। अभी तक इसमें शामिल होने के लिए 25 ड्रोन निर्माता कंपनियों ने पंजीकरण किया है। इसके अलावा 20 से 21 सितंबर तक सेना द्वारा हिमटेक-2024 नामक एक और कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा।

रणनीतिक स्वायत्तता के लिए अनिवार्य रूप से आधुनिकीकरण जरूरी: सीडीएस

हरिभूमि न्यूज.नई दिल्ली। घरेलू और वैश्विक सुरक्षा चुनौतियों के बीच बुधवार से लखनऊ में सेना के मध्य कमांड मुख्यालय में सशस्त्र सेनाओं के पहले संयुक्त कमांडर सम्मेलन (जेसीसी) की शुरुआत हुई। इसमें प्रमुख रक्षा अध्यक्ष (सीडीएस) जनरल अनिल चौहान ने अपने संबोधन में कहा कि सेनाओं को हमेशा तैयार और प्रासंगिक बने रहने के लिए अनिवार्य रूप से आधुनिकीकरण जरूरी है। मौजूदा सुरक्षा चुनौतियों, रक्षा तैयारियों की समीक्षा के साथ भविष्य के युद्ध और अभियानों का संचालन करने के लिए एकीकरण पर जनरल चौहान ने बल दिया।

■ रक्षा मंत्री आज करेंगे सम्मेलन में शिरकत

सुप्रीम कोर्ट ने सहारा से कहा-संपत्ति बेचकर चुकाओ रकम

हरिभूमि न्यूज : नई दिल्ली। सहारा इंडिया की बचत योजनाओं में पैसा फंसा चुके लाखों निवेशकों के लिए एक अच्छी खबर है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने सहारा समूह को कड़ी फटकार लगाई है। सुप्रीम कोर्ट ने सहारा ग्रुप से कहा है कि वह अपनी संपत्ति बेचकर निवेशकों का पैसा लौटा सकता है। कोर्ट ने कहा कि सेबी-सहारा रिफंड खाते में 10,000 करोड़ रुपए जमा करने के लिए समूह को प्रॉपर्टी बेचने से कोई रोक नहीं सकता है।

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी, जिला - बालोद (छ. ग.)

Phone No.- 07749-223750, Email deo-balod.cg@gov.in

संक्षिप्त निविदा

क्र./1590/निर्वा.पर्य./ सामा.निर्वा./2024 — बालोद, दिनांक 30/08/2024

भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार बालोद जिले के अन्तर्गत तीन विधानसभा क्षेत्र के लिए फोटोयुक्त मतदाता सूची के मुद्रण कार्य हेतु इच्छुक योग्य फर्मों से निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा प्रारूप एवं निविदा शर्तें कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी बालोद से प्राप्त किया जा सकता है। इच्छुक निविदाकार शुल्क रू. 500/- (रूपये पांच सौ मात्र) कार्यालय में नगद जमा कर अथवा बालोद जिले की वेबसाइट https://balod.gov.in से भी डाउनलोड कर निविदा प्राप्त कर सकते हैं । निविदा शुल्क रसीद के अभाव में निविदा अमान्य किया जावेगा। निविदा प्रस्तुत करने का संक्षिप्त विवरण निम्नानुसार है :

1. निविदा प्रपत्र बिक्री की अंतिम तिथि - 19 सितम्बर 2024 दिन गुरूवार को अपरान्ह 3.00 बजे तक (कक्ष क. - 70)
2. निविदा जमा करने की अंतिम तिथि - 19 सितम्बर 2024 दिन गुरूवार को अपरान्ह 5.00 बजे तक (जिला कार्यालय बालोद के कक्ष क्र. - 70 रजिस्टर्ड पोस्ट अथवा स्पीडपोस्ट द्वारा बन्द लिफाफा प्राप्त किया जावेगा)
3. निविदा खोलने की तिथि - 20 सितम्बर 2024 दिन शुक्रवार को अपरान्ह 4.00 बजे (अपर कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी के कक्ष क्रमांक –56 में निविदा समिति एवं उपस्थित निविदाकारों के समक्ष)

निर्धारित दिनांक को नियत समयावधि के पश्चात प्राप्त किसी भी निविदा पर विचार नहीं किया जावेगा।

(कलेक्टर एवं जिला निर्वा.अधि. महोदय द्वारा अनुमोदित)

अपर कलेक्टर
एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी
जिला - बालोद (छ.ग.)

G-242502228/1

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार गुण्डरदेही जिला- बालोद (छ.ग.)

ईश्तहार

क्रमांक/1696/वाचक/अति.तह./2024 — गुण्डरदेही, दिनांक 28/08/2024

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुलिस अधीक्षक महोदय जिला बालोद छ.ग. द्वारा माननीय मुख्यमंत्री छ०ग० शासन द्वारा दिनांक 18.09.2022 को ग्राम बेलौदी जिला बालोद में भेंट मुलाकात के दौरान गुण्डरदेही विधानसभा क्षेत्र क्रमांक 61 अंतर्गत ग्राम हल्दी में नवीन पुलिस चौकी खोले जाने की घोषणा किया गया । उपरोक्तानुसार नवीन स्वीकृत चौकी हल्दी के लिए ग्राम हल्दी प.ह.नं. 52 तहसील गुण्डरदेही स्थित खसरा नंबर 05 रकबा 1.3100 हेक्टेयर भूमि को आबंटित किये जाने हेतु पत्र प्राप्त हुआ है।

अतः ग्राम हल्दी प.ह.नं. 52 तहसील गुण्डरदेही स्थित शासकीय भूमि ख.नं. 05 रकबा 1.3100 हेक्टेयर भूमि के आबंटन के संबंध में जिस किसी भी हितबद्ध व्यक्ति को कोई दावा / आपत्ति पेश करना हो तो पेशी दिनांक 11.09.2024 के पूर्व स्वयं अथवा अपने अधिकृत व्यक्ति के माध्यम से अपना दावा / आपत्ति पेश कर सकते है। नियत समय पश्चात आए आपत्ति / दावा पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 21.08.2024 को स्वयं के हस्ताक्षर एवं न्यायालय के पदमुद्रा से जारी।

जारी दिनांक 21.08.2024
पेशी दिनांक 11.09.2024

(मुहर)

अतिरिक्त तहसीलदार
गुण्डरदेही, जिला बालोद (छ.ग.)

G-242502226/2

पूर्व तट रेलवे

निविदा सूचना सं.19-SBP-TRD-OT-2024-25
दिनांक :27.08.2024

कार्य का नाम : सम्बलपुर मण्डल के झारसुगुड़ा-बरगढ़ रोड सेक्शन में मानव युक्त समपार सं.JT-30, JT-34 एवं JT-43 के बदले में 03 संख्यक सीमित ऊँचाई वाले उपमार्ग (LHS)/रोड अण्डर ब्रिज (RUB) के प्रावधान कार्य से संबंधित TRD संबद्ध कार्य।

अनुमानित लागत (रुपये में): 21,80,258.04, EMD (रुपये में): 43,600/-, पूरा होने की अवधि: 08 महीने।

निविदा बंद होने की तिथि व समय: दिनांक 18.09.2024 को 1530 बजे।

ऐसी ई-निविदा के तहत डाक/कूरियर/फैक्स या व्यक्तिगत रूप से भेजा गया कोई भी मैनुअल प्रस्ताव स्वीकार नहीं किया जायेगा, भले ही यह फर्म (Firm) के लेटर हेड एवं नियत समय पर प्राप्त किया गया हो। ऐसे सभी मैनुअल प्रस्ताव को अवैध माना जायेगा तथा उसके बारे में किसी विचार के बिना तत्काल निरस्त कर दिया जायेगा।

उपरोक्त ई-निविदा के ई-निविदा दस्तावेज सहित संपूर्ण जानकारी वेबसाइट www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

द्रष्टव्य : प्रत्याशित निविदाकारों को यह सलाह दी जाती है कि इस ई-निविदा के लिए जारी कोई भी परिवर्तन/शुद्धिपत्र की ओर ध्यान देने के लिए वे निविदा खुलने से कम से कम 15(पंद्रह) दिन पहले वेबसाइट का पुन:अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (TRD), सम्बलपुर

PR-493/P/24-25

OFFICE OF THE SUPERINTENDING ENGINEER
CHHATTISGARH RURAL ROAD DEVELOPMENT AGENCY
PROJECT CIRCLE, DURG, DISTT.: DURG (C.G.)

E-Procurement Tender Notice

NIT No. 55/SE/TECH./CGRRDA/2024 — Dated 03/09/2024

Superintending Engineer, Project Circle, Durg on behalf of Governor of Chhattisgarh invites package wise bids in electronic tendering system for Repair & Maintenance under MMGSVY and sanctioned for below mentioned district of the state as per B.O.Q. from the eligible contractors/Firms registered with unified registration system (e-registration) for the works mentioned below. Date of release of Invitation for Bids through e-procurement:

S. No	NIT No	Work Name	Amount (Rs. in Lakhs, Including GST)	Districts	Rate invited
01	55	Repair & Maintenance under MMGSVY	29.35	Durg, Bemetara	Percentage Rate SOR 22.02.2018 issued by CE, CGRRDA Raipur

Availability of Bid Documents and mode of submission: The bid document is available online and should be submitted online in **https://eproc.cgstate.gov.in**. The bidder would be required to register in the web-site which is free of cost. For submission of the bids, the bidder is required to have a valid Digital Signature Certificate (DSC) from one of the authorized Certifying Authorities.

Detailed N.I.T. and other Details can be viewed on our website **https://eproc.cgstate.gov.in**. on or after 09.09.2024. In future any related corrigendum would be seen in the notice section of the website.

Superintending Engineer
Chhattisgarh Rural Road Development Agency
Project Circle, Durg, Dist. : Durg (C.G.)
E-mail: sepmgsy.rpc@nic.in

S-41317/1

पंडित माधव राव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान

जन्म- 19 जून 1871
निधन- 23 अप्रैल 1926

छत्तीसगढ़ शासन, जनसंपर्क विभाग द्वारा देश के प्रसिद्ध साहित्कार और छत्तीसगढ़ में पत्रकारिता के जनक स्वर्गीय पंडित माधवराव सप्रे की स्मृति में राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान की स्थापना की गयी है । यह सम्मान प्रति वर्ष ऐसे मनीषी को दिया जाएगा, जिन्होंने मीडिया के क्षेत्र में अपने विशिष्ट रचनात्मक लेखन और हिन्दी भाषा के प्रति समर्पण भाव से रचनात्मक कार्य करके राष्ट्र का गौरव बढ़ाया है। चयनित मनीषी को प्रशस्ति पत्र सहित दो लाख 50 हजार रूपए की सम्मान राशि भेंट की जाएगी। वर्ष 2023 के राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान हेतु प्रस्ताव / अनुशंसा पत्र दिनांक 23 सितम्बर 2024 तक आमंत्रित हैं ।

कृपया प्रस्ताव/अनुशंसा पत्र निम्नलिखित पते पर सीलबंद लिफाफे में पंजीकृत डाक द्वारा भेजें- संचालक, जनसंपर्क संचालनालय, भूतल, इन्द्रावती भवन, नवा रायपुर अटल नगर, जिला - रायपुर (छत्तीसगढ़) पिन कोड - 492002

पंडित माधवराव सप्रे राष्ट्रीय रचनात्मकता सम्मान की अधिसूचना छत्तीसगढ़ शासन के राजपत्र (असाधरण) में 30 अप्रैल 2014 के अंक में प्रकाशित की गयी है, जिसमें चयन प्रक्रिया और नियमों का विस्तार से उल्लेख है। कृपया विस्तृत जानकारी के लिए जनसंपर्क विभाग की वेबसाइट www.dprcg.gov.in में अधिसूचना का अवलोकन करने का कष्ट करें।

आयुक्त
जनसम्पर्क संचालनालय
छत्तीसगढ़ रायपुर

G-242502249/6

आम सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि, मेरे पक्षकार के द्वारा श्रीमती हरजीत कौर चावला, पति-स्व. कुलदीप सिंह चावला निवासी- विठ्ठल मंदिर के पास, तात्यापारा, रायपुर छ.ग. के हक हित, स्वामित्व व आधिपत्य की कृषि भूमि जो वाके जो मौजा- अमलेश्वर, प.ह.नं.- 00003, रा.नि.म.- अमलेश्वर, तहसील पाटन, जिला दुर्ग छ.ग. में स्थित भूमि जिसका खसरा नंबर 128 / 2 का भाग, रकबा 0.1900 हे. भूमि में से 16900 वर्गफुट भूमि जिसका ऋण पुस्तिका क्रमांक पी - 3613383 है को क्रय करने का पक्का सौदा कर बयाना अग्रिम राशि चेक व नगद के माध्यम से विक्रेता को अदा कर दिये है, बैनामा पंजीयन शेष है।

इस आम सूचना प्रकाशन के सात दिवस पश्चात मेरे पक्षकार अपने नाम या अपने द्वारा नामित व्यक्ति के नाम पर बैनामा पंजीयन करायेगें।

उक्त संव्यहार पर किसी शासकीय, अर्द्धशासकीय, वित्तिय संस्थान, व्यक्ति अथवा व्यक्तियों के समूह को कोई दावा उजर आपत्ति हो तो मय दस्तावेज अपनी लिखित दावा उजर आपत्ति समयावधि के भीतर अधोलिखित कार्यालयीन पते पर प्रेषित करे बाद मियाद अवधि ली गई दावा उजर आपत्ति मेरे पक्षकारो पर बंधनकारी ना होकर अवैध व शून्य होवेगी ।

"सो सूचना जाने"

रायपुर छ.ग.
दिनांक 04/09/24

भवदीय
कुणाल फरिकार (अधिवक्ता)
श्रीराम मंदिर के पास कंकाली पारा रायपुर,
तहसील व जिला रायपुर छ.ग.
मो. नं. - 98266 74118

छत्तीसगढ़ शासन, जल संसाधन विभाग कार्यालय कार्यपालन अभियंता, जल संसाधन संभाग रायगढ़ जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

ई. प्रोक्यूरमेंट निविदा सूचना

eProcurement Portal: https://eproc.cgstate.gov.in

(चतुर्थ आमंत्रण)

सिस्टम निविदा क्र. 158152 निविदा सूचना क्र. 04/व.ले.लि. / ई-प्रोक्युरमेंट / 2024 - 25, दि. 02-09-2024

निम्नलिखित कार्यो के लिए दिनांक 19-09-2024 समय 17:30 तक ऑन लाईन निविदाएं आमंत्रित की जाती है :-

कार्य का नाम - सोडेकेला जलाशय का जीर्णोद्धार एवं नहर में सी.सी. लाईनिंग कार्य ।

अनुमानित लागत - रू. 237.91 लाख

अन्य विवरण एवं विस्तृत निविदा छत्तीसगढ़ शासन की ई-प्रोक्योरमेंट वेब साइट https://eproc.cgstate.gov.in पर दिनांक 09-09-2024 समय 17.31 बजे से देखे तथा डाउनलोड़ किये जा सकते है।

नोट : निविदा में भाग लेने हेतु ठेकेदारों को ई-प्रोक्योरमेंट वेबसाईट https://eproc.cgstate.gov.in पर नामांकित/पंजीयन तथा लोक निर्माण विभाग की एकीकृत पंजीयन प्रणाली के अंतर्गत ठेकेदार को उपयुक्त श्रेणी में पंजीयन कराना अनिवार्य है ।

कार्यपालन अभियंता
जल संसाधन संभाग रायगढ़
जिला - रायगढ़ (छ.ग.)

G-242502204/4

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू

अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

ई– निविदा सूचना संख्या – EE/RDSD/PALAMAU-10/2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणीः–

क्र० सं०	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि	अग्रधन की राशि	परिमाण विपत्र का मूल्य	कार्य पूर्ण करने की अवधि
1	पलामू जिला के प्रखण्ड नीलाम्बर–पीताम्बरपुर अन्तर्गत पंचायत पूर्णाडीह के टोला गुरियादामर में विश्वनाथ यादव के घर के पास सिधलेवा नाला	26582800.00	532000.00	10000.00	18 माह।

2. वेबसाइट में निविदा प्रकाशन की तिथि – 06.09.2024
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय – दिनांक 06.09.2024 से दिनांक 12.09.2024 को अपराह्न 5:00 बजे तक।
4. ई–निविदा खोलने का स्थान – कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेश प्रमण्डल, पलामू।
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – 18.09.2024 अपराह्न 2:00 बजे।
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेश प्रमंडल, पलामू।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं० – 06562–355581 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाष नम्बर)
8. परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तद्नुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, पलामू।

PR.NO.334782 District(24-25):D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल दुमका

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना

निविदा संख्या– 11/2024-25/RWD/EE/DUMKA दिनांक– 03.09.2024

1. कार्यपालक अभियंता ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल, दुमका द्वारा निम्न विवरणी के अनुसार E-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	आईडेंटिफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	लंबाई (कि0मी0)	प्राक्कलित राशि (रु० में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि
1	RWD/DUMKA/30/2024-25	कटहरा पी०डब्ल्यू०डी० रोड से नवासार आर०ई०ओ० रोड भाया श्यामलापुर पहरीडीह तक पथ निर्माण कार्य।	4.510	4,80,30,500	चार करोड़ अस्सी लाख तीस हजार पाँच सौ	18 महीने
2	RWD/DUMKA/31/2024-25	चमडाबहियार (खैरबनी) से बभनडीहा तक पथ निर्माण कार्य।	3.250	3,36,55,700	तीन करोड़ छत्तीस लाख पच्पन हजार सात सौ	18 महीने
3	RWD/DUMKA/32/2024-25	बिहाजोरी से कुसमाहा तक पथ निर्माण कार्य।	1.600	2,52,07,800	दो करोड़ बावन लाख सात हजार आठ सौ	12 महीने

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि 09.09.2029
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय 18.09.2024 अपराह्न 5:00 बजे तक।
3. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि Online के माध्यम से जमा किया जाएगा।
4. निविदा खोलने की तिथि 20.09.2024 एवं समय पूर्वाह्न 11:30 बजे।
5. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, दुमका।
6. ई–निविदा प्रकोष्ठ का सम्पर्क संख्या– 06434 291033
7. विस्तृत जानकारी के लिए jharkhandtenders.gov.in/ नोटिस बोर्ड में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमंडल दुमका

PR 334681 Rural Work Department(24-25)#D

झारखण्ड सरकार
कार्यपालक अभियंता सह राजमार्ग पदाधिकारी का कार्यालय
पथ निर्माण विभाग,पथ प्रमण्डल,कोडरमा

06534-2227076 Email Id-eercdkoderma-jhr@nic.in

अति अल्पकालीन ई–निविदा आमंत्रण सूचना(2nd Call)

Tender Reference No. : RCD/KODERMA/915/2024

दिनांक:-03.09.2024

1.	कार्य का नाम	पथ प्रमण्डल,कोडरमा अन्तर्गत "चंदवारा–सेलहारा–पांडेवारा(सिंगरावा) पथ के कि0मी0 0.00 से 20.35 कि0मी0 तक(कुल लंबाई–20.35 कि0मी0) का राईडिंग क्वालिटी में सुधार कार्य" वित्तीय वर्ष 2023–24
2.	प्राक्कलित राशि	Rs. 16,91,79,775.00(सोलह करोड़ इक्यानवे लाख उन्नासी हजार सात सौ पचहत्तर रूपये) मात्र।
3.	अग्रधन की राशि	Rs.16,92,000.00(सोलह लाख बानवे हजार रूपये) मात्र।
4.	कार्य पूर्ण करने की अवधि	04(चार) माह।
5.	बेवसाइट पर निविदा प्रकाशन की तिथि।	06.09.2024, 10:30 बजे से।
6.	बिड प्राप्ति की अन्तिम तिथि	12.09.2024, 12.00 बजे तक।
7.	बिड खुलने की तिथि	13.09.2024, 12.30 बजे तक।
8.	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का नाम एवं पता ।	कार्यपालक अभियन्ता का कार्यालय,प०नि०वि०, पथ प्रमण्डल, कोडरमा।
9.	हेल्प लाइन नं0	0651-2446002

पथ निर्माण विभाग,झारखण्ड सरकार में निबंधित संवेदकों के लिये UCAN निबंधन आवश्यक है।

Further details can be seen on website http://jharkhandtenders.gov.in

कार्यपालक अभियंता
प0नि0वि0, पथ प्रमण्डल, कोडरमा

PR 334741(Road)24-25*D

कार्यपालक अभियंता का कार्यालय ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, राँची

अति अल्पकालीन ई–पुर्ननिविदा आमंत्रण सूचना

PR 309611 REO (23-24)D

पत्रांकः– दिनांक–

अति अल्पकालीन ई–पुर्ननिविदा संख्याः– 12/RE/2023-24/RWD /EE/RANCHI

क्रम सं0	आईडेन्टी फिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राषि (रूपये में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की तिथि/ अवधि	टेण्डर कॉल नं0
1	RWD/RANCHI/21/ STPKG/04/2023-24	एन0एच0–23 से जामटोली पिच रोड भाया विनय पतरा छोटा सरना बेड़ो तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (ल0–1.750 कि0मी0)	11,35,26,700.00	ग्यारह करोड़ पैंतीस लाख छब्बीस हजार सात सौ रूपये मात्र।	15 माह	द्वितीय
		करंजटोली पक्की सड़क से पुरियो तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (ल0–2.200 कि0मी0)				
		पुरानापानी लापुंग पथ से गड़री भाया कांताबारी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (ल0–2.350 कि0मी0)				
		दरहाटांड़ (बल्क मिल्क कलेक्शन सेंटर) से ग्राम कुल्हागढ़ा, ग्राम बांधटोली एवं ग्राम सियारटोली लिंक पथ से मुराल तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (ल0–5.400 कि0मी0)				
		मोरो बोड़ेया से सेमरा मोड़ भाया नारो स्कूल तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (ल0–3.900 कि0मी0)				
		करगे पतराटोली रूगड़ीढीपा से बेयासी भाया डोरन्डा रेलवे फाटक तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य (ल0–4.900 कि0मी0)				

1. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि :–05.09.2023
2. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समय :–13.09.2023 अपराह्न 5.00 बजेतक।
3. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :–18.09.2023 अपराह्न 3.30 बजे।
4. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पताः– कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, राँची।
5. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0651–2360137

विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, राँची

PR.NO.334689 REO(24-25):D

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण कार्य विभाग कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जमशेदपुर

ई–अल्पकालिन पुनर्निविदा आमंत्रण सूचना

ई–अल्पकालिन पुनर्निविदा संख्याः- **04/2024-25/RII/STPKG/RWD/EE/JSR** दिनांक :- **02.09.2024**

कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जमशेदपुर द्वारा निम्न विवरण के अनुसार e-procurement पद्धति से निविदा आमंत्रित की जाती है।

क्र. सं.	आईडेन्टीफिकेशन संख्या/पैकेज संख्या	कार्य का नाम	प्राक्कलित राशि (रूपये में) अंक में	अक्षर में	कार्य समाप्ति की अवधि	टेण्डर कॉल संख्या
1.	RWD/EE/JSR / STPKG/02/2024-25	परसुडीह से झंडाचौक तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (लम्बाई–2.000 कि0मी0)	1,20,15,700.00	एक करोड़ बीस लाख पन्द्रह हजार सात सौ रू0 मात्र	15 माह	तृतीय
		एन0एच0–33 पंचायत भवन से पलासबनी तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (लम्बाई–4.890 कि0मी0)	2,93,90,400.00	दो करोड़ तिरानवे लाख नब्बे हजार चार सौ रू0 मात्र		
		गोलकाटा से काशीडीह तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (लम्बाई–1.700 कि0मी0)	99,90,800.00	निन्यानवे लाख नब्बे हजार आठ सौ रू0 मात्र		
		टेलको–हुरलुंग–मनीफीटा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (लम्बाई–3.000 कि0मी0)	1,77,74,800.00	एक करोड़ सतहत्तर लाख चौहत्तर हजार आठ सौ रू0 मात्र		
		T06 (Railway Station से Bahardori) से Chengra तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (लम्बाई–2.200 कि0मी0)	1,27,29,400.00	एक करोड़ सताईस लाख उन्तीस हजार चार सौ रू0 मात्र		
		कुदादा से छोटा तलसा तक पथ का सुदृढ़ीकरण कार्य। (लम्बाई–5.000 कि0मी0)	2,73,09,200.00	दो करोड़ तिहत्तर लाख नौ हजार दो सौ रू0 मात्र		
		कुल	10,92,10,300.00	दस करोड़ बानवे लाख दस हजार तीन सौ रू0 मात्र		

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथिः– 05.09.2024।
3. ई–निविदा प्राप्ति की अंतिम तिथि एवं समयः– 18.09.2024 अपराह्न 5.00 बजे तक।
4. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि jharkhandtenders.gov.in के माध्यम से ऑनलाइन मोड में स्वीकार की जाएगी।
5. निविदा खोलने की तिथि एवं समय :– 19.09.2024 अपराह्न 5.00 बजे ।
6. निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :–कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल, जमशेदपुर, ब्लॉक–करनडीह, थाना–परसुडीह, जमशेदपुर, झारखण्ड, पिन–831002।
7. ई–निविदा प्रकोष्ठ का दूरभाष सं0– 0657–2298902।
8. विस्तृत जानकारी के लिए वेबसाईट jharkhandtenders.gov.in में देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण कार्य विभाग, कार्य प्रमण्डल,जमशेदपुर

PR 334599 (REO)24-25*D

झारखण्ड सरकार
पेयजल एवं स्वच्छता विभाग
कार्यपालक अभियंता का कार्यालय
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चतरा

अतिअल्पकालीन ई–प्रोक्योरमेन्ट सूचना (SBD) (1st Call)

निविदा सूचना संख्या–DWSD/TND/REORG/RPWSS/CH/07/2024-25

दिनांक – 04.09.2024

A	Name of Work : -Remaining work of Re-organization of Tandwa Rural Pipe Water Supply Scheme "On Turnkey Basis" under D.W & S. Division, CHATRA for the year 2024-25	
B	प्राक्कलित राषि (लाख में)	Rs. 13,29,96,000/- (Thirteen Crore Twenty Nine Lac Ninety Six Thousand Only)
C	अग्रधन की राषि (रूपये में)	Rs. 13,30,000/-(Thirteen Lac Thirty Thousand Only)
D	परिमाण विपत्र का मूल्य (रूपये में)	Rs. 10,000/- (Ten Thousand Only)
E	कार्य पूर्ण करने की अवधि	18th Months
F	वेबसाईट पर निविदा प्रकाषन की तिथि	09.09.2024 समय 02:00 बजे अपराहन तक
G	निविदा प्राप्ति (ऑन लाईन बिडींग) की अन्तिम तिथि एवं समय	18.09.2024 समय 05:00 बजे अपराहन तक
H	सरकार के सचिव, सूचना प्रौद्योगिकी एवं ई0–गवर्नेस, झारखण्ड मंत्रालय, के ज्ञापांक–120 दिनांक 03.10.2023 के आलोक में विपत्र का मूल्य एवं अग्रधन की राषि Online जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	18.09.2024 समय 05:00 बजे अपराहन तक
I	तकनीकी बिड खोलने की तिथि एवं समय	19.09.2024 समय 05:00 बजे अपराहन तक
J	तकनीकी बिड खोलने का स्थान	कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चतरा।
K	निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम/पदनाम	ई0 मनोज कुमार मुण्डारी कार्यपालक अभियंता, पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चतरा।
L	निविदा आमंत्रित करने वाले कार्यालय का टेलिफोन संख्या	8002093156, 8851790994 एवं 06541–253273
M	ई–प्रोक्यूरमेन्ट सेल का हेल्प लाईन नं0	0651–2480345

नोट – केवल ई निविदा ही स्वीकार किये जायेंगे।

अधिक जानकारी के लिए वेबसाईट http://jharkhandtenders.gov.in पर देखा जा सकता है।

(ई0 मनोज कुमार मुण्डारी)
कार्यपालक अभियंता
पेयजल एवं स्वच्छता प्रमण्डल, चतरा।

PR.NO.334744 Drinking Water and Sanitation(24-25):D

झारखण्ड सरकार
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा

ई–प्रोक्युरमेंट सूचना

अतिअल्पकालीन ई० निविदा आमंत्रण सूचना संख्या RDD/SD/SIMDEGA/04//2024-25

1. कार्य की विस्तृत विवरणी :–

ग्रुप सं०	योजना का नाम	प्राक्कलित राशि (लाख में)	अग्रधन की राशि (रू० में)	परिमाण विपत्र का मूल्य (रू० में)	कार्य समाप्ति की अवधि
1	सिमडेगा जिला अन्तर्गत केरसई प्रखण्ड पहारसाड़ा रंगाटोली पथ में खालीजोर नदी पर पुल निर्माण।	361.46300	7.23000	10000.00	18 माह
2	सिमडेगा जिला अन्तर्गत केरसई प्रखण्ड मचियाघाट डीपाटोली में एलियस मारअर बांध के पास पुल निर्माण।	252.15300	5.04500	10000.00	18 माह
3	सिमडेगा जिला अन्तर्गत पाकरटांड़ प्रखण्ड पालामाड़ा नदी में जामटोली और धीरकटा गाँव के बीच पुल निर्माण।	296.28900	5.93000	10000.00	18 माह

2. वेबसाईट में निविदा प्रकाशन की तिथि – **13.09.2024 को 11:00 बजे पूर्वाह्न में।**
3. ई–निविदा प्राप्ति की तिथि एवं समय–**दिनांक 13.09.2024 से दिनांक 24.09.2024 को अपराह्न 3:00बजे तक**
4. ई–निविदा खोलने का स्थान –**कार्यपालक अभियंता का कार्यालय, ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा।**
5. ई–निविदा खोलने की तिथि एवं समय – **25.09.2024 अपराह्न 5:00 बजे**
6. ई–निविदा आमंत्रित करने वाले पदाधिकारी का नाम एवं पता :– **कार्यपालक अभियंता, ग्रामीण विकास विशेष प्रमंडल, सिमडेगा।**
7. ई–निविदा प्रकोश्ठ का दूरभाश सं० – **9060405905 (संबंधित कार्यपालक अभियंता का दूरभाश नम्बर)**
8- परिमाण विपत्र की राशि घट–बढ़ सकती है तदनुसार अग्रधन की राशि देय होगी।
9. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि केवल Online Mode द्वारा स्वीकार्य होगी।
10. निविदा शुल्क एवं अग्रधन की राशि का ई–भुगतान जिस खाता से किया जायेगा, उसी खाते में अग्रधन की राशि वापस होगी। अगर खाता को बंद कर दिया जाता है तो उसकी सारी जवाबदेही आपकी होगी।

विस्तृत जानकारी के लिये वेबसाईट www.jharkhandtenders.gov.in एवं कार्यालय की सूचना पट्ट पर देखा जा सकता है।

कार्यपालक अभियंता,
ग्रामीण विकास विशेष प्रमण्डल, सिमडेगा

PR 334656 Rural Development(24-25)#D

खबर संक्षेप

कमजोर हाजिर मांग से तांबा कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली। कमजोर हाजिर मांग के बीच कारोबारियों द्वारा अपने सौदों की कटान करने से वायदा कारोबार में बुधवार को तांबा की कीमत 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 789.45 रुपये प्रति किग्रा रह गई। तांबा अनुबंध की कीमत 4.30 रुपये अथवा 0.47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 789.45 रुपये प्रति किग्रा रह गई।

इकोस मोबिलिटी का शेयर पहले दिन 32 प्रतिशत चढ़ा

नई दिल्ली। ड्राइवर-चालित परिवहन समाधान प्रदाता इकोस मोबिलिटी एंड हॉस्पिटैलिटी लिमिटेड का शेयर बुधवार को बाजार में सूचीबद्ध होने के बाद अपने निर्गम मूल्य 334 रुपये से 32 प्रतिशत उछाल के साथ बंद हुआ। बीएसई पर कंपनी का शेयर निर्गम मूल्य से 17.15 प्रतिशत उछाल के साथ 391.30 रुपये पर सूचीबद्ध हुआ।

रुपया गिरावट के साथ 84.02 प्रति डॉलर पर बंद

मुंबई। निवेशकों द्वारा जोखिम वाली परिसंपत्तियों से दूरी बनाये रखने के कारण घरेलू शेयर बाजार में भारी गिरावट के बीच अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में बुधवार को डॉलर के मुकाबले रुपया चार पैसे की गिरावट के साथ 84.02 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। डॉलर के कमजोर होने तथा कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट ने रुपये के नुकसान पर कुछ अंकुश लगाया।

भारतीय स्पेस स्टार्टअप बना रहा फिर से इस्तेमाल होने वाले रॉकेट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

■ अगले साल ये रखा लक्ष्य

चेन्नई स्थित स्पेस टेक स्टार्टअप स्पेसजोन (इंडिया) ने पिछले महीने 24 अगस्त को देश का पहला दोबारा इस्तेमाल होने वाला हाइब्रिड रॉकेट लॉन्च किया था। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार, स्पेसजोन के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आनंद मेगालिंगम ने हाल ही में कहा है कि रीयूजेबल हाइब्रिड रॉकेट के सफल लॉन्च से राजस्व में 20 गुना वृद्धि हो सकती है। उन्होंने यह भी कहा है कि इससे कंपनी को निवेश हासिल करने में भी मदद मिल सकती है।

चेन्नई स्थित स्पेस स्टार्टअप चाहती है 50 करोड़ रुपये का निवेश

इतना राजस्व उत्पन्न कर सकती है कंपनी

आनंद ने कहा, हमने वित्त वर्ष 24 को 2.8 करोड़ रुपये के राजस्व के साथ बंद किया और हम इस वित्त वर्ष में पहले ही 5 करोड़ रुपये को पार कर चुके हैं। उन्होंने आगे कहा, हम अगले साल अलग-अलग पेलोड के साथ 10 रीयूजेबल रॉकेट लॉन्च करेंगे। हम कंपनियों के लिए लॉन्च सेवाओं का संचालन करके अगले वित्त वर्ष में 100 करोड़ रुपये का राजस्व उत्पन्न कर सकते हैं।

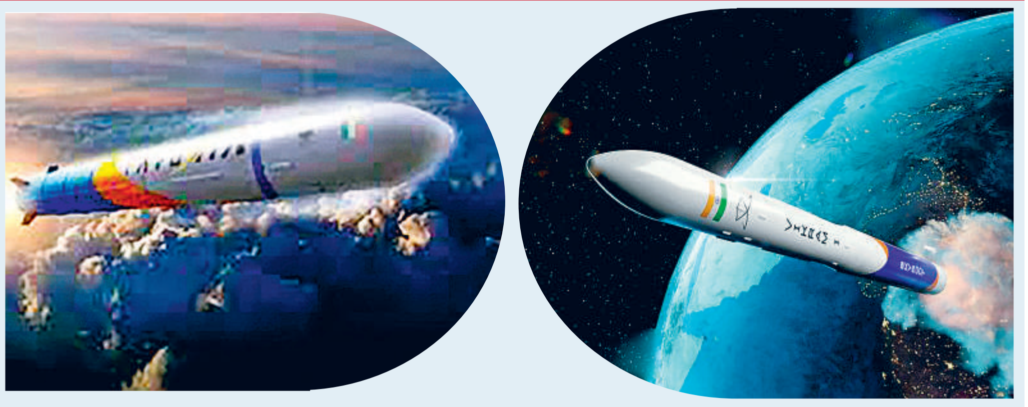

इतना हो सकता है कंपनी का मूल्यांकन

भारत के पहले रीयूजेबल रॉकेट रूमी-1 के लॉन्च और रिकवरी ने स्पेसजोन को आश्चर्यजनक ऊंचाइयों पर पहुंचाया और अब यह स्टार्टअप मूल्यांकन के दौर से गुजर रहा है।

आनंद ने कहा, "डिस्काउंटेड कैश फ्लो को शामिल करने के बाद हमारा मूल्यांकन लगभग 800 करोड़ रुपये हो सकता है। कंपनी को लाभ कमाने के लिए बस 1 साल में 8 लॉन्च की जरूरत है। इनमें से 2 लॉन्च क्रमशः 2026 और 2027 में होने वाले रूमी-2 और रूमी-3 होंगे।

इस्पात उद्योग की वृद्धि में आ रही समस्याओं पर की चर्चा

इस्पात आयात शुल्क बढ़ाकर 10-12 % करने वित्त मंत्रालय को मनाने का प्रयास करेंगे: कुमारस्वामी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

केंद्रीय इस्पात मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि वह वित्त मंत्रालय को इस्पात आयात पर शुल्क मौजूदा 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10-12 प्रतिशत करने के लिए मनाने की कोशिश करेंगे। मंत्री ने चीन द्वारा भारत में इस्पात की 'डंपिंग' के तरीके पर चिंता व्यक्त की और कहा कि पिछले दो महीनों में इस्पात उद्योग से जुड़े कई लोगों ने उनसे मुलाकात की और इस्पात उद्योग की वृद्धि में आ रही समस्याओं पर चर्चा की।

वित्त मंत्रालय को समझाने का प्रयास करूंगा

भारतीय इस्पात संघ द्वारा आयोजित पांचवें इस्पात सम्मेलन में उन्होंने कहा, " चीन के कारण आपको जो समस्याएं पेश हो रही हैं, उसके लिए मैं वित्त मंत्रालय को समझाने की कोशिश करूंगा कि वह इस्पात आयात पर शुल्क को 7.5 प्रतिशत से बढ़ाकर 10-12 प्रतिशत करने पर विचार करें। मंत्री ने वैश्विक मांग में मंदी खासकर चीन में मांग में कमी के प्रभाव जैसी चुनौतियों के प्रति सतर्क रहने की आवश्यकता पर भी जोर दिया।

स्वच्छ ईंधन पाने के लिए चुनौतियां

मंत्री ने कहा कि नवीनतम प्रौद्योगिकियों में निवेश और प्रक्रियाओं को अनुकूलित कर कार्बन उत्सर्जन को काफी कम किया जा सकता है। उन्होंने कहा, " इस्पात उत्पादन के लिए स्वच्छ ईंधन के रूप में हाइड्रोजन में अपार संभावनाएं हैं। हालांकि इसमें चुनौतियों का सामना करना होगा...हमें इसके व्यावसायीकरण में तेजी लाने के लिए अनुसंधान व विकास में निवेश करना होगा।

इस्पात उद्योग नई ऊंचाईयों की ओर

कुमारस्वामी ने कहा, " इस्पात मंत्रालय यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि इस्पात क्षेत्र में आत्मनिर्भर भारत की यात्रा निर्बाध बनी रहे। कुमारस्वामी ने कहा कि भारतीय इस्पात उद्योग नई ऊंचाइयों पर पहुंचने की कगार पर है। उन्होंने कहा, " हमने पिछले तीन वर्षों में मांग में दो अंकों की वृद्धि देखी है और यह इस वर्ष भी जारी है। इस्पात मंत्रालय भारतीय इस्पात की वृद्धि गाथा के प्रति आश्वस्त है। हालांकि, मैं भविष्य में पेश होने वाली चुनौतियों को भी समझता हूं।

सरकार एक-दो महीने में फेम-3 योजना को देगी मंजूरी

केंद्रीय भारी उद्योग मंत्री एच. डी. कुमारस्वामी ने बुधवार को कहा कि सरकार अपनी प्रमुख इलेक्ट्रिक परिवहन अपनाने वाली योजना 'फेम' के तीसरे चरण को एक या दो महीने में अंतिम रूप दे देगी। उन्होंने कहा कि एक अंतर-मंत्रालयी समूह इस योजना के लिए प्राप्त सुझावों पर गौर कर रहा है। इसके साथ ही (हाइब्रिड एवं) इलेक्ट्रिक वाहनों को तेजी से अपनाने व विनिर्माण (फेम) से जुड़ी योजना के पहले दो चरणों में पेश हुईं समस्याओं के समाधान के प्रयास भी जारी हैं। फेम-3 अस्थायी 'इलेक्ट्रिक मोबिलिटी प्रमोशन स्कीम' (ईएमपीएस) 2024 की जगह लेगी। इस योजना की अवधि सितंबर में समाप्त हो रही है।

खामियों को दूर करने चल रहा काम : कुमारस्वामी ने कहा, " फेम-3 पर कई सुझाव आ रहे हैं कि फेम-1 और फेम-2 में जो भी खामियां थीं उन्हें कैसे दूर किया जाए...हम इस पर काम कर रहे हैं। यहां तक कि प्रधानमंत्री कार्यालय ने भी कुछ सुझाव दिए हैं। इसके लिए हमारा अंतर-मंत्रालयी समूह काम कर रहा है।'

प्रस्ताव को केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास भेजा जाएगा : *यह पूछे जाने पर कि क्या फेम-3 प्रस्ताव को एक या दो महीने में मंजूरी के लिए केंद्रीय मंत्रिमंडल के पास भेजा जाएगा मंत्री ने कहा, " अब भी कई सुझाव आ रहे हैं। हमें उन सभी पर गौर करना होगा...जो भी सबसे सही और सकारात्मक तरीका है, हमें उसके हिसाब से निर्णय लेने होंगे।" वाहन उद्योग से कई अनुरोध मिले हैं। उन्होंने कहा, " हम उद्योग को मजबूत करने के लिए सब कुछ कर रहे हैं।"*

भारत में विमान विनिर्माण के लिए विशेष इकाई स्थापित करेगी सरकार : नायडू

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

■ सरकार भारत द्वारा विमान विनिर्माण के विचार को मजबूती से आगे बढ़ा रही

केंद्रीय नागर विमानन मंत्री के. राममोहन नायडू ने बुधवार को कहा कि सरकार भारत में विमान विनिर्माण की योजना को आगे बढ़ाने के लिए एक विशेष इकाई (एसपीवी) स्थापित करने पर विचार कर रही है। भारतीय वायुयान विधेयक-2024 को अगस्त में लोकसभा में पारित किया गया था। भारतीय वायुयान विधेयक-2024 का मकसद इसमें निरर्थक चीजों को दूर करना है। इसमें अभी तक 21 बार संशोधन किया जा चुका है। यह विमान अधिनियम 1934 की जगह लेगा। नायडू ने कहा कि इसमें विमान के 'डिजाइन' और विनिर्माण को विनियमित करने के प्रावधान शामिल हैं, जो आत्मनिर्भरता के लिए 'आत्मनिर्भर भारत' पहल का समर्थन करता है। सरकार भारत द्वारा विमान विनिर्माण के विचार को मजबूती से आगे बढ़ा रही है।'' उन्होंने कहा कि उद्योग के हितधारकों और अन्य लोगों के साथ मिलकर एक विशेष इकाई लगाई जाएगी।

भारतीय विमानन क्षेत्र बदलाव की ओर

उद्योग मंडल पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री द्वारा आयोजित एक सम्मेलन में नायडू ने कहा कि देश में रखरखाव, ओवरहाल तथा मरम्मत (एमआरओ) गतिविधियों के लिए अपार संभावनाएं हैं। उन्होंने कहा कि भारतीय विमानन क्षेत्र बदलाव की राह पर है और इसका मकसद देश को विमानन, हवाई मार्ग से ढुलाई और एमआरओ गतिविधियों का केन्द्र बनाना है।

सिंघानिया बिल्डकॉन ग्रुप का 'मेगा लोन मेला' कल से

रायपुर। रियल एस्टेट क्षेत्र की अग्रणी कंपनी सिंघानिया बिल्डकॉन ग्रुप ने रायपुर के लोगों को बेहतरीन रियल एस्टेट निवेश के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य से एक बड़ा ऑफर प्रस्तुत किया है। सिंघानिया बिल्डकॉन की ओर से 'मेगा लोन मेला' का आयोजन 6 से 8 सितंबर तक हीरापुर चौक स्थित हर्षित लैंडमार्क में किया जाएगा।

इस मेले का प्रमुख आकर्षण 'फ्लैट खरीदें, एक प्लॉट मुफ्त पाएं' स्कीम है। इसके अतिरिक्त खरीदारों को 1% तक ब्याज दर में छूट और मुफ्त डॉक्युमेंटेशन की सुविधा भी प्रदान की जाएगी। इसमें प्रोसेसिंग, बैंक स्टाम्प,

टेक्निकल और लीगल सहायता शामिल है। मेले में विशेष रूप से प्रीमियम 3 बीएचके और 4 बीएचके अपार्टमेंट्स उपलब्ध कराए जाएंगे, जो रेरा के अंतर्गत पंजीकृत हैं और खरीदारों को सुरक्षा और पारदर्शिता सुनिश्चित करते हैं। खरीदारों को प्रमुख बैंकों से ऋण सेवाएं भी प्राप्त होंगी। जिनमें एसबीआई, एचडीएफसी, एक्सिस, पीएनबी, एलआईसी हाउसिंग फाइनेंस, बैंक ऑफ बड़ौदा, यूनियन बैंक और आईडीबीआई बैंक शामिल हैं। यह फाइनेंसिंग विकल्प खरीदारों को लचीले भुगतान की सुविधा प्रदान करेंगे।

निर्यातकों के लिए ब्याज समानीकरण योजना 30 सितंबर तक बढ़ाई गई

नई दिल्ली। सरकार ने एमएसएमई निर्यातकों के लिए निर्यात से पहले और बाद में रुपये में लिए जाने वाले कर्ज पर ब्याज समानीकरण योजना की अवधि 30 सितंबर 2024 तक बढ़ा दी है। इस योजना का मकसद निर्यात को प्रोत्साहन देना है। निर्यातकों को ब्याज लाभ प्रदान करने वाली यह योजना 31 अगस्त को समाप्त हो गई थी।

दोपहिया खरीदारों को कम कीमत पर हेलमेट उपलब्ध कराएं कंपनियां : गडकरी

नई दिल्ली। सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने दोपहिया वाहन विनिर्माताओं से वाहन खरीदारों को छूट या उचित दर पर हेलमेट उपलब्ध कराने का अनुरोध किया। गडकरी ने यहां एक कार्यक्रम में कहा कि दोपहिया वाहन निर्माताओं से अनुरोध करने के बारे में सोच रहा हूं। अगर वे वाहन खरीदने वालों को हेलमेट पर कुछ उचित छूट दे सकें तो लोगों की जान हम बचा सकते हैं। इसके साथ ही गडकरी ने स्कूल बसों के लिए पार्किंग व्यवस्था की योजना बनाने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा कि मोटर वाहन (संशोधन) अधिनियम 2019 में यातायात उल्लंघनों पर भारी जुर्माने का प्रावधान किया गया है, लेकिन असल में इन्हें प्रभावी ढंग से लागू करना एक बड़ी चुनौती है। गडकरी ने कहा कि वह सुरक्षित यातायात को बढ़ावा देने के लिए देश के हर तालुका में ड्राइविंग स्कूल खोलना चाहते हैं। कि कई लोग हेलमेट नहीं पहनने के कारण सड़क दुर्घटनाओं में अपनी जान गंवा देते हैं। वर्ष 2022 में हुए सड़क हादसों में 50,029 लोगों की मौत हेलमेट नहीं पहनने की वजह से हो गई थी।

कैपिटलैंड की वर्ष 2028 तक कोष दोगुना करने की योजना

मुंबई। सिंगापुर की रियल एस्टेट निवेश कंपनी कैपिटलैंड इन्वेस्टमेंट लिमिटेड ने बुधवार को कहा कि वह भारत में अपने प्रबंधन-अधीन कोष को वर्ष 2028 तक दोगुने से भी अधिक करना चाहती है।

गुरु घासीदास विश्वविद्यालय, बिलासपुर (छ.ग.)
केंद्रीय विश्वविद्यालय अधिनियम 2009 के अंतर्गत स्थापित विश्वविद्यालय कोनी, बिलासपुर - 495009 (छ.ग.) दूरभाष : 07752-260017, 260368,260376 फैक्स : 07752-260154, वेबसाइट : www.new.ggu.ac.in

GURU GHASIDAS VISHWAVIDYALAYA, BILASPUR (C.G.)
A Central University established by the Central Universities Act, 2009 Koni, Bilaspur - 495009 (C.G.) Phone 07752-260017,260368, 260376, FAX: 07752-260154, Website: www.new.ggu.ac.in

क्र. 205/भर्ती/प्रशा./2024 **विभिन्न सांविधिक एवं अन्य गैर शैक्षणिक पदो का विज्ञापन** बिलासपुर, दिनाँक 04.09.2024

विश्वविद्यालय के विभिन्न विभिन्न सांविधिक एवं अन्य गैर शैक्षणिक पदों हेतु ऑन-लाईन आवेदन आमंत्रित किये जाते है:- 01 विज्ञापन अवधि में निर्धारित प्रारुप में विधिवत भरे हुये आवेदन केवल आनलाईन माध्यम से दिनॉक 04.10.2024 तक भरे जाने है। 02. रिक्त पदों की संख्या, न्यूनतम अर्हता, सामान्य अनुदेश विश्वविद्यालय की वेबसाईट www.new.ggu.ac.in पर प्रदर्शित है। 03. इच्छुक आवेदकों को आवेदन करते समय निर्धारित शैक्षणिक योग्यता, कार्यानुभव इत्यादि के स्पष्ट सुसंगत अभिलेख अपलोड करना अनिवार्य है, अन्यथा प्रस्तुत आवेदन पर विचार नहीं किया जायेगा। 04. निर्धारित अप्रतिदेय आवेदन शुल्क समूह अ पदों के लिये रु. 2500/- (अजा/अजजा/दिव्यांग एवं महिला अभ्यर्थियों के लिये रु 1,000/-) और समूह ब एवं स के पदो हेतु 500/-(अजा/अजजा / दिव्यांग एवं महिला अभ्यर्थियों के लिये निशुल्क) 05. अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति/अन्य पिछड़ा वर्ग/दिव्यांग/आर्थिक रुप से कमजोर वर्ग के अभ्यर्थियों को भारत सरकार/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के नियमों के अनुसार आरक्षण एवं छूट प्रदान की जायेगी। 06. विज्ञापन में अलग-अलग श्रेणियों के अंतर्गत विभिन्न पदों में शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार/विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के निर्देशानुसार (यदि कोई हो तो), रिक्त पदों (रोस्टर) में परिवर्तन किया जा सकेगा। 07. इस विज्ञापन से संबंधित सूचनायें, परिवर्तन अथवा संशोधन की जानकारी केवल विश्वविद्यालय के वेबपटल पर प्रदर्शित की जायेगी। अत: इच्छुक अभ्यर्थियों को सलाह दी जाती है कि अधिक जानकारी के लिये विश्वविद्यालय की वेबपटल का नियमित अवलोकन करें एवं अपने आपको अद्यतन रखें।

कुलसचिव

छत्तीसगढ़ शासन, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग धमतरी वनमंडल धमतरी

काष्ठागार नीलाम का संक्षिप्त विज्ञापन

सर्व साधारण को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है, कि धमतरी वनमंडल धमतरी के अन्तर्गत नगरी काष्ठागार में संग्रहित ईमारती काष्ठ, जलाऊ एवं बल्ली का घोष विक्रय द्वारा निर्वर्तन निम्नानुसार किया जावेगा। इच्छुक बोलीदारों से अनुरोध है, कि वे घोष विक्रय में भाग लेवें। घोष विक्रय की शर्ते एवं अन्य जानकारी कार्यालयीन दिवस व समय पर वनमंडल कार्यालय/वन काष्ठागार नगरी से प्राप्त की जा सकती है। कृपया बोली लगाने से पूर्व वनोपज का स्वतः स्थल निरीक्षण कर लेवे।

नीलाम स्थल का नाम - नगरी काष्ठागार (नीलाम हॉल)
नीलाम दिनांक - 11 सितम्बर 2024
नीलाम समय - प्रातः 9.00 बजे से

नीलाम में प्रस्तावित वनोपज की अनुमानित मात्रा

प्रजाति	नया वनोपज		अविक्रित वनोपज		योग वनोपज	
	ईमारती (घ.मी.)	बल्ली डेंगरी (नग)	ईमारती (घ.मी.)	बल्ली डेंगरी (नग)	ईमारती (घ.मी.)	बल्ली डेंगरी (नग)
सागौन	-	-	638.877	3981	638.877	3981
साल	68.058	-	820.682	226	888.74	226
साजा	60.546	-	52.656	203	113.202	203
बीजा	51.147	-	24.88	-	76.027	-
तिन्सा	11.225	-	0.634	-	11.859	-
शीशम	0.641	15	2.797	-	3.438	15
हल्दू / मुण्डी / खम्हार	12.886	-	22.408	-	35.294	-
सलई / मोयन	32.737	-	0.440	-	33.177	-
धावड़ा	16.618	-	5.394	-	22.012	-
कर्रा / सेन्हा / अन्य	234.677	-	263.695	79	498.372	79
योगः-	**488.535**	**15**	**1832.463**	**4489**	**2320.998**	**4504**
साल जलाऊ	-	295.00	-	-	-	295.00
मिक्स जलाऊ	-	63.00	-	-	-	63.00

टीपः- (1) किसी भी व्यक्ति को नीलाम में बोली लगाने के पूर्व नीलाम की शर्तो का पालन करने के करार के प्रतीक स्वरूप विक्रय सूचना पर अपना हस्ताक्षर करना होगा तथा प्रत्येक लाट के संबंध में बोली लगाने के पूर्व जिस सीमा तक वह बोली लगाना चाहता हो उसके 10% के बराबर राशि या 1000/- (एक हजार) रूपये इसमें से जो भी अधिक हो की बयाने की राशि जमा करना होगा। (2) घोष विक्रय हेतु निर्धारित शर्तो के तहत सत्यंकार जमा करने वाला व्यक्ति/ संस्थान, छत्तीसगढ़ काष्ठ नियम 7 के अन्तर्गत प्रदेश के अधीन किसी क्षेत्रीय वनमण्डल में विनिर्माता, व्यवसायी या उपभोक्ता के रूप में पंजीकृत हों, जिसकी छायाप्रति सत्यंकार राशि जमा करते समय अनिवार्य रूप से जमा करावें, शर्त के पालन होने की स्थिति में ही इच्छुक व्यक्ति/संस्थान ही घोष विक्रय में भाग ले पायेंगे। पंजीकृत नही होने पर उन्हें पंजीयन कार्यवाही वनमण्डल कार्यालय से अनिवार्य रूप से कराना होगा। (3) समस्त क्रेताओं को सूचित किया जाता है कि संबंधित फर्म का पूर्ण डाक पता पेन नम्बर, जी. एस. टी. नम्बर एवं मोबाईल नम्बर ई.एम.डी. कक्ष में सुचारू रूप से कार्य संचालन हेतु अंकित कराना अनिवार्य है। (4) नीलाम में क्रय किये गये लाटों का विक्रय मूल्य सहित विवरण ई. एम. डी. जमा पर्ची के पीछे अनिवार्य रूप से दर्ज करना होगा।

फोन - 07722-238371
फैक्स — 07722-236137

वनमंडलाधिकारी
धमतरी वनमंडल धमतरी

G-242502208/2

कार्यालय पुलिस अधीक्षक, जिला धमतरी (छ. ग.)
दूरभाष क्रं. 07782-238265, (कार्या.) फैक्स नं. -238390
ई-मेल spdhamtari.cg@gov.in

क्रमांकः-पुअ/धम/रनि/स्टोर/ 2394 / 24 दिनांकः 29.08.2024

अनुपयोगी फर्नीचर एवं उपकरण के विक्रय हेतु निविदा आमंत्रण सूचना

पुलिस अधीक्षक कार्यालय धमतरी की ओर से इकाई के थाने / चौकियों व कार्यालयों के पुराने व वर्तमान में अनुपयोगी फर्नीचर एवं उपकरणों की नीलामी कर विक्रय किया जाना है, इस हेतु मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती हैं। उक्त सामग्रीयों को फार्म विक्रय की तिथी तक कार्यालयीन समय में देखा जा सकता है। निविदा प्रपत्र एवं शर्ते कार्यालय रक्षित निरीक्षक रक्षित केन्द्र धमतरी से रूपये 300.00 नगद भुगतान कर कार्यालयीन दिवस में प्राप्त किये जा सकते है।

निविदा विक्रय की अंतिम तिथी : 25.09.2024 समय 05:00 बजे (अपराहन) तक
निविदा जमा करने की अंतिम तिथी : 26.09.2024 समय 03:00 बजे (अपराहन) तक
निविदा खोलने की तिथी : 26.09.2024 समय 04:00 बजे (अपराहन)

पुलिस अधीक्षक
जिला-धमतरी (छ.ग.)

G- 242502216/2

कार्यालय नगर पालिक निगम, बिलासपुर (छ.ग.)

निविदा आमंत्रण सूचना

क्र. 115/न.पा.नि./विज्ञापन शाखा/2024 बिलासपुर दिनांक 04/09/2024

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पालिक निगम बिलासपुर सीमा क्षेत्र अंतर्गत विभिन्न सड़कों में पीपीपी मोड पर यूनीपोल स्थापना एवं विज्ञापन प्रदर्शन तथा रखरखाव के कार्य हेतु इच्छुक पंजीकृत फर्मों/व्यक्तियों/एजेन्सियों से सीलबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। सभी निविदाएं स्पीड पोस्ट/पंजीकृत डाक के माध्यम से ही दिनांक 27/09/2024 सायंकाल 5:00 बजे तक नगर पालिक निगम विकास भवन बिलासपुर में स्वीकार की जावेगी। प्राप्त सीलबंद निविदाएं दिनांक 27/09/2024 को सायंकाल 5.30 बजे विकास भवन कार्यालय में खोली जायेगी। निविदा आवेदन पत्र प्राप्त करने की अंतिम तिथि 25/09/2024 सायंकाल 5.00 बजे है। अन्य जानकारी वेब पोर्टल www.bilaspurnagarnigam.com से एवं नगर निगम विकास भवन तृतीय तल स्थित विज्ञापन शाखा से कार्यालयीन समय में प्राप्त की जा सकती है।

वृक्षारोपण कार्य महान, एक वृक्ष सौ पुत्र समान

अपर आयुक्त
न.पा.नि. बिलासपुर

कार्यालय सेनानी, प्रथम वाहिनी, छत्तीसगढ़ सशस्त्र बल, भिलाई

क्रमांक- प्रथम बटा / छसबल / भि/साअ /383- ए /2024, दिनांक- 30/08/2024

निविदा विज्ञप्ति

छत्तीसगढ़ पुलिस की 35 पुरूष बैण्ड दस्ता (बैगपाईपर इंस्ट्रूमेंट) के लिए पोशाक क्रय बाबत मोहरबंद निविदाएं आमंत्रित की जाती है। प्रत्येक निविदा प्रपत्र का मूल्य 750/- (सात सौ पचास) तथा निविदा के अनुसार छत्तीसगढ़ पुलिस की 35 पुरूष बैण्ड दस्ता (बैगपाईपर इंस्ट्रमेंट) के लिए पोशाक क्रय हेतु सीलबन्द लिफाफे के उपर निविदा सूचना क्रमांक तथा निविदाकर्ता का पूरा नाम / पता सहित कार्यालय में उचित माध्यम से जमा करें।

क्र.	कार्य का नाम	कार्य की अनुमानित राशि	धरोहर राशि
1	छत्तीसगढ़ पुलिस की 35 पुरूष बैण्ड दस्ता (बैगपाईपर इंस्ट्रूमेंट) के लिए पोशाक क्रय	6.55.000/-	19650/-

निविदा प्रापत्र अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय से आवेदन पत्र (आयकर प्रमाण पत्र संहित) के साथ रूपये 750/- कोषालय में लेखा शीर्ष 0055 पुलिस मिसलिनियस रिसिप्ट 800 के अर्न्तगत सेनानी, प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला-दुर्ग छ.ग. के नाम से जमा कर चालान की मूल प्रति सेनानी, प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई, जिला-दुर्ग छ.ग. को प्रस्तुत कर कार्यालयीन दिवस में निविदा फार्म प्राप्त किये जा सकते है।

निविदा की समय सारणी

1	**निविदा फार्म जमा करने का पता**	**कार्यालय, सेनानी प्रथम वाहिनी छसबल, भिलाई (छ.ग.)**
2	निविदा फार्म प्राप्त करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 09.09.2024 को 17.00 बजे तक
3	निविदा फार्म जमा करने की अंतिम तिथि व समय	दिनांक 20.09.2024 को समय 15.00 बजे तक
4	टेक्निकल बिड जमा किये जाने का स्थान, समय एवं तिथि	कार्यालय, सेनानी प्रथम वाहिनी छसबल, भिलाई, (छ.ग.) दिनांक 20.09.2024 को समय 15.00 बजे तक
5	फायनेंसियल बिड खोले जाने का स्थान, समय एवं तिथि	पृथक से सूचित किया जावेगा
6	बिड की वैद्यता	31.03.2025 तक

नोट :- 01. किन्ही कारणों से यदि निविदा खोलने की तिथि को अवकाश घोषित किया जाता है, तो दूसरे कार्यालयीन दिवस पर निविदा खोली जावेगी। 02. डाक द्वारा भेजा गया निविदा स्वीकार नहीं किया जावेगा।

सेनानी,
प्रथम वाहिनी, छसबल, भिलाई

G-242502219/2

कार्यालय मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जिला कबीरधाम छ.ग.

क्रमांक./स्थापना अविज्ञप्त/सीधी भर्ती /2024/5752

कबीरधाम दिनांक 03 SEP 2024

// सूचना //

कार्यालीयन सूचना पत्र क्रमांक / स्था. अवि. / सीधी भर्ती / 2024 / 4988 कबीरधाम दिनांक 29.07.2024 के तहत ग्रामीण स्वास्थ्य संयोजक महिला, ड्रेसर ग्रेड 01 एवं ड्रेसर ग्रेड 02 के पदों की मेरिट सूची तथा संवर्ग वार सूची जारी किया गया था, कार्यालीयन सूचना पत्र क्रमांक / स्था. अवि. / सीधी भर्ती /2024/5095 कबीरधाम दिनांक 01.08.2024 के तहत उक्त पदो की संवर्गवार सूची के आधार पर दिनांक 06 एवं 07 अगस्त 2024 को दस्तावेज सत्यापन हेतु आमंत्रित किया गया था।

अतएव दस्तावेज सत्यापन उपरांत विभागीय चयन समिति का बैठक आयोजित किया गया। जिसमें विभागीय चयन समिति द्वारा दस्तावेज सत्यापन का परीक्षण कर प्राप्त दावा-आपत्ति का निराकरण करते हुए अंतिम मेरिट सूची संवर्गवार पर अंतिम चयन सह प्रतिक्षा सूची की जानकारी जिले के वेबसाईट http://kawardha.gov.in एवं विभागीय वेबसाईट www.cghealth.nic.in पर अपलोड एवं कार्यालयीन सूचना पटल पर चस्पा कर दी गई है।

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी
जिला कबीरधाम छ. ग.

G-242502242/2

कार्यालय कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी (सामान्य) उत्तर बस्तर कांकेर
कार्यालयीन दूरभाष/ फैक्स- 07868-241019,
E-mail - election.kanker@gmail.com & deo-kanker.cg@nic.in

// निविदा सूचना //

क्रमांक / सा.निर्वा./निर्वा.नामा. /निविदा/2024/ 5466
कांकेर, दिनांक 02 सितम्बर, 2024

कांकेर जिले के तीनों विधानसभा निर्वाचन क्षेत्र के फोटोयुक्त मतदाता सूची का लेजर प्रिंट कार्य हेतु इच्छुक फर्मो से निविदा एक वर्ष के रेट कॉन्ट्रेक्ट के लिए आमंत्रित की जाती है। निविदा फार्म 500/- रूपये (पॉच सौ रूपये मात्र/-) चालान के माध्यम से शीर्ष 0070- अन्य प्रशासनिक सेवाओं से प्राप्तियाँ, 02 - चुनाव, 101 - चुनाव फॉर्मो दस्तावेजों से बिक्री से आय, शीर्ष में जमा कर जिला निर्वाचन कार्यालय (सामान्य) कांकेर में निविदा प्रकाशन तिथि से दिनांक 25.09.2024 को अपराह्न 02.00 बजे तक प्राप्त किया जा सकता है। निर्धारित फॉर्म में पूर्ण रूप से भरी निविदा बंद लिफाफे में जिला निर्वाचन कार्यालय में दिनांक 25.09.2024 को अपराह्न 03.00 बजे तक जमा की जा सकती है और उसी दिन सायं 05.00 बजे कार्यालय में उपस्थित निविदाकारों या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष समिति द्वारा खोली जावेगी। निविदा से संबंधित विस्तृत जानकारी कांकेर जिले के वेबसाईट www.kanker.gov.in में अथवा जिला निर्वाचन कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है।

कलेक्टर
एवं जिला निर्वाचन अधिकारी
उत्तर बस्तर कांकेर

G- 242502197/1

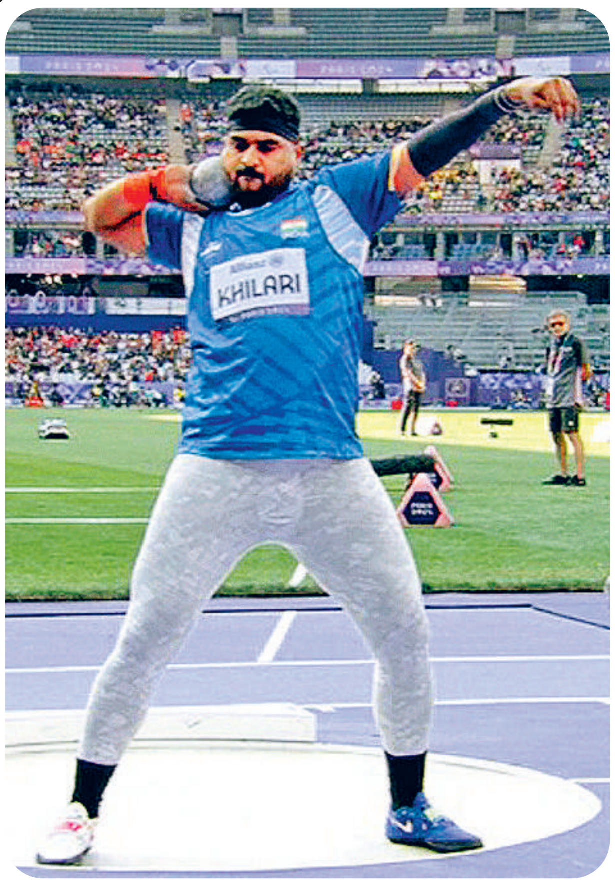

विश्व चैंपियन ने जीता रजत

विश्व चैंपियन सचिन सरजेराव खिलाड़ी ने पेरिस पैरालंपिक में पुरुषों की शॉटपुट एफ46 स्पर्धा में एशियाई रिकॉर्ड 16.32 मीटर के थ्रो के साथ रजत पदक जीता। 34 वर्ष के खिलाड़ी ने दूसरे प्रयास में सर्वश्रेष्ठ थ्रो फेंका और मई में जापान में विश्व पैरा एथलेटिक्स चैम्पियनशिप में स्वर्ण पदक जीतने वाले 16.30 मीटर के अपने ही एशियाई रिकॉर्ड को बेहतर किया ।

स्वर्ण... रजत... के बाद इस बार जीता कांस्य
थंगावेलु ने पैरालंपिक में लगाई पदक की हैट्रिक

एजेंसी ▶▶ पेरिस

पैरालंपिक खेलों में भारत के लिए मंगलवार रात और बुधवार का दिन शानदार रहा। मरियप्पन थंगावेलु लगातार तीसरे पैरालंपिक खेलों में पदक जीतने वाले पहले भारतीय एथलीट बन गए हैं। उन्होंने 2016 में स्वर्ण, 2020 में रजत और इस बार कांस्य जीता है। अमेरिका के एज्रा फ्रेच ने 1.94 मीटर की नई पैरालंपिक रिकॉर्ड छलांग लगाकर गोल्ड जीता। शरद कुमार ने पिछले पैरालंपिक खेलों में भी कांस्य पदक जीता था और इस बार उन्होंने अपने प्रदर्शन में सुधार करते हुए रजत पदक जीता। भारतीय पैरा एथलीटों ने पुरुषों की ऊंची कूद के एक ही इवेंट में दो पदक अपने नाम किए। शरद कुमार ने रजत पदक जीता तो मरियप्पन थंगावेलु ने कांस्य पर कब्जा जमाया। पुरुषों की ऊंची कूद के टी63 कैटेगरी में शरद कुमार ने 1.88 मीटर की छलांग लगाकर दूसरे नंबर पर रहे। वहीं, मरियप्पन थंगावेलु ने 1.85 मीटर की छलांग के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। गोला फेंक में सचिन खिलाड़ी ने रजत पदक पर कब्जा जमाया।

21 पदकों के साथ तालिका में 12वें स्थान पर पहुंचा भारत

मरियप्पन थंगावेल

शैलेश कुमार चौथे नंबर पर रहे

मरियप्पन थंगावेलु, शैलेश कुमार और शरद कुमार तीनों ही पदक की दौड़ में थे। शैलेश कुमार चौथे नंबर पर रहे और मेडल जीतने से चूक गए। उनकी बेस्ट छलांग 1.85 मीटर की रही। यह उनका पर्सनल बेस्ट प्रदर्शन भी है। शरद कुमार ने 1.88 मीटर की छलांग के साथ टी42 इवेंट का पैरालंपिक रिकॉर्ड अपने नाम कर लिया। इस इवेंट में टी42 के साथ ही टी63 कैटेगरी के एथलीट हिस्सा लेते हैं।

भारत के 20 मेडल पूरे

मंगलवार को दल ने 5 पदक अपने नाम किए। शरद और मरियप्पन के अलावा अजीत सिंह और सुंदर सिंह गुर्जर ने पुरुषों की भाला फेंक एफ46 स्पर्धा में सिल्वर और ब्रॉन्ज मेडल जीते। इससे कुछ देर पहले दीप्ति जीवनजी ने महिलाओं की 400 मीटर - टी20 में ब्रॉन्ज जीता था। इससे पहले सोमवार को भारत के खाते में 10 मेडल आए थे। भारत के पेरिस पैरालंपिक में अभी तक कुल 20 मेडल हो चुके हैं। इससे पहले तोक्यो में भारत ने सबसे ज्यादा 19 मेडल जीते थे।

बीसीसीआई चयन समिति में अजय रात्रा शामिल

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ने पूर्व भारतीय क्रिकेटर अजय रत्रा को पुरुष चयन समिति में नए सदस्य के तौर पर शामिल किया है। रात्रा अजीत अगरकर की अगुआई वाली चयन समिति में सलिल अंकोला की जगह लेंगे और बांग्लादेश के खिलाफ 19 सितंबर से शुरू हो रही दो मैचों की टेस्ट सीरीज को देखते हुए पद संभालेंगे। पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज रत्रा के पास घरेलू और अंतरराष्ट्रीय का काफी अनुभव है। रात्रा ने भारत के लिए छह टेस्ट और 12 वनडे मुकाबले खेले हैं। उन्होंने प्रथम श्रेणी क्रिकेट में हरियाणा का प्रतिनिधित्व किया है और 90 से ज्यादा प्रथम श्रेणी मैच खेले हैं और करीब चार हजार रन बनाए हैं। इसके अलावा विकेट के पीछे 240 शिकार भी किए हैं। बीसीसीआई ने बयान जारी कर कहा, एक चयनकर्ता के रूप में रत्रा अगली पीढ़ी के क्रिकेटरों की पहचान करने और उनका समर्थन करने के लिए चयन समिति के मौजूदा सदस्यों के साथ काम करेंगे जो वैश्विक मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। रात्रा के पास असम, पंजाब और उत्तर प्रदेश के मुख्य कोच के रूप में काम करने का व्यापक कोचिंग अनुभव है। वह 2023 में दक्षिण अफ्रीका में वनडे सीरीज के दौरान भारतीय टीम के कोचिंग स्टाफ का भी हिस्सा थे।

आज पद संभालेंगे रात्रा

परंपरा के अनुसार सभी पांच चयनकर्ता अलग-अलग क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व करते हैं और अजीत अगरकर की अध्यक्षता वाली समिति में रात्रा उत्तर क्षेत्र का प्रतिनिधित्व करेंगे। पिछले साल अगरकर को मुख्य चयनकर्ता नियुक्त किए जाने के बाद चयन पैनल में पश्चिम क्षेत्र से दो चयनकर्ता थे। अंकोला पहले से ही समिति का हिस्सा थे। भारत को 19 सितंबर से बांग्लादेश के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की सीरी खेलनी है। हालांकि रात्रा गुरुवार से पद संभालेंगे जब दलीप ट्रॉफी शुरू होगी।

खबर संक्षेप

मैंने स्पिनरों के खिलाफ डिफेंस पर काम किया

बेंगलुरु। शुभमन गिल समझते हैं कि उनका टेस्ट करियर अभी तक उम्मीदों के मुताबिक शिखर पर नहीं पहुंचा है। बाएं हाथ के इस बल्लेबाज को आगामी सत्र में होने वाले पारंपरिक प्रारूप के 10 मुकाबलों में स्पिनरों के खिलाफ अपने डिफेंस में सुधार की उम्मीद है। गिल ने इस साल इंग्लैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में करीब 500 रन बनाए हैं जो अभी तक टेस्ट क्रिकेट में उनका अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन था।

किशन का पहले मैच में खेलना मुश्किल

बेंगलुरु। विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन का हैमस्ट्रिंग चोट के कारण गुरुवार को यहां दलीप ट्राफी के पहले दौर में खेलना संदिग्ध लग रहा है। किशन को श्रेयस अय्यर की कप्तानी वाली भारत डी में शामिल किया गया है जो पहले दौर में अनंतपुर में भारत सी से भिड़ेगी। पता चला है कि किशन को हाल में कोयंबटूर में बुची बाबू आमंत्रण टूर्नामेंट में झारखंड के लिए खेलते हुए चोट लग गई थी।

नवारो-सबालेंका और टियाफो-फ्रिट्ज़ में होगी यूएस ओपन की अंतिम 4 जंग

18 वर्षों में पहली बार कोई अमेरिकी खिलाड़ी फाइनल में बनाएगा जगह

एजेंसी ▶▶ न्यूयॉर्क

अमेरिका की एम्मा नवारो ने अपना शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट के महिला एकल के सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां उनका सामना आर्यना सबालेंका से होगा। पुरुष वर्ग में अमेरिका के दो खिलाड़ियों 20वीं वरीयता प्राप्त फ्रांसिस टियाफो और 12वीं वरीयता प्राप्त टेलर फ्रिट्ज ने सेमीफाइनल में जगह बनाई जहां यह दोनों आमने-सामने होंगे। इससे यह सुनिश्चित हो गया कि 18 वर्षों में पहली बार अमेरिका का कोई खिलाड़ी पुरुष एकल के फाइनल में जगह बनाएगा। पहली बार किसी ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट के अंतिम चार में पहुंचने वाली 13वीं वरीयता प्राप्त नवारो ने मंगलवार को फ्लशिंग मीडोज में हमवतन पाउला बडोसा को 6-2, 7-5 से हराया। नवारो क्वार्टर फाइनल के इस मैच के दूसरे सेट में एक समय पीछे चल रही थी लेकिन उन्होंने आखिरी छह गेम जीत कर पासा पलट दिया। उन्होंने पिछले मैच में गत चैंपियन कोको गॉफ के खिलाफ भी इसी तरह का प्रदर्शन किया था।

सबालेंका की आसान जीत

दूसरी वरीयता प्राप्त सबालेंका को पिछले महीने पेरिस ओलंपिक के स्वर्ण पदक जीतने वाली सातवीं वरीयता प्राप्त झेंग क्विनवेन को 6-1, 6-2 से पराजित करने में किसी तरह की परेशानी नहीं हुई। दिग्गज टेनिस खिलाड़ी रोजर फेडरर भी इस मैच के गवाह बने। संन्यास लेने के बाद पहली बार वह दर्शक के रूप में अमेरिकी ओपन में पहुंचे थे। ऑस्ट्रेलियाई ओपन चैंपियन सबालेंका साल का दूसरा और कुल मिलाकर तीसरा ग्रैंड स्लैम टूर्नामेंट जीतने की कवायद में हैं। वह अमेरिकी ओपन में लगातार चौथी बार सेमीफाइनल में पहुंची हैं। सबालेंका पिछले साल उपविजेता रही थी।

बोपन्ना और सुत्जियादी की जोड़ी हारी

न्यूयॉर्क। भारतीय टेनिस स्टार रोहन बोपन्ना और उनकी इंडोनेशियाई जोड़ीदार अल्डिला सुत्जियादी यहां मिश्रित युगल के सेमीफाइनल में डोनाल्ड यंग और टेलर टाउनसेंड की अमेरिकी जोड़ी से 3-6, 4-6 से हारकर अमेरिकी ओपन टेनिस टूर्नामेंट से बाहर हो गए। भारत और इंडोनेशिया की जोड़ी ने इससे पहले एक घंटे 30 मिनट से अधिक समय तक चले क्वार्टर फाइनल मैच में मैथ्यू एबडेन और चेक गणराज्य की बारबोरा क्रेजिसिकोवा को हराया था। 44 वर्षीय बोपन्ना पहले ही पुरुष युगल से बाहर हो गए थे। उनकी और एबडेन की जोड़ी तीसरे दौर में मैक्सिमो गोंजालेज और आंद्रेस मोल्टेनी की अर्जेंटीना की 16वीं वरीय जोड़ी से 1-6, 5-7 से हार गई थी। इससे पहले टूर्नामेंट में, सुमित नागल पुरुष एकल के पहले दौर में हार गए थे, जबकि युकी भांबरी और एन श्रीराम बालाजी भी पुरुष युगल के अलग-अलग चरणों में हारकर बाहर हो गए थे।

पाक हॉकी टीम के मुख्य कोच बने ताहिर

कराची। पूर्व ओलंपियन ताहिर जमां को पाकिस्तान हॉकी टीम का नया मुख्य कोच बनाया गया है जो चीन में एशियाई चैम्पियंस ट्रॉफी में टीम से जुड़ेंगे। टूर्नामेंट आठ सितंबर से शुरू होगा। पाकिस्तान हॉकी महासंघ के साथ अल्पकालिक करार से रोलेंट ओल्टमेंस के इनकार के बाद आनन फानन में यह नियुक्ति की गई है। पिछले दो अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट में पाकिस्तानी टीम के साथ रहे ओल्टमेंस को चीन में टीम से जुड़ना था लेकिन उन्होंने ऐन मौके पर दीर्घकालिन करार की मांग की।

भारत की अगुवाई करेंगे शरत-मनिका

नई दिल्ली। अनुभवी शरत कमल और स्टार महिला खिलाड़ी मनिका बत्रा अस्ताना में सात से 13 अक्टूबर तक चलने वाली 27वीं एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में भारतीय टीम की अगुवाई करेंगे। पुरुष टीम के कप्तान 42 वर्षीय शरत हैं जिन्होंने हाल में अपने पांचवें और अंतिम ओलंपिक में हिस्सा लिया था। टीम में उनके अलावा मानव ठक्कर, हरमीत देसाई, जी साथियान और मानुश शाह शामिल हैं। मनिका महिला टीम की अगुवाई करेंगी जिसमें श्रीजा अकुला, अयहिका मुखर्जी, दिया चिताले और सुतिर्था मुखर्जी शामिल हैं।

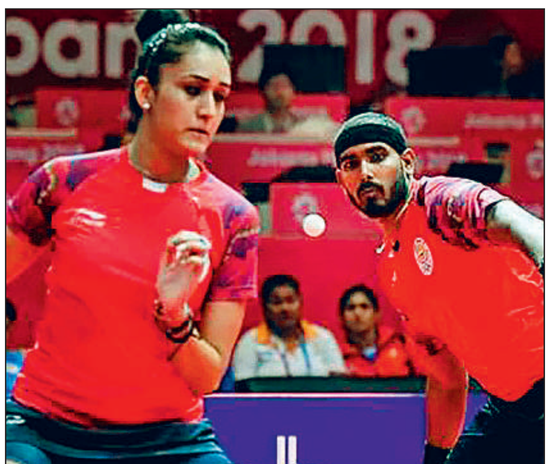

प्रांजलि धूमल ने विश्व बधिर चैंपियनशिप में जीता कांस्य

नई दिल्ली। भारत की प्रांजलि धूमल ने जर्मनी के हनोवर में विश्व बधिर निशानेबाजी चैंपियनशिप में महिलाओं के 25 मीटर पिस्टल वर्ग में कांस्य पदक जीता। प्रांजलि ने बधिर विश्व रिकार्ड और चैंपियनशिप रिकॉर्ड के साथ 571 स्कोर करके फाइनल में जगह बनाई थी। फाइनल में उन्होंने आठवीं सीरिज में पांच में से

तीन निशाने लगाकर क्रोएशिया की लाना एस को एक अंक से हराया। उनका स्कोर 29 रहा। यूक्रेन की सोफिया ओलेनिच और हालिना मोसिना को क्रमशः स्वर्ण और रजत पदक मिले। भारत की अनुया प्रसाद फाइनल में पांचवें स्थान पर रही जबकि वेदिका शर्मा क्वालीफिकेशन दौर से ही बाहर हो गई।

टेस्ट रैंकिंग में 8वें स्थान पर खिसका पाकिस्तान

एजेंसी ▶▶ दुबई

बांग्लादेश के हाथों पहली बार टेस्ट श्रृंखला गंवाने के बाद पाकिस्तान अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद की टेस्ट रैंकिंग में आठवें स्थान पर खिसक गया और उसकी रेटिंग 1965 के बाद पहली बार अपने न्यूनतम स्तर पर पहुंच गई। पाकिस्तान पहले टेस्ट मैच में 10 विकेट से और दूसरे मैच में छह विकेट से हार गया था। यह दोनों मैच रावलपिंडी में खेले गए थे।

आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, 'बांग्लादेश के हाथों अपने घरेलू मैदान पर श्रृंखला में करारी हार झेलने के बाद पाकिस्तान आईसीसी पुरुष टेस्ट टीम रैंकिंग में दो स्थान नीचे आठवें स्थान पर खिसक गया है। उसके 76 रेटिंग अंक हैं। पाकिस्तान 1965 के बाद

पहली बार इतने कम रेटिंग अंकों पर पहुंचा है।' बांग्लादेश 13 रेटिंग अंक हासिल करने के बावजूद पाकिस्तान से पीछे नौवें स्थान पर बना हुआ है। श्रृंखला में 2-0 से जीत के बाद हालांकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप की तालिका में उसको फायदा हुआ है और वह भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बाद चौथे स्थान पर पहुंच गया है।

द्रविड़ बनेंगे राजस्थान के मुख्य कोच

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

टी20विश्व कप 2024 जीतने वाली भारतीय टीम के मुख्य कोच रहे राहुल द्रविड़ आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स के मुख्य कोच बनने जा रहे हैं।

जून में बारबाडोस में भारत की खिताबी जीत के बाद ब्रेक लेने वाले द्रविड़ इस साल के आखिर में होने वाली नीलामी से पहले खिलाड़ियों के रिटेंशन जैसे अहम मसलों पर

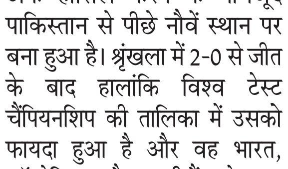

काम करना शुरू करेंगे। एक सूत्र ने बताया, 'बातचीत आखिरी चरण में है और वह जल्दी ही मुख्य कोच का पद संभालेंगे।' पिछले तीन साल से रॉयल्स के क्रिकेट निदेशक पद पर काबिज कुमार संगकारा इस भूमिका में बने रहेंगे।

लोग कहते हैं कलयुग की कामधेनु

अजूबा है ये गाय, 18 माह की उम्र से दे रही दूध, एक बार भी नहीं बनी मां

भोपाल। मध्य प्रदेश के सीधी जिले में एक ऐसी गाय है, जिसे कलयुग की कामधेनु माना जा रहा है। इसे लोग ईश्वर का चमत्कार मान रहे हैं। यह गाय साढ़े 5 वर्ष से बिना किसी बच्चे को जन्म दिए दूध दे रही है। शास्त्रों में कामधेनु गाय के बारे में आपने सुना ही होगा। माना जाता है कि कामधेनु गाय में सभी देवी-देवताओं का वास होता है। वहीं, सीधी के सिहावल अंतर्गत डमक पंचायत की इस गाय के दूर तक चर्चे हैं। बताया जाता है कि यह गाय साढ़े पांच साल से सुबह-शाम 4 से 5 लीटर दूध देती है। खास बात ये कि यह गाय अभी तक एक बार भी मां नहीं बनी है। इस समय गाय की उम्र 7 वर्ष है। दावा किया कि 18 माह की उम्र इस गाय ने दूध देना शुरू कर दिया था। इस गाय को प्यार से आशुतोष तिवारी कपिला कहते हैं।

प्यार से कपिला कहते हैं

साहीवाल नस्ल की गाय

गाय पालक आशुतोष तिवारी ने बताया कि उनको गाय पालने का काफी शौक रहा है। यह गाय जन्म से ही काफी अलग थी। जब 18 माह की थी, तब मार्च 2019 में उसके थन अचानक मोटे हो गए, तब ऐसा आभास हुआ कि शायद इसके थनों में दूध आ गया है। उन्होंने तब से ही इसे लगाना शुरू किया था। यह साहीवाल नस्ल की गाय है। आगे बताया कि उनके पास 3 गाय है। एक देसी व 2 साहीवाल।

कौन थी कामधेनु गाय

पंडित इंद्रमणि घनश्याम के अनुसार, हिंदू पुराणों में कामधेनु गाय का जिक्र मिलता है। जब देवताओं ने समुद्र मंथन किया था, तब उसमें से निकलने वाली 14 मूल्यवान चीजों में एक कामधेनु गाय भी थी। इसको देवताओं ने प्रणाम किया और स्वर्ग में स्थान दिया। माना जाता है कि जिसके पास भी कामधेनु गाय होती थी, वह शक्तिशाली कहलाता था।

2025 में प्रलयकारी घटना से मचेगी तबाही, बाबा वेंगा की डरावनी भविष्यवाणियां

एजेंसी ▶▶| लंदन

बुल्गारिया की बाबा वेंगा एक प्रसिद्ध बल्गेरियाई भाविष्यवक्ता थीं। बाबा वेंगा को उनकी भविष्यवाणियों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। साल 1911 में बाबा वेंगा का जन्म हुआ था और साल 1996 में 86 साल की उम्र में उनका निधन हो गया। सिर्फ 12 साल की उम्र में ही बाबा वेंगा की आंखों की रोशनी चली गई थी। उन्होंने दुनिया को लेकर कई भविष्यवाणियां की थीं, जो सच साबित हुई हैं। बाबा वेंगा को बाल्कन क्षेत्र का नास्त्रेदमस कहा जाता है। बाबा वेंगा ने दुनिया में बड़े बदलाव की भविष्यवाणी की है।

कई भविष्यवाणियां साबित हो चुकी हैं सच

भविष्यवक्ता बाबा वेंगा ने साल 2025 को लेकर डराने वाली भविष्यवाणियां की हैं। बाबा वेंगा ने अपनी मौत से पहले दुनिया के खत्म होने से लेकर युद्ध और आपदा समेत कई भविष्यवाणियां कर दी थीं। उन्होंने सन 5079 तक की भविष्यवाणी की थीं। बाबा वेंगा की सोवियत संघ के विघटन, अमेरिका में आतंकी संगठन अलकायदा के 9/11 हमले समेत कई भविष्यवाणियां सच साबित हो चुकी हैं।

मानवता के अंत की होगी शुरुआत

बाबा वेंगा ने यूरोप को लेकर बेहद डरावनी भविष्यवाणी की है। बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की है कि साल 2025 में एक प्रलयकारी घटना घटेगी। इससे मानवता के अंत की शुरुआत होगी। उनकी भविष्यवाणी के मुताबिक, साल 2025 में यूरोप में आंतरिक संघर्ष से तबाही मचेगी। उनके मुताबिक, इस संघर्ष यूरोप की आबादी को भारी नुकसान होगा। बाबा वेंगा की यह भविष्यवाणी लोगों को डरा रही है, क्योंकि हाल के दिनों में यूरोप के कुछ देशों में दंगे देखने को मिले हैं। इन देशों में फ्रांस और ब्रिटेन प्रमुख हैं।

यूरोप में होगा इस्लामिक शासन

बाबा वेंगा के मुताबिक, साल 2028 में नए ऊर्जा स्रोत की खोज में मानव शुक्र ग्रह पर पहुंच सकता है। उनका कहना है कि 2033 तक ध्रुवीय बर्फ पिघलने में तेजी आएगी और समुद्र के जल स्तर में भारी वृद्धि होगी। बाबा वेंगा ने भविष्यवाणी की है कि 2043 में यूरोप में मुस्लिम शासन होगा। बाबा वेंगा की भविष्यवाणी के मुताबिक, भू-राजनीतिक बदलाव भी होगा। उन्होंने कहा है कि साल 2076 तक पूरी दुनिया में कम्युनिस्ट शासन की वापसी होगी।

डॉ. महंत ने की खाद्य मंत्री को हटाने की मांग, कांग्रेस लोकायुक्त में करेगी शिकायत

प्रदेश में 1 हजार करोड़ से अधिक का धान खराब, कलेक्टरों पर कार्रवाई की मांग

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने धान खरीदी में गड़बड़ी का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा, समर्थन मूल्य पर खरीदे गए धान का रखरखाव सही ढंग से नहीं होने पर 1 हजार करोड़ से अधिक का धान खराब हुआ है। नेता प्रतिपक्ष ने खाद्य मंत्री को हटाने और जिला कलेक्टरों के खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की मांग की है। कांग्रेस ने प्रधानमंत्री और राज्यपाल से खाद्य मंत्री को पद से हटाने के साथ सीएम से स्पष्टीकरण लेने की मांग की है। कांग्रेस मामले में लोकायुक्त से शिकायत करेगी।

कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन में संवाददाताओं से चर्चा में डॉ. महंत ने कहा, खरीफ फसल 2023 के धान की खरीदी के दौरान ही भारतीय जनता पार्टी की सरकार आ गई थी। कांग्रेस की सरकार के सुशासन के कारण प्रदेश के किसानों द्वारा इतिहास का सर्वाधिक धान उत्पादन किया गया। समर्थन मूल्य पर अब तक की सर्वाधिक 144 लाख 92 हजार मीट्रिक टन धान की खरीदी हुई, जो अनुमानित मात्रा 130 लाख मीट्रिक टन से 15 लाख मीट्रिक टन अधिक थी। राज्य सरकार द्वारा धान की इस मात्रा के भंडारण, मिलिंग तथा चावल के उपार्जन एवं भंडारण की कोई कार्य योजना नहीं बनाई गई। उन्होंने कहा, भाजपा की लचर सरकार के कुशासन के कारण इस संपूर्ण धान की न तो समय पर मिलिंग हुई और न ही खरीदी केन्द्रों तथा संग्रहण केन्द्रों पर बचे हुए धान की सुरक्षा एवं रखरखाव की समुचित व्यवस्था की गई।

इन जिलों में हुआ धान नष्ट

प्रदेश के एक दर्जन से अधिक जिलों में धान नष्ट हुआ, इन जिलों में मुंगेली में उपार्जन केन्द्रों पर सर्वाधिक धान 26 करोड़ लागत मूल्य नष्ट हुआ है। कांकेर, कबीरधाम, बिलासपुर, बालोद, बेमेतरा, बलौदाबाजार, खैरागढ़, जशपुर, कोरिया, बीजापुर, कोंडागांव में धान नष्ट हुआ है। इसके अलावा जिला बस्तर, सुकमा, रायगढ़, सारंगढ़, राजनांदगांव, गरियाबंद, महासमुंद, बलरामपुर, तथा सरगुजा में भी भारी मात्रा में उपार्जन केन्द्रों पर धान नष्ट हुआ है। इसी प्रकार विपणन संघ के जिला बस्तर, दुर्ग, राजनांदगांव, बलौदाबाजार, धमतरी तथा गरियाबंद में बड़ी मात्रा में धान शेष है जो कि वर्षा के पानी से बुरी तरह से क्षतिग्रस्त हो चुका है और इस धान की मिलिंग करके यदि चावल बनाया जाएगा तो वह मानव के खाने योग्य नहीं होगा, वह चावल या तो पशु आहार बनाने के काम आएगा अथवा शराब बनाने के काम आएगा।

यह शुद्ध रूप से राष्ट्रीय क्षति

इसका दुष्परिणाम यह हुआ है कि 2 सितंबर की स्थिति में धान खरीदी केन्द्रों से 4 लाख 16 हजार 410 क्विंटल धान का उठाव तथा संग्रहण केन्द्रों से 21 लाख 77 हजार 470 क्विंटल धान का उठाव नहीं किया जा सका है। खरीदी केन्द्रों पर जो 4 लाख 16 हजार 410 क्विंटल धान शेष दिख रहा है, वह पूरी तरह से नष्ट हो चुका है, इस धान की कुल लागत 166 करोड़ 56 लाख रुपये होती है। उन्होंने कहा, यह शुद्ध रूप से राष्ट्रीय क्षति है। संग्रहण केन्द्रों में शेष धान 21 लाख 77 हजार 470 क्विंटल की कुल लागत 870 करोड़ 99 लाख रुपये होती है, इसमें से भी अधिकतर धान पानी से डैमेज हो चुका है, इसलिए कस्टम मिलिंग के लिए राइस मिलर्स इसका उठाव नहीं कर रहे हैं। कुल मिलाकर 1 हजार 37 करोड़ 55 लाख रुपये का धान खराब हुआ है।

भाजपा सरकार के काम को कांग्रेस पचा नहीं पा रही : शर्मा

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता संदीप शर्मा ने नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत द्वारा धान खरीदी, उसकी कस्टम मिलिंग व उसके रखरखाव में भ्रष्टाचार के आरोप पर कहा, प्रदेश की सुशासन वाली सरकार ने किसानों के कल्याण, उनके आर्थिक सशक्तीकरण और कृषि को लाभकारी बनाने के जितने काम पारदर्शिता के साथ किए हैं, कांग्रेस के लोग उसे पचा नहीं पा रहे हैं। कांग्रेस के शासनकाल में किसानों को चार किस्तों में उनकी उपज का मूल्य तड़पा-तड़पा कर खैरात की तरह दिया जाता था। अनलिमिटेड धान की खरीदी का वादा राहुल गांधी ने किया था, वह भी कांग्रेस ने पूरा नहीं किया।

नवोदय विद्यालय में रैगिंग

सीनियर छात्रों ने जूनियर को आधी रात हाउस में बुलाकर की पिटाई

हरिभूमि न्यूज ▶▶| जांजगीर-हसौद

नवगठित जिला सक्ती अंतर्गत जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा में रैगिंग का मामला सामने आया है। यहां 9वीं कक्षा के छह छात्रों ने छठवीं के एक छात्र को आधी रात हाउस में बुलाया और उसकी रैगिंग लेते हुए पिटाई भी की। इस शिकायत के बाद स्कूल प्रबंधन के साथ प्रशासनिक अमला हरकत में आया। आरोपी व पीड़ित छात्र के परिजनों के साथ बैठक हुई, जिसके बाद छह छात्रों को निलंबित करते हुए घर भेज दिया गया है। इस दौरान गठित कमेटी जांच करेगी।

जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा में 31 अगस्त की रात करीब 12 बजे 9वीं कक्षा में पढ़ने वाले आधा दर्जन छात्रों ने छठवीं कक्षा के जूनियर छात्र को अपने आवास में बुलवाया। सीनियर के बुलावे पर पहुंचे जूनियर छात्र की रैगिंग ली गई। इस दौरान स्केल, हाथ-मुक्का से उसकी

जमकर पिटाई की गई। यही नहीं इस मामले को बताने पर उन्होंने और मारपीट करने की धमकी दी। रैगिंग के बाद पीड़ित छात्र डरा सहमा अपने रूम आकर सो गया और अगले दिन अपने माता-पिता को आपबीती सुनाई, जिसके बाद अभिभावक हरकत में आए और उन्होंने 2 सितंबर को इसकी लिखित शिकायत विद्यालय के प्राचार्य से की। शिकायत मिलते ही स्कूल प्रबंधन हरकत में आया। वहीं प्रशासन ने भी इस मामले को गंभीरता से लिया। इसके बाद 4 सितंबर को हसौद तहसीलदार भीष्म कुमार पटेल की अध्यक्षता में बैठक बुलाई गई। बैठक में पीड़ित छात्र व मारपीट करने वाले छात्रों के अभिभावक शामिल हुए।

कमेटी करेगी जांच

रैगिंग की शिकायत मिलने पर तहसीलदार की अध्यक्षता में पीड़ित व रैगिंग लेने वाले छात्रों के अभिभावकों की उपस्थिति में बैठक ली गई। प्रारंभिक तौर पर रैगिंग लेने वाले छात्रों को पंद्रह दिनों के लिए घर भेज दिया गया है। तब तक जांच कमेटी अपना रिपोर्ट पेश करेगी, जिसके आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

-एस.बी.सक्सेना, प्राचार्य जवाहर नवोदय विद्यालय चिस्दा

छाल खदान में चोरी के मामले में दो कर्मचारी निलंबित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायगढ़

एसईसीएल की छाल खदान में कोयला चोरी करने खदान में घुसी दो गाडिय़ों को अंदर कराने के मामले में दो कर्मचारियों पर कार्रवाई की गई है। एसईसीएल प्रबंधन ने दोनों को सस्पेंड कर दिया गया जिसके बाद मंगलवार को खदान में हंगामा शुरु हो गया। श्रमिक यूनियन ने खदान में काम बंद कर दिया। वहीं एसईसीएल ने दो अन्य को आरोप पत्र जारी किया है।

कहा जा रहा है कि दोनों गाडिय़ों को अंदर कराने में इन्होंने मदद की थी। इसके अलावा दो अन्य गार्ड को आरोप पत्र जारी कर जवाब मांगा गया है। दोनों को सस्पेंड करते ही खदान में कर्मचारी यूनियन ने हंगामा कर दिया। दोपहर बाद ही बवाल मचाते हुए खदान में पूरा काम बंद कर दिया गया। डिस्पैच रुक जाने से कई कंपनियों के डीओ लटक गए हैं। इस कांड में कई सवाल अनुत्तरित हैं। गाडिय़ां जब अंदर आईं तो क्या कांटे में बाबू मौजूद था। किस लोडर से कोयला लोड हुआ।माइंस में आशीष, प्रभात और अली तीन लोडर काम कर रहे हैं। एसईसीएल ने सभी प्वाइंट में सीसीटीवी फुटेज की जांच शुरू कर दी है। एक साथ सैकड़ों गाडिय़ां पहुंच जाने के कारण जांच में समय लग रहा है। शनिवार रात को छाल खदान में बिना किसी वैध कार्ड के दो ट्रेलरों की एंट्री कराई गई थी।

छुट्टियां मनाने गई थी लड़की, वेटर को दे बैठी दिल, चट डेटिंग और पट कर डाली शादी!

लंदन। हममें से ज्यादातर लोगों को घूमना-फिरना पसंद होगा। ऐसे में कुछ जगहें तो इतनी प्यारी होती हैं कि वहां जाने के बाद लौटने का मन ही नहीं होता है। रिपोर्ट के मुताबिक इंग्लैंड के सरी की रहने वाली बेथ नाम की लड़की अपने परिवार के साथ तुर्की में छुट्टियां मनाने गई थी। यहां उसे एक होटल के वेटर से ही प्यार हो गया। बेथ को वेटर इतना पसंद आया कि उन्होंने एक-दूसरे से बात करनी शुरू कर दी। उन्हें प्यार हो गया लेकिन इसका एहसास तब हुआ, जब बेथ अपने घर वापस चली गईं। इंग्लैंड पहुंचकर बेथ अपने वेटर ब्वॉयफ्रेंड से घंटों वीडियो कॉल करती रहती थीं। उन्होंने तुर्की के लिए अपनी ट्रिप भी बुक की और इस बार उन्हें लेने के लिए उनका ब्वॉयफ्रेंड एयरपोर्ट तक पहुंचा। वे उनके परिवार वालों से मिलीं और फिर उनका परिवार भी तुर्की आया। यहां उनके ब्वॉयफ्रेंड ने शादी का प्रपोजल दिया।

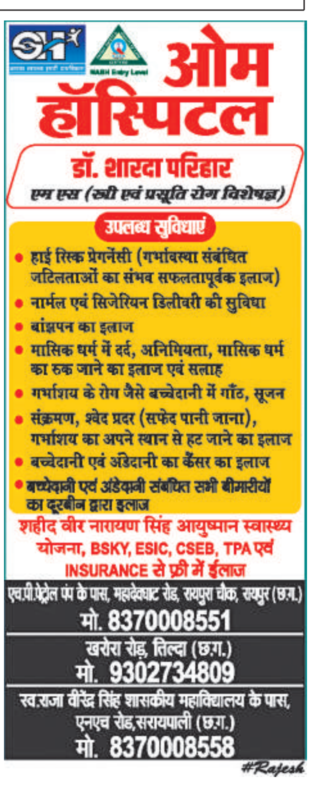

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अनिल कुमार द्वारा हरिभूमि पब्लिकेशन्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से मुद्रित एवं हरिभूमि काम्पलेक्स, टिकरापारा, धमतरी रोड, रायपुर (छत्तीसगढ़)-492001 से प्रकाशित। प्रधान संपादक : डॉ. हिमांशु द्विवेदी, स्थानीय संपादक धनंजय वर्मा, संपादक (समन्वय) ब्रह्मवीर सिंह। RNI No. CHHHIN/2002/07457, फोन : 0771-4242222, e-mail:raipur@haribhoomi.com